www.mpinfo.org/rojgar | www.mpmadhyam.in
डाक पंजीयन क्र. ई-2/भो.स./186/2018-2020
लाइसेंस क्र. टेक/WPP/21-1/2018-20
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

वर्ष-37, अंक-33, मूल्य ₹10.00

रोज़गार और निर्माण

http://www.rojgaraurnirman.in

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल, 17.08.2020 से 23.08.2020

मुख्यमंत्री का स्वतंत्रता दिवस संदेश

स्वतंत्रता दिवस से शुरू हुआ सहयोग से सुरक्षा अभियान

श्रम सिद्धि अभियान में 61 लाख श्रमिकों को मिला रोज़गार

गेहूं उपार्जन में मध्यप्रदेश बना देश में नंबर वन राज्य

प्रदेश के विश्वविद्यालयों में स्थापित होंगे इन्क्यूबेशन सेंटर

नये उद्योगों की स्थापना के लिये सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने देश के 74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भोपाल स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता के नाम संबोधन में कहा कि मध्यप्रदेश में कोरोना महामारी को खत्म करने के लिये सहयोग से सुरक्षा अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसका मूलमंत्र- प्रमोट, परपेच्यूएट, प्रोपोगेट, पार्टिसिपेट और प्रोटेक्ट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में श्रमिकों के सामने रोज़गार संकट खड़ा हो गया था। श्रमिकों को रोज़गार दिलाने के लिये प्रदेश में श्रम सिद्धि अभियान प्रारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत 61 लाख श्रमिकों का नियोजन किया गया है। साथ ही 14 लाख से अधिक श्रमिकों के जॉब कार्ड बनाये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि को सदैव प्राथमिकता में रखा गया है। इस बार मध्यप्रदेश ने गेहूं उपार्जन के मामले में पंजाब को पीछे छोड़ते हुये देश में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में 1 करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के युवा न केवल रोज़गार पाने वाले बनें, बल्कि दूसरों को रोज़गार देने वाले भी बनें। इसके लिये प्रदेश के विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की जायेगी। मुख्यमंत्री द्वारा दिये गये संबोधन के संपादित अंश रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित किये जा रहे हैं-

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता दिवस पर मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेश की जनता के नाम संदेश दिया।

भारत के 74वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। स्वतंत्रता दिवस पर भोपाल स्थित शौर्य स्मारक में मुझे भारत-माता की दिव्य एवं भव्य प्रतिमा के अनावरण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारत-माता, जिसकी तरफ कोई आँख उठाकर भी देख ले तो हर भारतवासी का खून खौलता है, जिसकी एक पुकार पर देश का बच्चा-बच्चा बलिदान की भाषा बोलता है, जिसके गौरव की रक्षा के लिए तन-मन-धन-जीवन सब अर्पण है, ऐसी करोड़ों भारतीयों की आस्था का केन्द्र माँ-भारती के चरणों में कोटि-कोटि वंदन है। मैंने स्वतंत्रता दिवस पर भारत-माता से प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद माँगा है। स्वतंत्रता दिवस पर मैंने भारत-माता के समक्ष आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प लिया है। स्वतंत्रता-दिवस पर भारत-माता की स्तुति में हर्षित मन से "वन्दे मातरम्" का जय-घोष करते हुए हम सब उनके चरणों में अगाध श्रद्धा के साथ वंदन करते हैं। ये विश्व-गुरु कहलाने वाला गौरवशाली भारत है। ये सोने की चिड़िया कहलाने वाला वैभवशाली भारत है। ये संसार को सत्य-अहिंसा का मार्ग दिखाने वाला पुण्यशाली भारत है। भारत-भूमि में आजादी की जिस खुली हवा में हम साँस ले रहे हैं, उसे प्राप्त करने के लिए अनेक वीरों ने अपनी साँसें दाँव पर लगाईं। स्वतंत्रता के जिस उजाले में हम जीवन व्यतीत कर रहे हैं, उसे पाने के लिए अनेक महापुरुषों ने अपना जीवन होम किया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की ललाट पर स्वाधीनता का तिलक लगाने के लिए अनेक सेनानियों ने अपना बलिदान दिया है।

मैं आजादी के वीर सिपाहियों को शत-शत नमन करता हूँ। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को हृदय की गहराई से प्रणाम करता हूँ। उनके त्याग और बलिदान की गाथाएँ हम सबके लिए देशभक्ति की प्रेरणा का अविरल स्रोत हैं। विगत दिनों हमारी सीमा पर अतिक्रमण करने का दुस्साहस करने वालों को वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की परवाह न कर मुँह-तोड़ जवाब दिया। भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास के इस महत्वपूर्ण अध्याय में मध्यप्रदेश के रीवा जिले के फरेंदा गाँव के सैनिक श्री दीपक सिंह ने भी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। मैं प्रदेशवासियों की ओर से शहीद स्वर्गीय श्री दीपक सिंह के प्रति सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। राज्य सरकार देश के इन वीर सपूतों के परिवारों के साथ है और सरकार की ओर से प्रत्येक शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपये की सम्मान निधि, एक मकान अथवा प्लॉट एवं परिवार के एक सदस्य को शासकीय नौकरी दिए जाने का फैसला लिया गया है। स्वातंत्र्य-पर्व पर मैं देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग करने वाले सभी शहीदों को कोटि-कोटि नमन करता हूँ।

कोरोना महामारी सदी की सबसे बड़ी चुनौती के रूप में विश्व के सामने आई है। जहाँ एक ओर विकास के प्रतिमान को छूने वाले दुनिया के अनेक देशों को कोविड-19 के परिणामस्वरूप बहुमूल्य मानव संपदा तथा अर्थव्यवस्था में अप्रत्याशित हानि उठानी पड़ी, वहीं दूसरी ओर माननीय प्रधानमंत्रीजी के कुशल नेतृत्व में सही समय पर लिए गए सुविचारित निर्णयों के परिणामस्वरूप भारत ने कोरोना संक्रमण से बचाव की दिशा में प्रभावी कार्य किया। माननीय प्रधानमंत्रीजी, मेन ऑफ आइडियाज हैं। कठिन चुनौती भरे समय को अवसर के रूप में लेते हुए उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आह्वान किया।

जब 23 मार्च, 2020 को मध्यप्रदेश में नई सरकार का गठन हुआ तो कोविड-19 की चुनौती मुँह बाए खड़ी थी। सरकार से एक ही अपेक्षा थी- ऐसी युक्ति करें कि कोरोना से प्रदेश को मुक्ति मिले। इसीलिए हमने बिना एक भी क्षण गँवाए युद्ध स्तर पर कार्य प्रारंभ कर दिया। कोविड की आपदा से निपटने के लिए सरकार ने समाज के सहयोग से आई.आई.टी.टी. अर्थात् "आईडेंटीफाई, आयसोलेट, टेस्ट एण्ड ट्रीट" की रणनीति बनाकर उस पर अमल किया। जहाँ एक तरफ लॉकडाउन के दौरान अत्यावश्यक वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गयी, वहीं दूसरी तरफ चिकित्सा सामग्री एवं अन्य आवश्यक उपकरण जैसे- दवाएँ, मास्क, ग्लव्स, पीपीई किट्स, ऑक्सीजन सिलेंडर, वेंटीलेटर्स, टेस्टिंग लेबोरेटरी और टेस्टिंग किट्स आदि की पर्याप्त उपलब्धता रखी गयी ताकि मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की कमी न रहे। सरकार के प्रोत्साहन से कोरेना संक्रमाण के इलाज के लिए आवश्यक कई सामग्रियों का उत्पादन मध्यप्रदेश में ही प्रारंभ हुआ। यह आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम था।

भारत की चिकित्सा परम्परा रोग की रोकथाम पर बल देती है। इसी विचार एवं विश्वास से प्रेरणा लेकर हमने रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए "जीवन-अमृत" योजना आरंभ की। इसके अंतर्गत 3 करोड़ 80 लाख से भी अधिक व्यक्तियों को आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक एवं यूनानी जीवन-अमृत औषधियाँ तथा रोग-प्रतिरोधक काढ़ा निःशुल्क वितरित किया जा चुका है।

प्रदेश में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए 1 जुलाई से 31 जुलाई 2020 के मध्य चलाये गए "किल-कोरोना अभियान" में घर-घर जाकर शत-प्रतिशत परिवारों का सर्वे किया गया। 1 अगस्त से प्रारंभ अभियान के दूसरे चरण में सोशल डिस्टेंसिंग एवं मास्क लगाने की अनिवार्यता के संबंध में जन-जागरूकता के विस्तार का काम किया। किल-कोरोना अभियान, संक्रमण की चेन को तोड़ने में सहायक सिद्ध हुआ है। हम "सहयोग से सुरक्षा" अभियान प्रारंभ कर रहे हैं, जिसका मूल मंत्र 5 शब्द हैं- **प्रमोट**-अर्थात् सुरक्षा के उपायों को बढ़ावा देना, **परपेच्यूएट**- अर्थात् परिवर्तित व्यवहार को स्थायी बनाना, **प्रोपोगेट**-अर्थात् गलत एवं भ्रामक जानकारियों का खण्डन करना, **पार्टिसिपेट**- अर्थात् कोविड की रोकथाम में जन-सहयोग प्राप्त करना एवं **प्रोटेक्ट**-अर्थात् कोरोना संक्रमित को किसी भी भेदभाव से बचाना।

मैं प्रदेश की जनता से आह्वान करता हूँ कि यदि हमें कोरोना की महामारी से आजादी पाना है तो जब भी घर से बाहर निकलें, मास्क अवश्य लगायें। आपस में दो गज यानी 6 फीट की दूरी रखें, नियमित अंतराल पर अपने हाथ साबुन से धोते रहें, योग-प्राणायाम-व्यायाम-काढ़ा सेवन आदि के माध्यम से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ायें।

राज्य सरकार भोपाल गैस त्रासदी से पीड़ित व्यक्तियों की चिकित्सा तथा राहत एवं पुनर्वास योजनाओं के माध्यम से उनकी सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। कोरोना-काल में गैस पीड़ितों की स्क्रीनिंग के लिए विशेष फीवर क्लीनिक संचालित किये जा रहे हैं। गैस राहत चिकित्सालयों में उनकी स्वास्थ्य सेवाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

सरकार ने "जान है तो जहान है" के भाव को लेकर कोरोना के संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये हैं। साथ ही आजीविका और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के उद्देश्य से "जान भी रहे और जहान भी" के भाव को साकार करने का प्रयास किया। पहली और सबसे बड़ी चुनौती प्रवासी श्रमिकों के आवागमन का प्रबंधन थी। हमारी सोच थी कि- हम सब भारत माँ के लाल, भेदभाव का कहाँ सवाल? हमारी भावना थी- अतिथि देवो भवः। इस दौरान लगभग 15 लाख श्रमिक परिवार प्रदेश में लौटे और लगभग 5 लाख श्रमिक प्रदेश से गुजरकर अपने राज्यों में गए। हमारा संकल्प था कि मध्यप्रदेश की धरती पर कोई श्रमिक भूखा नहीं सोयेगा और कोई पैदल नहीं चलेगा। सरकार और समाज ने मिलकर इस संकल्प को पूरा किया।

राज्य सरकार प्रत्येक श्रमिक को रोज़गार दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अकुशल श्रमिकों को रोज़गार प्रदान करने के लिए बड़ा रोज़गार कार्यक्रम "श्रम सिद्धि अभियान" प्रारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत लगभग 61 लाख श्रमिकों का नियोजन हुआ है। कोरोना संक्रमण काल में प्रवासी मजदूरों को उनके निवास स्थान के समीप रोज़गार देने के उद्देश्य से घर-घर सर्वे कर 14 लाख से अधिक श्रमिकों के जॉब कार्ड बनाए गए तथा पुराने जॉब कार्डों को नवीनीकृत किया गया है। अब तक 2400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मजदूरी के रूप में श्रमिकों के खातों में अंतरित की जा चुकी है।

मनरेगा अंतर्गत सरकार द्वारा अपने पूर्व निर्धारित लेबर बजट 20 करोड़ 50 लाख मानव दिवस में 66 प्रतिशत वृद्धि करते हुए 34 करोड़ से अधिक मानव दिवस अर्जित करने का लक्ष्य रखा गया है। विगत चार माह में 12 करोड़ मानव दिवस से अधिक की उपलब्धि अर्जित की जा चुकी है।

कुशल श्रमिकों और नियोक्ताओं को एक मंच पर लाकर रोज़गार उपलब्ध करवाने के लिये रोज़गार सेतु पोर्टल प्रारंभ किया गया। पोर्टल के माध्यम से अब तक लगभग 39 हजार प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल के अनुरूप रोज़गार प्राप्त हुआ है।

प्रदेश के चयनित 24 जिलों में भारत सरकार के गरीब कल्याण रोज़गार अभियान का क्रियान्वयन किया गया है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद प्रवासी श्रमिकों को रोज़गार प्रदान किया जा रहा है।

रोज़गार के साथ स्व-रोज़गार भी राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के केन्द्र में रहा है। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि के माध्यम से प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में 35 प्रकार के छोटे व्यवसायी, ठेला चलाने वाले भाई तथा पथ-विक्रेताओं को कार्यशील पूँजी देने का महाभियान प्रारंभ किया है। योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश में कुल स्वीकृत प्रकरणों में से 47 प्रतिशत से अधिक प्रकरणों की स्वीकृति के साथ शीर्ष पर है।

पथ-विक्रेताओं को ऋण पर 7 प्रतिशत से अधिक ब्याज की राशि का भार मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। अब तक 8 लाख 70 हजार से अधिक पथ-विक्रेताओं द्वारा पंजीयन कराया गया है। ग्रामीण पथ-विक्रेताओं को बिना ब्याज 10 हजार रुपये की कार्यशील पूँजी उपलब्ध कराने के लिए एक नई पहल मुख्यमंत्री ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर ऋण योजना के रूप में प्रारंभ की गयी है। इसके अंतर्गत कामगार सेतु पोर्टल पर अब तक लगभग 8 लाख 50 हजार पंजीयन हो चुके हैं। हम सभी पात्र पथ-विक्रेताओं को उनके व्यवसाय के लिए कार्यशील पूँजी दिलायेंगे।

मध्यप्रदेश, देश का ऐसा कल्याणकारी राज्य है, जहां अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को संबल योजना के माध्यम से जन्म से लेकर मृत्यु तक सुरक्षा कवच दिया गया है। विगत चार माह में योजना के विभिन्न घटकों के अंतर्गत लगभग 25 हजार से अधिक हितग्राहियों को लगभग 268 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार ने सुनिश्चित किया है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा घोषित पैकेज का पूरा लाभ राज्य के पात्र हितग्राहियों को मिले। (शेष पृष्ठ 20 पर)

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

पिछला सप्ताह

8 अगस्त

रेलवे ने शुरू की किसान रेल सेवा

● देश में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिये भारतीय रेलवे ने

किसान रेल सेवा शुरू की है। केंद्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने देश की पहली किसान रेल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई। यह रेल महाराष्ट्र के नासिक जिले के देवलाली से बिहार के दानापुर के लिये रवाना हुई। रेलवे ने कहा कि इस नई सेवा से देश के कई राज्यों के किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस ट्रेन सेवा के जरिये केवल किसानों के फलों और सब्जियों को कम से कम समय में गंतव्य तक पहुंचाया जायेगा। यह विशेष ट्रेन खाद्य सामग्री को सड़क मार्ग की तुलना में 15 घंटे पहले पहुंचायेगी। साथ ही किसानों को माल ढुलाई की लागत पर एक हजार रुपये प्रति टन की बचत होगी।

● रूस ने अपनी परमाणु नीति में बदलाव करते हुये आक्रामक रुख अपनाया है। रूस ने कहा कि अगर उसके ऊपर किसी भी बैलिस्टिक मिसाइल से हमला होता है, तो वह पलटवार में परमाणु बम से हमला करेगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि किसी भी हमलावर मिसाइल को परमाणु सम्पन्न मिसाइल के रूप में माना जायेगा। किसी भी ऑटोमेटिक बैलिस्टिक मिसाइल से हुये हमले की स्थिति में शीर्ष नेतृत्व को जानकारी दी जायेगी, जो परिस्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया का पैमाना तय करेगा।

9 अगस्त

विदेशों से आयात होने वाले 101 रक्षा उत्पादों पर लगाया जायेगा प्रतिबंध

● केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने देश को आत्म-निर्भर भारत बनाने की दिशा में

बड़ा ऐलान करते हुये कहा कि विदेशों से आयात होने वाले 101 रक्षा उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया जायेगा। ये उत्पाद अब देश में बनाये जायेंगे। श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस निर्णय का उद्देश्य देश के रक्षा बाजार को मजबूत करना है। इन उपकरणों को तैयार करने में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की मदद ली जायेगी। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादों को तीनों सेनाओं की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया जायेगा। इससे हमारी डेवलपमेंट कैपिबिलिटी में भी इजाफा होगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, जिन रक्षा उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगेगा, उनमें हाइटेक हथियार जैसे आर्टिलरी गन, असॉल्ट राइफल, कोरवेट्स, हल्के लड़ाकू हेलिकॉप्टर, परिवहन विमान, रडार, बख्तरबंद लड़ाकू विमान और क्रूज मिसाइलों के साथ अन्य जरूरी उत्पाद शामिल हैं।

● थाईलैंड में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज होता जा रहा है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनकारियों ने रैली निकालकर राजशाही के विरोध में नारे लगाये। प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओ-चा से जल्द से जल्द चुनाव कराने तथा संवैधानिक सुधारों को लागू कराने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कोरोना के कारण अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। सरकार ने अर्थव्यवस्था को संभालने का प्रयास नहीं किया है, इससे लोगों में नाराजगी है।

10 अगस्त

लेजर गाइडेड बम से लैस होंगे इजराइली ड्रोन हेरोन

● सीमा पर चीन के साथ जारी तनाव के बाद भारतीय सेना ने किसी भी हालात से

निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। सेना ने केंद्र सरकार से मांग की है कि उन्हें मिले इजराइली ड्रोन हेरोन को लेजर गाइडेड बम और एंटी टैंक मिसाइलों से लैस किया जाये। सेना ने सरकार को यह प्रस्ताव प्रोजेक्ट चीता के तहत भेजा है, जिसके तहत 3500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत 90 हेरोन ड्रोन को लेजर गाइडेड बम, एयर टू ग्राउंड गाइडेड मिसाइल और एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल से लैस किया जाना है। इस प्रोजेक्ट में सशस्त्र बलों ने ड्रोन को मजबूत निगरानी सिस्टम से लैस करने का प्रस्ताव रखा है। इससे सुरक्षा बलों को दुश्मन देश की स्थिति जानने में मदद मिलेगी। साथ ही ड्रोन की मदद से हमला भी किया जा सकेगा।

● विश्वव्यापी कोरोना महामारी के कारण कई देशों में आर्थिक संकट के कारण स्थिति खराब हो गई है। इजराइल में कोरोना कुप्रबंधन के कारण लोगों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शित किया। इजराइल की राजधानी यरूशलम में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आवास के बाहर हजारों नागरिकों ने कुप्रबंधन, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू को भ्रष्टाचार से घिरा बताने वाले पोस्टर लहराए। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने इन विरोध प्रदर्शनों को विपक्ष की साजिश बताया और दावा किया कि नेतन्याहू इजराइल की अर्थव्यवस्था को बहाल करने के लिये लगातार काम कर रहे हैं।

● श्रीलंका में चार महीनों से बंद पड़े स्कूल अब खोल दिये गये हैं। इन स्कूलों को कोरोना महामारी के कारण मार्च 2020 में बंद कर दिया गया था। इनमें से कुछ स्कूलों को जुलाई माह में खोला गया था, लेकिन कोरोना महामारी का संक्रमण दोबारा फैलने से इन्हें बंद कर दिया गया था। श्रीलंका के शिक्षा सचिव एनएचएम चित्रनंदा ने बताया कि सभी स्कूलों को खोला गया है और कक्षाएं सामाजिक दूरी के आधार पर लगाई जा रही हैं।

11 अगस्त

सात सितंबर को होगी क्लैट परीक्षा

● देश में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिये आयोजित की जाने वाली परीक्षा कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट)

सात सितंबर को आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा के आयोजन के लिये देशभर के विधि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक हुई, जिसमें फैसला लिया गया कि यह परीक्षा सात सितंबर को आयोजित की जायेगी। इस परीक्षा के लिये अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड एनएलयू कंसोर्टियन की वेबसाइट से दो सप्ताह पहले डाउनलोड किये जा सकेंगे। यह परीक्षा देशभर के 200 से ज्यादा केंद्रों पर आयोजित होगी। उल्लेखनीय है कि क्लैट-2020 परीक्षा का आयोजन 10 मई 2020 को होना था, लेकिन देश में कोरोना महामारी के बढ़ते संक्रमण के कारण इसे स्थगित किया गया था।

● महाविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों में इस वर्ष जीरो ईयर नहीं होगा। यह जानकारी शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने संसद की स्थायी समिति की बैठक में दी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि शिक्षण सत्र के अंत तक परीक्षाएं आयोजित करा ली जायेंगी। सरकार की फिलहाल स्कूल खोलने की कोई योजना नहीं है। स्कूल खोलने के लिये राज्यों की सलाह ली जायेगी। अधिकारियों ने समिति से कहा कि तीसरी कक्षा तक के बच्चों को ऑनलाइन न पढ़ाया जाये। चौथी से आठवीं कक्षा तक सीमित ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाये।

● सोशल नेटवर्किंग एप वाट्सएप एक ऐसे नये फीचर पर काम कर रहा है, जिससे यूजर्स जल्द ही एक नंबर से कई मोबाइल फोन पर वॉट्सएप चला सकेंगे। वॉट्सएप इस फीचर पर काम कर रहा है। इस फीचर के तहत यूजर्स अपनी चैट हिस्ट्री को कम से कम चार डिवाइस पर सिंक कर सकेंगे। यदि कोई यूजर्स अपना फोन बदलता है, तो भी उसकी पिछली चैट हिस्ट्री नये फोन पर दिखेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, वॉट्सएप जल्द ही इस फीचर को लॉन्च करेगा। उल्लेखनीय है कि वॉट्सएप के डेस्कटॉप वर्जन में सिंक चैट फीचर है। इसके तहत यूजर्स मोबाइल और डेस्कटॉप दोनों में चैट देख सकता है।

12 अगस्त

नियमित यात्री ट्रेनें रहेंगी निलंबित

● भारतीय रेलवे ने नियमित यात्री ट्रेनों के संचालन के संबंध में कहा है कि सभी नियमित यात्री ट्रेन सेवायें अगले नोटिस तक निलंबित रहेंगी। इस दौरान 230 विशेष ट्रेनों का संचालन जारी रहेगा। रेलवे ने एक बयान जारी कर कहा कि कोरोना महामारी के संक्रमण को देखते हुये नियमित यात्री ट्रेनों का संचालन बंद किया गया था। इस दौरान रेलवे 230 विशेष ट्रेनें चला रही है। रेलवे ने कहा कि विशेष ट्रेनों में यात्रियों की संख्या पर निरंतर नजर रखी जा रही है।

● कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त हो चुके न्यूजीलैंड में एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने दस्तक दी है। न्यूजीलैंड में 102 दिन बाद कोरोना के मामले सामने आये हैं। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में एक ही परिवार के चार सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाये गये। संक्रमण की पुष्टि होने के बाद ऑकलैंड में एक बार फिर सख्त लॉकडाउन लागू कर दिया गया है। उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड में कोरोना के एक हजार से ज्यादा मामले आने के बाद देश में सख्त लॉकडाउन तथा बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के बाद कोरोना महामारी पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था।

13 अगस्त

तीन सौ से अधिक कॉलेजों को मान्यता नहीं दे सकेंगे विश्वविद्यालय

● भारत में नई शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालय अब 300 से अधिक कॉलेजों

को मान्यता नहीं दे सकेंगे। यह जानकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक ने दी। श्री निशंक ने कहा कि यह फैसला कॉलेजों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करने के लिये लिया गया है। उन्होंने कहा कि एक विश्वविद्यालय से 300 से ज्यादा कॉलेज संबद्ध नहीं हो सकेंगे। ऐसे में अगर विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ानी पड़ी तो यह काम भी किया जायेगा। श्री निशंक ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत चरणबद्ध तरीके से कॉलेजों को स्वायत्तता दी जायेगी तथा मान्यता प्रणाली के लिये एक पारदर्शी सिस्टम स्थापित किया जायेगा।

● लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए भीषण बम धमाके के बाद लेबनान की मदद के लिये भारत मानवीय सहायता भेज रहा है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि श्री टी.एस. तिरुमूर्ति ने दी। श्री तिरुमूर्ति ने बताया कि भारत मानवीय सहायता के रूप में दवाइयां और खाद्य सामाग्री भेज रहा है। उन्होंने बताया कि भारत ने कुछ समय पहले ही लेबनान को कोरोना से निपटने के लिये आवश्यक चिकित्सा सामग्री मुहैया कराई थी। श्री तिरुमूर्ति ने बताया कि हम तत्काल दवाएं, खाद्य सामग्री और जरूरी वस्तुएं भेज रहे हैं, ताकि बम धमाकों से पीड़ित लोगों को राहत मिल सके।

● भारत में अगस्त के पहले सप्ताह तक खरीफ फसलों का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ गया है। यह जानकारी केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में दी गई है। इस वर्ष 7 अगस्त तक खरीफ फसलों की बुआई का कुल रकबा 966 लाख हेक्टेयर पहुंच चुका है, जो पिछले वर्ष इस समय तक 878 लाख हेक्टेयर था। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष धान की रोपाई पिछले वर्ष की तुलना में 17.36 प्रतिशत अधिक हुई है।

14 अगस्त

सितंबर में आयोजित होंगी सीबीएसई की कंपार्टमेंट परीक्षाएं

● केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा दसवीं और बारहवीं की कंपार्टमेंट (पूरक) परीक्षाओं की घोषणा कर दी है। सीबीएसई ने कहा कि कक्षा दसवीं और बारहवीं की कंपार्टमेंट परीक्षाएं सितंबर माह में आयोजित की जायेंगी। कंपार्टमेंट परीक्षा के लिये 20 अगस्त तक फॉर्म भरे जायेंगे। कंपार्टमेंट परीक्षा के लिये छात्रों को प्रति विषय 300 रुपये फीस देनी होगी। वहीं विलंब शुल्क के साथ छात्र 22 अगस्त तक फॉर्म भर सकते हैं। हालांकि कंपार्टमेंट परीक्षाओं की तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है। सीबीएसई ने कहा कि जो विद्यार्थी एक से 15 जुलाई के बीच निर्धारित की गई परीक्षा रद्द होने के बाद बोर्ड द्वारा तय मूल्यांकन योजना के तहत पास हुए हैं। अगर वे अपने परिणाम को उन विषयों में सुधारना चाहते हैं, तो वे वैकल्पिक परीक्षा दे सकते हैं। इसके लिये कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जायेगा। इसके लिये 13 से 22 अगस्त तक फॉर्म भरे जायेंगे।

● सुप्रीम कोर्ट ने 31 मार्च 2020 तक बेचे गये बीएस-4 (भारत स्टेंडर्ड-IV) वाहनों के रजिस्ट्रेशन को मंजूरी प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सिर्फ उन्हीं बीएस-4 वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो सकेगा, जिनका ब्यौरा सरकारी पोर्टल ई-वाहन पर उपलब्ध है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 12 मार्च से 31 मार्च के बीच 1 लाख 34 हजार वाहन बेचे गये हैं, इनमें से 39 हजार वाहनों का ब्यौरा ई-वाहन पोर्टल पर दर्ज नहीं है।

● भारतीय रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी अब अपना पास ऑनलाइन बनवा सकेंगे। इसके लिये रेलवे ने ऑनलाइन पास जेनरेशन एवं टिकट बुकिंग के लिये ई-पास मॉड्यूल जारी किया है। इस सुविधा के तहत रेलवे के कर्मचारी अब कहीं से भी ई-पास तथा सुविधा टिकट आदेश के लिये ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे, इससे उन्हें विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

आत्मनिर्भर भारत के लिए नीति आयोग का सहयोगात्मक नियोजन

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिये रोडमैप तैयार करने के लिये शनिवार को भोपाल में सुशासन विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया।

भविष्य में सुशासन के परिवर्तनकारी नियोजन प्रक्रिया के लिए मध्यप्रदेश शासन नीति आयोग के साथ सहयोगात्मक और परामर्श की प्रक्रिया को अपनाएगा। राज्य शासन द्वारा तीन वर्षीय एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है जो चार प्रमुख क्षेत्र अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा तथा अर्थव्यवस्था और रोज़गार पर आधारित है। इसके लिये विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से परामर्श किया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के बावजूद सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से 7 से 11 अगस्त के मध्य चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर आधारित चार वेबिनार आयोजित किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन के गृह, लोक स्वास्थ्य, श्रम एवं नर्मदा घाटी विकास के अपर मुख्य सचिव अपनी टीम के साथ इन वेबिनार्स का नेतृत्व कर रहे हैं। चार समूहों को 18 उप-समूहों में बांटा गया है।

उप-समूह के भारत शासन के प्रतिनिधि, नीति आयोग, एमआईपी, आईआईएम, आईआईटी, आईएसबी, एनआईएसजी, एसपीए, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन, रामभऊ महालगी प्रबोधिनी, क्रोन्सटेड, इन्डो-यूस-वाशिंगटन आईसीईपीएसी, डब्ल्यूएचओ, यूएनडीपी, वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि, ई एण्ड वाई तथा पीडब्ल्यूसी कन्सलटेन्सी फर्म, प्राइवेट सेक्टर के आईवीएम, टेक महिन्द्रा, एल एण्ड टी, सीएमआर एन्फ्रा, वेलस्पन, विप्रो, आरआईएल, अडानी पॉवर, ग्रांट थॉरटन आदि शामिल हैं।

उप समूह द्वारा अपने फोकस क्षेत्रों के मंथन के उपरांत वेबिनार के दौरान वर्तमान स्थिति, अनुरूप परिणाम तथा परिणामों को प्राप्त करने की रणनीति, विभिन्न हितधारकों की भूमिका के साथ प्रस्तावित समय-सीमा पर केन्द्रित एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है।

रोज़गार और निर्माण वर्ष 37, अंक 33, 17.08.2020 से 23.08.2020

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े ● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी ● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह ● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार बनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार) ● आकल्पन - आशा रोमन, हेमंत वायंगणकर, सुशील लांडगे ● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनी ऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर सम्पादक, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें:-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : mpmdtp@yahoo.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

प्रदेश में बनेगा एकीकृत जॉब पोर्टल

मध्यप्रदेश में इस दिशा में प्रयास किये जायेंगे कि हर रोज़गार चाहने वाले व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुरूप रोज़गार मिले और रोज़गार चाहने वाले इतने सक्षम बन जायें कि एक दिन स्वयं रोज़गार देने की स्थिति में आ जाएं। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। वे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश वेबिनार में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में एकीकृत जॉब पोर्टल तैयार किया जायेगा इसका लाभ जरूरतमंदों को दिलाया जायेगा। इससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनके हुनर अनुसार रोज़गार दिलवाना आसान होगा। मध्यप्रदेश में जब कोरोना काल में रोज़गार सेतु पोर्टल के माध्यम से स्किल मैपिंग की गई तो अनेक हुनरमंद सामने आये। इनकी संख्या 7 लाख से अधिक थी। इनको रोज़गार उपलब्ध करवाने का कार्य किया गया। अन्य प्रांतों से अपना स्थायी काम-धंधा छोड़कर प्रदेश लौटे करीब 40 हजार लोगों को तुरंत रोज़गार मिल गया। इसी व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुये नवीन पोर्टल के निर्माण का विचार सामने आया है। मध्यप्रदेश में स्टार्टअप से लेकर एमएसएमई क्षेत्र तक प्रतिभा को अवसर देकर आगे बढ़ाया जायेगा। उन्हें हताश नहीं होने दिया जायेगा। आर्थिक रूप से ग्रामों को स्वावलंबी बनाने के लिये प्रयास किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से देशभर के आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों, वरिष्ठ अधिकारियों, नीति-निर्माताओं और प्रमुख जनप्रतिनिधियों की सहभागिता वाले वेबिनार में आये विचारों पर गंभीरता से विचार किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में लघु और कुटीर उद्योगों का जाल बिछाने का प्रयास किया जाये। बड़े उद्योग भी आयें, पूर्व में ऐसे प्रयास किये गये हैं। इनमें सफलता भी प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आत्मनिर्भर भारत के लिये जो प्रयास कर रहे हैं इस कड़ी में मध्यप्रदेश तेजी से कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योग क्षेत्र के उद्योगों के विकास की चिन्ता प्रधानमंत्री ने भी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में सबसे बड़ी दिक्कत अर्थव्यवस्था पर यह आयी कि जो राजस्व प्राप्तियां होती हैं, उनमें भी कमी आयी है। इसके बावजूद सभी संभव प्रयास किये गये। लोगों की आजीविका कैसे सुरक्षित रहे यह सबसे बड़ी चिंता थी। स्ट्रीट वेन्डर्स जैसी योजना ने इसमें काफी मदद की। मध्यप्रदेश में रोज़गार चाहने वालों को रोज़गार की सुरक्षा के साथ ही हाथ में कुछ नगद राशि रहे, यह भी प्रयास किया गया। विभिन्न हितग्राहियों को ऑनलाइन राशि का भुगतान भी किया गया। मध्यप्रदेश में कारोबार के लिये पूंजी उपलब्ध कराने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को लघु व्यवसाय प्रारंभ करने में कैसे मदद मिले, स्टार्टअप से लेकर एमएसएमई तक टैलेन्ट्स हताश न हो यह प्रयास होना चाहिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, पानी, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुशासन से अर्थव्यवस्था का सुधार होता है। इसके साथ ही अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि का विशेष योगदान है। मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य से निकालकर इस योग्य बनाया गया कि प्रदेश में विकास की दर कई वर्ष तक 20 प्रतिशत तक रही। करीब 42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभव हो सकी। बम्पर कृषि उत्पादन की उपलब्धि मध्यप्रदेश ने हासिल की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि अधोसंरचना को मजबूत बनाने और वैल्यू एडिशन के प्रयासों से किसानों को सीधा लाभ मिला है। मंडी अधिनियम में संशोधन से किसानों को वन नेशन वन मार्केट की सुविधा मिली। इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिये वेबिनार समय-समय पर आयोजित होते रहें तो उसका लाभ प्रदेश के युवाओं को अवश्य मिलेगा।

ब्रह्मांड को जानें

पृथ्वी

गतांक से आगे- भूकम्पनीयता की घनी पट्टी का विस्तार हिमालय की सर्वोच्च ऊंचाई वाली चोटियों के समानान्तर है। यहां भूकम्प भारत के यूरेशिया के नीचे धंसने के कारण भू-पर्पटी (Earth Crust) की 20 मीटर तक की गहराई से आते हैं। चार विनाशकारी भूकम्प-कांगड़ा (1905), बिहार (1934) और असम (1897, 1950) में और हिमालय पर्वत श्रेणी की 2400 किलोमीटर लंबाई और उससे सटे सिंधु-गंगा के मैदान में पिछले एक शताब्दी के दौरान आये हैं। विशाल भूकम्प तब आते हैं, जब पृथ्वी के ऊपरी खोल में 20 किलोमीटर गहराई से प्रत्यास्थ ऊर्जा सहसा बाहर निकलती है। यह ऊर्जा भू-पर्पटी की भंगुर शैलों में तनाव के रूप में एकत्रित होती रहती है और इस कारण उत्पन्न प्रतिबल जब भंगुर शैलों की सहन सीमा को पार कर जाता है, तो उनको विभंगित कर देता है। अधिकांश ऊर्जा का विमोचन भ्रंशित शैलों के 6 से 10 मीटर या कभी 20 मीटर तक के खिसकाव के कारण उत्पन्न भूकम्पीय तरंगों के रूप में होता है। इससे तरंगित होकर जमीन हिलने-डुलने लगती है। जिसका विनाशकारी प्रभाव हम पृथ्वी की सतह पर अनुभव करते हैं। पृथ्वी का बाह्य 100 किलोमीटर तक गहरा भंगुर शैलों से बना खोल स्थल मंडल स्थिर न होकर सतत पार्श्विक गति में रहता है। स्थल मंडल गोलाकार टुकड़े या प्लेटें गतिमान होने के कारण एक-दूसरे से किन्हीं क्षेत्रों में अलग होकर दूर हटने और अन्य क्षेत्रों में टकराने की प्रक्रिया में रहते हैं। इन स्थलमंडलीय प्लेटों की सीमा में अधिकांश भूकम्प आते हैं।

- देवेश तिवारी
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त

युवाओं की आकांक्षाओं, सरोकारों और क्षमताओं पर हो विमर्श

राजा दुबे
(लेखक, जनसम्पर्क विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं)

युवाओं की आकांक्षाओं, उनके सरोकारों और उनकी क्षमताओं से जुड़े मुद्दों की ओर सरकारों और युवा कल्याण संगठनों का ध्यान आकर्षित करने और उन पर विमर्श के लिये प्रतिवर्ष विश्व के अनेक देशों में 12 अगस्त को - 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2000 में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की पहल पर की गई थी। वस्तुतः संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1999 में युवा विश्व सम्मेलन के दौरान की गयी सिफारिशों को मानते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया तथा प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी। पहली बार सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। किसी भी देश का युवा उस देश के विकास का सशक्त आधार होता है, लेकिन जब यही युवा अपनी सामाजिक और राजनैतिक जिम्मेदारियों को भूलकर विलासिता के कार्यों में अपना समय नष्ट करता है, तब देश बर्बादी की ओर अग्रसर होने लगता है। इसी विडम्बना से उबरने के लिये हर राष्ट्र अपनी ओर से भरसक प्रयत्न करता है कि अंतर्राष्ट्रीय विश्व युवा दिवस का आयोजन इस दिशा में निर्णायक साबित हो। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस की थीम 'यूथ इंगेजमेंट फॉर ग्लोबल एक्शन' निर्धारित की गई है।

युवाओं के प्रवासन से जुड़े मुद्दों का समाधान भी इस दिन तलाशा जाता है

विश्व के अधिकांश देशों में युवा आकर्षक वेतन भत्तों और सुख-सुविधा को देखते हुए अपनी देश की जमीन को छोड़कर दूसरी जगह जा रहे हैं, जिससे राष्ट्र निर्माण में दिक्कतें आ रही हैं। युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं और विशेषकर भारत जैसे महान राष्ट्र की ऊर्जा तो युवाओं में ही निहित है। वैसे विश्व में भारत को युवाओं का देश कहा जाता है। यहाँ 35 वर्ष की आयु तक के 65 करोड़ युवा हैं अर्थात् हमारे देश में अथाह श्रम शक्ति उपलब्ध है। आवश्यकता है आज हमारे देश की युवा शक्ति को उचित मार्गदर्शन देकर उन्हें देश की उन्नति में भागीदार बनाने की। भारत में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है। हर तीन में से एक व्यक्ति युवा है यानी पन्द्रह से चौबीस वर्ष के बीच और देश की जनसंख्या में बच्चों की संख्या सैंतीस प्रतिशत के करीब है। भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं और उपलब्धियां बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करती हैं कि युवाओं में कौशल, ऊर्जा और सफलता की कितनी इच्छा है तथा क्या नेतृत्व, भागीदारी और स्वेच्छा को पोषित करने वाली प्रभावशाली प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं। किन्तु इस सबके लिये हमें भी अपने देश से युवाओं का प्रवासन रोकना होगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने गत वर्ष यूथ एजेंडा 2030 पर किया था विमर्श

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एन्तोनियो गुटेरेस ने पिछले साल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा तैयार किये गये यूथ एजेंडा 2030 पर विमर्श किया था। उन्होंने -'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' पर कहा था कि यह आयोजन अभी अपने युवाकाल में है और हम युवाओं में विश्व के सर्वांगीण विकास की झलक देखते हैं। वर्ष 2019 में हमने इस विशिष्ट दिवस की थीम - 'शिक्षा को वर्तमान विश्व के लिए समावेशी, प्राप्य एवं प्रासंगिक बनाना' तय की थी। एन्टोनियो ने कहा कि हम इस समय संकट के दौर से गुजर रहे हैं। स्कूलों में युवाओं के पास प्रायः ऐसी जरूरी दक्षताएं प्राप्त करने की क्षमता नहीं होती है, जिनके जरिए वे तकनीकी क्रांति की आंधी में अपनी दिशा तय कर सकें। विद्यार्थियों के लिए सिर्फ- 'सीखना' ही जरूरी नहीं है, उनके लिए यह सीखना भी जरूरी है कि इस सबको कैसे सीखा जाता है? आज के युग में शिक्षा को ज्ञान, जीवन कौशल और चिंतन से जोड़ा जाना चाहिए। इसमें टिकाऊपन और जलवायु परिवर्तन से संबंधित जानकारियों को भी शामिल किया जाना चाहिए और इसे स्त्री-पुरुष समानता, मानवाधिकार और शांति की संस्कृति को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए। एन्टोनियो ने कहा कि यह सभी विचार- 'यूथ एजेंडा 2030' में शामिल हैं। वस्तुतः यूथ एजेंडा संयुक्त राष्ट्र की एक रणनीति है जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक संख्या में युवाओं को इस एजेंडे से संलग्न करना और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने यह भी कहा था कि आज हम युवाओं, युवा संगठनों, सरकारों और उन लोगों के लिए जश्न मना रहे हैं जो शिक्षा का कायाकल्प करने और प्रत्येक स्थान पर युवाओं के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं।

युवाओं को शिक्षित करने का संकल्प शिद्दत के साथ दोहराया जाता है

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के जो सत्रह विकास गुणक हैं शिक्षा भी उसमें से एक है जो विकास की गति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्व में युवाओं को शिक्षित करने के लिये इसी कारण जोर दिया जाता है, क्योंकि एक शिक्षित युवा गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, लिंग समानता को बढ़ावा देने, समाज में व्याप्त विषमताओं को कम करने और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण करने में मददगार हो सकता है। युवाओं के लिये शिक्षा को प्रभावी तौर पर सीखने और उसे परिणाममूलक बनाने की भी जरूरत है। इसके लिये पाठ्यक्रम और शिक्षण को उद्देश्यपूर्ण बनाने की भी जरूरत है। आंकड़े हमें याद दिलाते हैं कि युवाओं की शिक्षा प्रणालियों को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने के लिए महत्वपूर्ण परिवर्तन अभी भी आवश्यक हैं, क्योंकि केवल दस प्रतिशत लोगों ने निम्न आय वाले देशों में उच्च माध्यमिक शिक्षा पूरी की है। वैश्विक आबादी के चालीस प्रतिशत लोगों को उस भाषा में नहीं पढ़ाया जाता है, जिसे वे बोलते हों या पूरी तरह से समझते हों। इसके अलावा भी दिव्यांग युवाओं, युवा महिलाओं, कमजोर समूहों या कमजोर परिस्थितियों में फँसे युवा इत्यादि भी शिक्षा को पाने के लिए अतिरिक्त चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो उनकी विविध जरूरतों और क्षमताओं को तो दर्शाती ही है साथ ही उनकी अद्वितीय व्यक्तित्व और पहचान को भी दर्शाती हैं।

सतत विकास में युवाओं की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए भी मनाते हैं यह दिवस

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का उद्देश्य गरीबी उन्मूलन एवं सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए युवा लोगों की अग्रणी भूमिका सुनिश्चित करना भी है। सामाजिक आर्थिक विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी युवाओं के अवदान को भुलाया नहीं जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाने का मतलब है कि सरकार युवाओं के मुद्दों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। समूचे विश्व और भारत की पहचान भी वयगत आंकड़ों के कारण एक युवा विश्व और देश की है, हम अपने इस महत्वपूर्ण मानवीय संपदा के प्रति बेहद लापरवाही भरा रवैया अपनाते रहे हैं। हालत यह है कि हम अपनी युवा शक्ति को खो रहे हैं; जबकि हम युवाओं को बेहतर शिक्षा और तकनीकी प्रशिक्षण द्वारा उनकी कुशलता का विकास कर, उनकी संभावनाओं को विकसित कर सकते हैं। जिससे ये युवा शक्ति इक्कीसवीं सदी के भारत के निर्माण और सतत विकास में अपना योगदान कर सके। एक शक्तिशाली विश्व और राष्ट्र के लिए जरूरी है कि तकनीकी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, समाजसेवा जैसे क्षेत्रों में लगातार और स्थायी रूप से विकास हो, जिससे सकल विश्व और देश सशक्त, सक्षम और शक्तिशाली होकर नई ऊंचाईयों को छू सके। युवाओं को विकास में सतत योगदान के लिए लगाया जाना चाहिए, जिससे युवा निर्माण की अहम् प्रक्रिया से जुड़ सके। विश्व के ज्यादातर युवाओं को सही तरह से प्रशिक्षण नहीं मिल पा रहा है, जिससे वे अपने काम में कम कुशल हैं। केवल दस प्रतिशत युवा ही सही मानक पर प्रशिक्षित हैं, जो व्यवसायिक तौर से कुशलतापूर्वक अपना काम कर सकते हैं।

विश्व के युवाओं को उनके कर्तव्यों से भी करवाया जाता है अवगत

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विभिन्न देशों में युवाओं को उनके कर्तव्यों से भी अवगत करवाया जाता है। युवा उचित मार्गदर्शन पाकर देश की उन्नति में भागीदार बनें यह कोशिश भी की जाती है। वे अच्छे संस्कार, उचित शिक्षा एवं प्रौद्योगिक विशेषज्ञ बनने में बढ़-चढ़ कर दिलचस्पी लें, ऐसा यत्न भी किया जाता है। युवाओं के जिन कर्तव्यों को प्रचारित किया जाता है, उनमें उनके चरित्रवान होने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। सच तो यह है कि युवाओं का चरित्र निर्माण देश तथा समाज की उन्नति के लिए परम आवश्यक है इसी प्रकार देश की उन्नति के लिए, देश को विश्व के विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में खड़ा करने के लिए युवा वर्ग को ही मेधावी, श्रमशील, देशभक्त तथा समाज सेवा की भावना से ओत-प्रोत भी होना होगा। युवा वर्ग को अपने विद्यार्थी जीवन में अध्ययनशील, संयमी, चरित्र निर्माण के लिए आत्मानुशासन लाकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के प्रयास करने चाहिए, जिसके लिए समय का सदुपयोग आवश्यक है। उन्हें भ्रष्टाचार के खिलाफ भी आवाज उठानी चाहिए।

(फोटो गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर (म.प्र.)

Vigyapti No. 2695/29/2019/P-10 **Indore, Dated :- 07.08.2020**

Corrigendum - III

RFP for Answer Book Scanning & On-Screen Marking System for MP-PSC
Tender Id No. - 2020_MPPSC_97410_1

Clarification :- In continuation of Pre-Bid meeting Dated 22.07.2020. Corrigendum - II No. 2227 dated 29.07.2020 was issued. in reference of RFP's clause-3 of Pre-qualification, It has been clarified that, Govt. Bodies shall include government aided Origination/Universities/Boards etc., Private Universities/ Origination shall not be included.

Last Date of Bid Submission & Bid Opening are modified as :-

Last Date for Submission of Bid - 17.08.2020 till 5.00 PM

Bid Opening Date - 19.08.2020 at 12.00 PM

All the Terms & Conditions of the RFP shall remain unchanged.

G-13012/44223/2020 **CONTROLLER OF EXAMINATIONS (I/C)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग क्रमांक-1 रीवा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 08/2020-21 भोपाल, दिनांक 06.08.2020

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	1. अमानत राशि 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य	1. निविदा आमंत्रण क्र. 2. कार्यावधि सहित/छोड़कर
1.	PWDRB 100792	उपसंभाग मनगवा उपखण्ड मनगवां, रायपुर कर्चुलियान एवं गोविंदगढ़ में आवासीय भवनों का पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	24.50	1. 49000/- 2. 5000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
2.	PWDRB 100793	उपसंभाग मनगवां उपखण्ड लालगांव, देवतालाव एवं नईगढ़ी में गैर आवासीय भवनों का पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	24.00	1. 48000/- 2. 5000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
3.	PWDRB 100794	उपसंभाग मनगवां उपखण्ड रायपुर कर्चुलियान एवं गोविदगढ़ में गैर आवासीय भवनों का पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	21.50	1. 43000/- 2. 5000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
4.	PWDRB 400795	शासकीय हायर सेकेण्ड्री विद्यालय क्र. 2 रीवा का मरम्मत कार्य।	46.30	1. 50000/- 2. 5000/-	1. द्वितीय आमंत्रण 2. चार माह
5.	PWDRB 100796	शासकीय शहीद केदारनाथ पी.जी. महाविद्यालय मऊगंज का मरम्मत कार्य।	15.22	1. 30440/- 2. 2000/-	1. तृतीय आमंत्रण 2. 04 माह
6.	PWDRB 100797	विशेष मरम्मत के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मऊगंज का मरम्मत कार्य।	3.36	1. 6720/- 2. 2000/-	1. तृतीय आमंत्रण 2. 02 माह
7.	PWDRB 100798	कांस्ट्रक्शन ऑफ वैलेंस वर्क आफ विटनरी गढ़ी ब्लॉक त्योंथर का कार्य।	4.57	1. 9140/- 2. 2000/-	2. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
8.	PWDRB 100799	उपसंभाग मनगवां उपखण्ड लालगांव, देवतालाव एवं नईगढ़ी में आवासीय भवनों का पुताई एवं अन्य मरम्मत कार्य।	20.00	1. 40000/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 03 माह
9.	PWDRB 100801	विशेष मरम्मत के अंतर्गत शासकीय आवास क्र. जी-16 विकास कॉलोनी का मरम्मत कार्य।	2.24	1. 4480/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
10.	PWDRB 100803	विशेष मरम्मत के अंतर्गत शासकीय आवास क्र. एम.आई.जी.-255 विछिया का मरम्मत कार्य।	2.43	1. 4860/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
11.	PWDRB 100805	विशेष मरम्मत के अंतर्गत लेवर यूनियन कार्यालय भवन सिविल लाईन का मरम्मत कार्य।	4.46	1. 8920/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
12.	PWDRB 100806	विशेष मरम्मत के अंतर्गत शासकीय आवास क्र. एच-1 खन्ना चौराहा का मरम्मत कार्य।	4.45	1. 8900/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
13.	PWDRB 100808	विशेष मरम्मत के अंतर्गत शासकीय आवास क्र. जी-19 विछिया का मरम्मत कार्य।	2.58	1. 5160/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
14.	PWDRB 100810	जिला न्यायालय रीवा में वाल अनुकूल न्यायालय कक्ष का नवीनीकरण का कार्य।	3.03	1. 6060/- 2. 2000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
15.	PWDRB 100811	विशेष मरम्मत के अंतर्गत एल.आई.जी.-163 चिरहुला कॉलोनी का मरम्मत कार्य।	1.72	1. 3440/- 2. 1000/-	1. प्रथम आमंत्रण 2. 02 माह
16.	PWDRB 100812	विशेष मरम्मत के अंतर्गत विविध सेवा सदन भवन का मरम्मत कार्य।	4.44	1. 8880/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. दो माह
17.	PWDRB 100813	विशेष मरम्मत के अंतर्गत स्पेशल कोर्ट भवन का मरम्मत कार्य।	4.44	1. 8880/- 2. 2000/-	1. द्वितीय 2. दो माह
18.	PWDRB 101125	विशेष मरम्मत के अंतर्गत बंगला नं. ई-43 सिविल लाईन रीवा का कार्य (पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध)	4.46	1. 8920/- 2. 2000/-	1. द्वितीय आमंत्रण 2. दो माह
		कुल योग	**189.24**		

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम **दिनांक 25.08.2020 सायं 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। स्टाम्प शपथ पत्र, रजिस्ट्रेशन, एनेक्जर 'एच' विड डाक्यूमेंट एवं अन्य दस्तावेज, के लिफाफे मुख्य अभियंता लो.नि.वि. रीवा परिक्षेत्र रीवा के कार्यालय में स.क्र. 01 से 04 तक एवं 05 से 18 तक कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्रमांक-1 रीवा के कार्यालय में पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से **दिनांक 26.08.2020, 17.30 बजे** तक प्राप्त किये जावेंगे। विलम्ब से दस्तावेज प्राप्त होने पर विभाग जिम्मेवार नहीं होगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-12965/44215/2020 लो.नि.वि. संभाग क्र. 1 रीवा

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर (म.प्र.)

Vigyapti No. 2227/29/2019/P-10 **Indore, Dated 29 Jul 2020**

Corrigendum - II

RFP for Answer Book Scanning & On-Screen Marking System for MP-PSC
Tender Id No. - 2020_MPPSC_97410_1

Clause 1.5 (Point no. 6) - "Scanning should be done with cutting the spine of the Answer books by trained manpower of SPA. All the pages of the Answer books should be accounted for and identified with the unique ID number" is modified as :-

Scanning should be done without cutting the spine. SPA shall clearly mention the complete methodology in the technical document submitted along with the Proposal.

Clause 1.5 (Point no. 22) - The answer sheets should be randomly grouped in blocks of 30 copies, the system should also be of dividing these blocks in number of groups. It should not be possible for anyone to know copies of which roll numbers are in block and which blocks are in a group is modified as :-

The answer sheets should be randomly grouped to in the blocks of 50 copies, to ensure complete randomization of scripts to that no evaluator will be able to make out the pattern of script allocation. The randomization may change as per requirement of MPPSC and shall be part of Inception Report.

Clause of 1.5 (Point no. 35) - The system should support the digital signing of the answer sheet post scoring by the scorer is modified as :-

The system should support the biometric enabled evaluation system on the answer sheet post scoring by the scorer.

Clause of 13.2.1 (Point No. 2) - The bidder should have Average Annual Turnover of last 3 years in India (17-18, 18-19 & 19-20) from IT Solutions and Services business.

>= 100 Cr. (10 marks)
>= 50 Cr. (7 marks)
>= 10 Cr. (5 marks)

is modify as :-

The bidder should have Average Annual Turnover of last 3 years in India (17-18, 18-19 & 19-20) from IT Solutions and Services business.

>= 50 Cr. (10 marks)
>= 20 Cr. (7 marks)
>= 10 Cr. (5 marks)

Clause of 3 Eligibility of Bidders & Pre-Qualifications (Point NO. 3 & 4) - in last 3 years (As on 31st March 2020) is Modified as :-

in last 5 years (As on 31 st March 2020).

Clause of 13.2.1 (Point NO. 4, 5 & 6) - in last 3 years (As on 31st March 2020) is Modified as :-

in last 5 years (As on 31st March 2020).

All other Terms & Conditions of the RFP shall remain unchanged.

G-12989/44217/2020 **CONTROLLER OF EXAMINATIONS (I/C)**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग परियोजना क्रियान्वयन इकाई डिण्डौरी, (म.प्र.)

एनआईटी नं. - 14/2020/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सा/एपीडी/.... जबलपुर, दिनांक 28.07.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. ग्राम चांदरानी वि.ख. समनापुर जिला डिण्डौरी में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन में 03 नग लैब एवं 02 नग अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
2020_PWPIU_100672_1	डिण्डौरी	64.23	64230/-	10000/-	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	05 माह वर्षाऋतु सहित	

2. ग्राम गोरखपुर वि.ख. करंजिया जिला डिण्डौरी में जीर्ण शीर्ण भवन के स्थान पर नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य का शेष कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2020_PWPIU_100682_1	डिण्डौरी	111.85	111850/-	12500/-	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	06 माह वर्षाऋतु सहित	

3. ग्राम चौबीसा वि.ख. मेंहदवानी जिला डिण्डौरी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन में 07 अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य का शेष कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2020_PWPIU_100688_1	डिण्डौरी	66.98	66980/-	10000/-	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	06 माह वर्षाऋतु सहित	

4. ग्राम मोहनी माल वि.ख. शहपुरा जिला डिण्डौरी में हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य का शेष कार्य (प्रथम आमंत्रण)

2020_PWPIU_100814_1	डिण्डौरी	52.59	52590/-	10000/-	केन्द्रीयकृत लो.नि.वि. में पंजीयन	05 माह वर्षाऋतु सहित	

1. निविदा से संबंधित विड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mpeproc.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 07.08.2020 समय 09.00 से खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-13016/44225/2020 लोक निर्माण विभाग (पी.आई.यू.) डिण्डौरी, (म.प्र.)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग टीकमगढ़ (म.प्र.)

PHONE No. 07683-242321, E-mail :- eepwdtikam@mp.nic.in

एनआईटी नं. - 03/2020-21/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण दिनांक : 06.08.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत/एम.ओ.डब्ल्यू./डिपोजिट/विशेष मरम्मत का कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।
2020_PWDRB_100732	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

2. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत/एम.ओ.डब्ल्यू./डिपोजिट/विशेष मरम्मत का कार्य।

2020_PWDRB_100733	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

3. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत गैर आवासीय एवं आवासीय भवनों में छत मरम्मत (रूफ ट्रीटमेंट) का कार्य।

2020_PWDRB_100734	टीकमगढ़	22.00	44000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

4. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग/कलर वाशिंग/डिस्टेम्परिंग/पेंटिंग का कार्य।

2020_PWDRB_100736	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

5. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग/कलर वाशिंग/डिस्टेम्परिंग/पेंटिंग का कार्य।

2020_PWDRB_100737	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

6. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा में वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत मार्गों में बी.टी. पेच रिपेयर परफारमेंस गारंटी के मार्गों का कार्य।

2020_PWDRB_100738	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

7. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत वर्षाऋतु के दौरान विभिन्न मार्गों/पुल पुलियों पर हुई क्षति का मरम्मत कार्य।

2020_PWDRB_100739	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

8. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत/एम.ओ.डब्ल्यू./डिपोजिट/विशेष मरम्मत का कार्य।

2020_PWDRB_100740	टीकमगढ़	30.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

9. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत/एम.ओ.डब्ल्यू./डिपोजिट/विशेष मरम्मत का कार्य।

2020_PWDRB_100742	टीकमगढ़	30.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

10. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत गैर आवासीय एवं आवासीय भवनों में छत मरम्मत (रूफ ट्रीटमेंट) का कार्य।

2020_PWDRB_100745	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

11. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग/कलर वाशिंग/डिस्टेम्परिंग/पेंटिंग का कार्य।

2020_PWDRB_100747	टीकमगढ़	30.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

12. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग/कलर वाशिंग/डिस्टेम्परिंग/पेंटिंग का कार्य।

2020_PWDRB_100748	टीकमगढ़	40.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

13. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ में वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत मार्गों में बी.टी. पेच रिपेयर एवं परफारमेंस गारंटी के मार्गों की मरम्मत का कार्य।

2020_PWDRB_100749	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

14. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत वर्षाऋतु के दौरान विभिन्न मार्गों/पुल पुलियों पर हुई क्षति का मरम्मत कार्य।

2020_PWDRB_100750	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, कला मंदिर रोड स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

एनआईटी नं. :- 20/2020/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./3710 रीवा, दिनांक 07.08.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. 430 स्कीम के तहत (61 स्कीम) आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत ग्राम-कोनिया कला, ब्लॉक-त्योंथर, जिला-रीवा में हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_101227_1	रीवा	74.87	74870/-	10000/-	9 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 10.08.2020 समय 09.00 AM से **दिनांक 24.08.2020** समय 6.00 PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-12992/44219/2020 लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. रीवा

15. लो.नि.वि. उपसंभाग टीकमगढ़ के अंतर्गत मार्गों की मरम्मत हेतु मटेरियल एकत्रीकरण का कार्य।

2020_PWDRB_100752	टीकमगढ़	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

16. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत/एम.ओ.डब्ल्यू./डिपोजिट/विशेष मरम्मत का कार्य।

2020_PWDRB_100755	निवाड़ी	30.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

17. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों की वार्षिक मरम्मत/एम.ओ.डब्ल्यू./डिपोजिट/विशेष मरम्मत का कार्य।

2020_PWDRB_100757	निवाड़ी	30.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

18. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत गैर आवासीय एवं आवासीय भवनों में छत मरम्मत (रूफ ट्रीटमेंट) का कार्य।

2020_PWDRB_100758	निवाड़ी	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

19. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग/कलर वाशिंग/डिस्टेम्परिंग/पेंटिंग का कार्य।

2020_PWDRB_100759	निवाड़ी	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

20. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत गैर आवासीय भवनों में व्हाईट वाशिंग/कलर वाशिंग/डिस्टेम्परिंग/पेंटिंग का कार्य।

2020_PWDRB_100760	निवाड़ी	30.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

21. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी में वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत मार्गों में बी.टी. पेंच रिपेयर एवं परफारमेंस गारंटी के मार्गों का कार्य।

2020_PWDRB_100761	निवाड़ी	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

22. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत वर्षाऋतु के दौरान विभिन्न मार्गों/पुल पुलियों पर हुई क्षति का मरम्मत कार्य।

2020_PWDRB_100762	निवाड़ी	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर

23. लो.नि.वि. उपसंभाग निवाड़ी के अंतर्गत मार्गों की मरम्मत हेतु मटेरियल एकत्रीकरण का कार्य।

2020_PWDRB_100763	निवाड़ी	25.00	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित	कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर
	योग	**617.00**	**1144000/-**	**115000/-**		

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्युमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 13.08.2020 समय 10.30 से **दिनांक 22.08.2020** समय 05.30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. मूल अमानत राशि एवं तकनीकी बिड के लिफाफे उपरोक्त कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग सागर परिक्षेत्र सागर के कार्यालय में भारतीय डाक तार विभाग के स्पीड पोस्ट द्वारा ही दिनांक 25.08.2020 को सायंकाल 5.30 बजे तक प्राप्त किये जावेंगे।
5. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-13011/44222/2020 लोक निर्माण विभाग संभाग टीकमगढ़

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड छिन्दवाड़ा
निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा जारी करने का दिनांक 07.08.2020

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित है निविदाओं हेतु निविदा प्रपत्र डाउनलोड/क्रय करने की दिनांक 07 अगस्त 2020 प्रातः 10.30 बजे से प्रारंभ है। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

कार्य का नाम - छिंदवाड़ा जिले के खण्ड छिंदवाड़ा अधीनस्थ निम्नलिखित विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत विद्यमान (स्थापित) नलजल योजनाओं में रेट्रोफिटिंग कर शतप्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन कार्य जिसमें विभिन्न प्रकार एवं व्यास के पाईप लाईन बिछाने एवं जोड़ने, विद्युतीकरण, 100 कि.ली. क्षमता एवं 12 मीटर ऊचाईयुक्त आर.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण, रेडीमेट मिनी पंप हाउस, विक्र मेसोनरी वाल्व चेम्बर, पावर पंप स्थापना, तथा घरेलू नल कनेक्शन आदि समस्त आवश्यक सामग्री सहित कार्य पूर्ण होने के पश्चात 90 दिन ट्रायल-रन कमिशनिंग कार्य। (AS per BOQ)

ई-टेण्डरिंग क्रमांक	निविदा क्रमांक दिनांक	विकास खंड	अनु. लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि रुपये	निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये	निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि समय	निविदा खोलने की नियत दिनांक	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय अवधि
2020_PHED_100909_1	18 07.08.2020	विछुआ	49.60	50000	5000	22.08.2020 5.30 PM	24.08.2020 1.00 PM	नवीन केन्द्रीकृत पद्धति पर "स" एवं उससे ऊपर	6 माह वर्षाकाल सहित
2020_PHED_100910_1	19 07.08.2020	विछुआ	53.95	53950	10000	22.08.2020 5.30 PM	24.08.2020 1.00 PM	–तदैव–	9 माह वर्षाकाल सहित
2020_PHED_100911_1	20 07.08.2020	विछुआ	74.69	74690	10000	22.08.2020 5.30 PM	24.08.2020 1.00 PM	–तदैव–	9 माह वर्षाकाल सहित
2020_PHED_100913_1	21 07.08.2020	चौरई	56.14	56140	10000	22.08.2020 5.30 PM	24.08.2020 1.00 PM	–तदैव–	6 माह वर्षाकाल सहित
2020_PHED_100914_1	22 07.08.2020	चौरई	39.33	50000	5000	22.08.2020 5.30 PM	24.08.2020 1.00 PM	–तदैव–	6 माह वर्षाकाल सहित

निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क, केश-कार्ड, ए.टी.एम. कम डेविट कार्ड अथवा इन्टरनेट बैंकिंग एकाउंट के माध्यम से उपरोक्त वेबसाइट पर भुगतान कर केवल ऑनलाइन पर ही क्रय किए जा सकते हैं। विस्तुत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

जी-12995/44220/2020 **कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड छिंदवाड़ा (म.प्र.)**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1188
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 429/2715001/ई.डी.पी./2020-21/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 10.08.2020**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 01.09.2020 को 17.30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तुत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2020_WRD_89043	पेंच कालोनी चौरई में नलकूप खनन कार्य।	नरसिंहपुर	3.21
2.	2020_WRD_89045	पेंच व्यपवर्तन परियोजना बांध प्रभावित ग्राम केवलारी में 11 के.व्ही./एल.टी. लाईन शिफ्टिंग का कार्य।	नरसिंहपुर	16.32
3.	2020_WRD_89046	मोहगांव मध्यम परियोजना बांध ग्राम नन्देवानी के पास प्रभावित कृषकों के पम्पों में 11 के.व्ही. लाईन शिफ्टिंग का कार्य।	नरसिंहपुर	11.48
4.	2020_WRD_97890	रामपुर परियोजना की हमीरपुर टेल माइनर की आर.डी. 3600 मी. से 4980 मी. के मध्य मिट्टी का कार्य।	गुना	4.85
5.	2020_WRD_97891	रामपुर परियोजना की वंजारीपुरा माइनर की आर.डी. 7520 मी. पर चैनल का मरम्मत कार्य।	गुना	3.34
6.	2020_WRD_98456	घोड़ापछाड़ जलाशय से एम.सी.एफ. (इसरो) को जलप्रदाय का वार्षिक रखरखाव कार्य।	भोपाल	5.41
7.	2020_WRD_98457	केरवा गेस्ट हाउस, भवन एवं केम्पस, भोपाल का वार्षिक रखरखाव कार्य।	भोपाल	4.95
8.	2020_WRD_99196	जल संसाधन भवन में लिफ्ट क्रमांक ए एवं बी के ऑपरेशन एवं मेन्टेनेन्स कार्य बावत।	भोपाल	5.38
9.	2020_WRD_99206	अजनाल दगडिया एवं ककेड़ी नदी पर निर्मित 22 बैराजों के गेट बंद करने एवं खोलने का कार्य।	सीहोर	6.99
10.	2020_WRD_99249	जल संसाधन संभाग, सीहोर हेतु लेखन सामग्री का प्रदाय।	सीहोर	3.27
11.	2020_WRD_99340	स्वारडेक भवन एवं भू-जल मण्डल, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था हेतु गार्ड का प्रदाय।	भोपाल	6.81
12.	2020_WRD_99341	स्वारडेक भवन एवं भू-जल मण्डल, भोपाल में रखरखाव हेतु मेन पावर एवं मटेरियल प्रदार्य।	भोपाल	13.32
13.	2020_WRD_99509	विकासखएण्ड देवरी एवं केसली के टेकापार जलाशय का सर्वेक्षण कार्य।	सागर	0.87
14.	2020_WRD_99510	सिंचाई कालोनी तिली सागर के शासकीय आवास एवं भवनों की मरम्मत कार्य।	सागर	9.99
15.	2020_WRD_99537	नवेगांव डी.सी. ग्राम घनौमरी के केनाल के कार्यों हेतु एच.टी. एवं सी.टी. लाईन का कार्य।	नरसिंहपुर	2.87
16.	2020_WRD_99538	राजीव सागर परियोजना कुडवा के 33/11 के के.व्ही. सब स्टेशन के 1600 के.व्ही.ए. ट्रांसफार्मर के सुधार कार्य।	नरसिंहपुर	4.97
17.	2020_WRD_99540	नवेगांव डी.सी. ग्राम वम्हिनी माल के केनाल के कार्यों हेतु एच.टी. एवं सी.टी. लाईन का कार्य।	नरसिंहपुर	2.23
18.	2020_WRD_99541	नवेगांव डी.सी. ग्राम खिड़की कनेरी के केनाल के कार्यों हेतु एच.टी. एवं सी.टी. लाईन का कार्य।	नरसिंहपुर	2.93
19.	2020_WRD_99543	नवेगांव डी.सी. ग्राम कारपानी कला के केनाल के कार्यों हेतु एच.टी. एवं सी.टी. लाईन का कार्य।	नरसिंहपुर	3.59
20.	2020_WRD_99544	नवेगांव डी.सी. ग्राम अखिया एवं घनुमरी के केनाल के कार्यों हेतु एच.टी. एवं सी.टी. लाईन का कार्य।	नरसिंहपुर	3.37
21.	2020_WRD_99548	पेंच डेम ड्रव क्षेत्र में गांव देवरीकला में 21 नं. 133 एच.पी. पंप स्थापित हेतु कार्य।	नरसिंहपुर	12.52
22.	2020_WRD_99796	साजली मध्यम सिंचाई बांध पर नवीन विद्युत लाईन के विस्तार एवं 63 के.व्ही.ए. डी.टी.आर. (01 नग) का प्रदाय एवं अन्य कार्य।	सागर	18.55

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री
लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई
सिविल लाईन नरसिंहपुर (म.प्र.)

एनआईटी नं. - 14/2020/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/मा/एपीडी/ जबलपुर, दिनांक 28.07.2020

स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. शासकीय उ.मा.वि. बारहा बड़ा जिला नरसिंहपुर का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	कार्यालय का नाम जहां ईएमडी एवं तकनीकी बिड भौतिक रूप से प्राप्त की जावेगी।
2020_PWPIU_100232_1	नरसिंहपुर	62.02	62020	10000	08 (आठ) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन, जी.सी.एफ. वैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

2. शासकीय उ.मा.वि. आदर्श गाड़रवारा जिला नरसिंहपुर का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण

2020_PWPIU_100244_1	नरसिंहपुर	62.02	62020	10000	08 (आठ) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन, जी.सी.एफ. वैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

3. शासकीय उ.मा.वि. गोरखपुर जिला नरसिंहपुर का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण

2020_PWPIU_100260_1	नरसिंहपुर	62.02	62020	10000	08 (आठ) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन, जी.सी.एफ. वैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

4. केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में फैक्ट्रीशेड का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण

2020_PWPIU_100225_1	नरसिंहपुर	66.95	66950	10000	08 (आठ) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि. पी.आई.यू. साउथ सिविल लाइन, जी.सी.एफ. वैरियर के पास जबलपुर (म.प्र.)

5. 01 नग स्कार्पियो वाहन कार्यालयीन उपयोग हेतु।

2020_PWPIU_100441_1	नरसिंहपुर	3.06	10000	2000	12 (बारह) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लो.नि.वि. पी.आई.यू. सिविल लाइन, नरसिंहपुर (म.प्र.)

6. 01 नग बोलेरो वाहन कार्यालयीन उपयोग हेतु।

2020_PWPIU_100555_1	नरसिंहपुर	2.64	10000	2000	12 (बारह) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लो.नि.वि. पी.आई.यू. सिविल लाइन, नरसिंहपुर (म.प्र.)

7. 01 नग बोलेरो वाहन कार्यालयीन उपयोग हेतु।

2020_PWPIU_100564_1	नरसिंहपुर	2.64	10000	2000	12 (बारह) माह वर्षाऋतु सहित	कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लो.नि.वि. पी.आई.यू. सिविल लाइन, नरसिंहपुर (म.प्र.)

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 05.08.2020 समय 9.00 से दिनांक 18.08.2020 समय 18.00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री

जी-13024/44228/2020 **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू. नरसिंहपुर (म.प्र.)**

23.	2020_WRD_100003	सुठालिया परियोजना, जल संसाधन संभाग, व्यावरा राजगढ़ हेतु लेखन सामग्री प्रदाय।	राजगढ़	2.19
24.	2020_WRD_100176	जल संसाधन संभाग, गुना, के 06 नं. स्टापडेम बैराजों के गेट लगाने एवं खोलने का कार्य।	गुना	4.79
25.	2020_WRD_100445	विकासखण्ड साँची के चाँदपुर तालाब का सर्वेक्षण कार्य।	रायसेन	1.00
26.	2020_WRD_100446	विकासखण्ड साँची के भादनेर तालाब का सर्वेक्षण कार्य।	रायसेन	1.70

जी-12966/44216/2020 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 24/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2020-21 **भोपाल, दिनांक 05.08.2020**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. रायसेन जिले में सिमरिया से गुठोटा मार्ग पर नकटा नाले, बीना नदी, परासिया नदी, बवनाल नदी, पर पुल निर्माण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	भौतिकरूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2020_PWDRB_100675_1	रायसेन	पुल कार्य	प्रथम	870.34	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र, द्वितीय तल प्लाट नम्बर 27-28 अरेरा हिल्स भोपाल।
2. मुरैना जिले के बड़ोखर फिरोजपुर बिन्डवा मार्ग में क्वारी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।					
2020_PWDRB_100679_1	मुरैना	पुल कार्य	प्रथम	935.83	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र, द्वितीय तल प्लाट नम्बर 27-28 अरेरा हिल्स भोपाल।
3. मुरैना जिले के रामपुरगंज से पहावली मार्ग में रामपुर के पास क्वारी नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।					
2020_PWDRB_100680_1	मुरैना	पुल कार्य	प्रथम	921.38	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र, द्वितीय तल प्लाट नम्बर 27-28 अरेरा हिल्स भोपाल।
4. भिण्ड जिले के खुर्द-चन्दहरा मार्ग में वेसली नदी पर पहुंच मार्ग सहित पुल निर्माण कार्य।					
2020_PWDRB_100681_1	भिण्ड	पुल कार्य	प्रथम	567.69	मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण परिक्षेत्र, द्वितीय तल प्लाट नम्बर 27-28 अरेरा हिल्स भोपाल।
		कुल योग		**3295.24**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 26.08.2020, (17.30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 29.08.2020, (17.30) बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त की जावेगी।

मुख्य अभियंता

जी-13020/44227/2020 **लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड होशंगाबाद
दूरभाष क्रमांक 07574-252574, (फैक्स) - 07574-253119
Email Address - eephedhos@mp.nic.in
निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय एवं ऑनलाइन प्रस्तुत किये जावेंगे। ऑनलाइन वित्तीय ऑफर **दिनांक 27.08.2020 शाम 17.30 बजे तक** प्रस्तुत किये जा सकते हैं। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्रमांक	ई-टेण्डर क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (PAC) (रु.)	धरोहर राशि (e-EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
07/12.08.2020	2020_PHED_101548_1	Survey, Investigation, and Necessary Construction work required for Retrofitting of Existing piped water supply schemes of 02 villages namely (1) Naya Cheecha (2) Chatua of Block - Kesla Distt. Hoshangabad including cost of all materials and labour with testing and commissioning and 90 Days successful Trial Run period of entire schemes.	2371000/-	47420/-	5000/-	90 days (वर्षाकाल सहित)
08/12.08.2020	2020_PHED_101549_1	Survey, Investigation, and Necessary Construction work required for Retrofitting of Existing piped water supply schemes of 02 villages namely (1) Gajpur (2) Belawada of Block - Kesla Distt. Hoshangabad including cost of all materials and labour with testing and commissioning and 90 Days successful Trial Run period of entire schemes.	4934000/-	50000/-	5000/-	90 days (वर्षाकाल सहित)
09/12.08.2020	2020_PHED_101552_1	Survey, Investigation, and Necessary Construction work required for Retrofitting of Existing piped water supply schemes of 04 villages namely (1) Mandikho (2) Jhunkar (3) Doudi (4) Ghoghra Ryt of Block - Kesla Distt. Hoshangabad including cost of all materials and labour with testing and commissioning and 90 Days successful Trial Run period of entire schemes.	7068000/-	70680/-	10000/-	90 days (वर्षाकाल सहित)
10/12.08.2020	2020_PHED_101554_1	Survey, Investigation, and Necessary Construction work required for Retrofitting of Existing piped water supply schemes of 02 villages namely (1) Borkunda (2) Sotachikli of Block - Seonimalwa Distt. Hoshangabad including cost of all materials and labour with testing and commissioning and 90 Days successful Trial Run period of entire schemes.	7376000/-	73760/-	10000/-	90 days (वर्षाकाल सहित)

कार्यपालन यंत्री

जी-13050/44229/2020 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, होशंगाबाद**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग विदिशा (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 32, 33, 34, 35, 36/2020 **विदिशा, दिनांक 10.8.2020**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग विदिशा क्रमांक-2 के अंतर्गत विभिन्न शासकीय भवनों पर पुताई एवं पेंटिंग कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	भौतिकरूप से एनवलप प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज)
2020_PWDRB_100854_1	विदिशा	पुताई कार्य	प्रथम	5.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा दिनांक 02.9.2020 समय 17.30 बजे तक, केवल स्पीड पोस्ट सर्विस द्वारा
2. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा के अंतर्गत विभिन्न शासकीय भवनों पर पुताई एवं पेंटिंग कार्य।					
2020_PWDRB_100921_1	विदिशा	पुताई कार्य	प्रथम	5.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा दिनांक 02.9.2020 समय 17.30 बजे तक, केवल स्पीड पोस्ट सर्विस द्वारा
3. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सिरोंज के अंतर्गत विभिन्न शासकीय भवनों पर पुताई एवं पेंटिंग कार्य।					
2020_PWDRB_100926_1	विदिशा	पुताई कार्य	सातवां	5.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा दिनांक 02.9.2020 समय 17.30 बजे तक, केवल स्पीड पोस्ट सर्विस द्वारा
4. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा के सेक्शन कुरवाई के अंतर्गत विभिन्न शासकीय भवनों पर पुताई एवं पेंटिंग कार्य।					
2020_PWDRB_100927_1	विदिशा	पुताई कार्य	सातवां	5.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा दिनांक 02.9.2020 समय 17.30 बजे तक, केवल स्पीड पोस्ट सर्विस द्वारा
5. लोक निर्माण विभाग उपसंभाग विदिशा क्रमांक-1 के अंतर्गत विभिन्न शासकीय भवनों पर पुताई एवं पेंटिंग कार्य।					
2020_PWDRB_100953_1	विदिशा	पुताई कार्य	द्वितीय	10.00	कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा दिनांक 02.9.2020 समय 17.30 बजे तक, केवल स्पीड पोस्ट सर्विस द्वारा
			योग	**30.00**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 27.8.2020,** (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा। मूल एफ.डी.आर एवं अन्य दस्तावेज दिनांक 02.9.2020 (17.30) बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित कार्यालय में केवल स्पीड पोस्ट सर्विस द्वारा ही प्राप्त की जावेगी।

कार्यपालन यंत्री

जी13002/44221/2020 **लोक निर्माण विभाग संभाग विदिशा**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड - भिण्ड
फोन नम्बर - 07534-244636, ईमेल नम्बर - eephedbhi@mp.nic.in

निविदा विज्ञप्ति/2020/लेखा/का.यं./लो.स्वा.यां. **भिण्ड, दिनांक 11.08.2020**

ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न कार्य हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है निविदा प्रपत्र **दिनांक 29.08.2020** को सायं 05.30 बजे से क्रय तथा दिनांक 29.08.2020 को सायं 05.30 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते है। लिफाफा 'स' (Envelope-C) Online ही जमा करना होगा। इसे भौतिक रूप से जमा नहीं किया जायेगा। निविदा दिनांक 31.08.2020 को खोली जायेगी। निविदा की संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकेगी।

क्र.	सिस्टम क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रु. में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की कीमत (रुपये)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2020_PHED_96651_1	37	भिण्ड जिले के विकासखण्ड मेहगांव के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में नलकूप से हैण्डपंप की गिरी-फंसी लाइन निकालना व पुनः हैण्डपंप की लाइन डालकर हैण्डपंप चालू करना मय समस्त कार्य (50 नग)	306300	6126	2000	3 माह
2.	2020_PHED_96652_1	38	भिण्ड जिले के विकासखण्ड गोहद के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में नलकूप से हैण्डपंप की गिरी-फंसी लाइन निकालना व पुनः हैण्डपंप की लाइन डालकर हैण्डपंप चालू करना मय समस्त कार्य (50 नग)	306300	6126	2000	3 माह
3.	2020_PHED_96653_1	39	भिण्ड जिले के विकासखण्ड अटेर के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में नलकूप से हैण्डपंप की गिरी-फंसी लाइन निकालना व पुनः हैण्डपंप की लाइन डालकर हैण्डपंप चालू करना मय समस्त कार्य (50 नग)	306300	6126	2000	3 माह
4.	2020_PHED_96654_1	40	भिण्ड जिले के विकासखण्ड लहार के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में नलकूप से हैण्डपंप की गिरी-फंसी लाइन निकालना व पुनः हैण्डपंप की लाइन डालकर हैण्डपंप चालू करना मय समस्त कार्य (50 नग)	306300	6126	2000	3 माह
5.	2020_PHED_96655_1	41	भिण्ड जिले के विकासखण्ड भिण्ड के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में नलकूप से हैण्डपंप की गिरी-फंसी लाइन निकालना व पुनः हैण्डपंप की लाइन डालकर हैण्डपंप चालू करना मय समस्त कार्य (50 नग)	306300	6126	2000	3 माह
6.	2020_PHED_96656_1	42	भिण्ड जिले के विकासखण्ड रौन के अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में नलकूप से हैण्डपंप की गिरी-फंसी लाइन निकालना व पुनः हैण्डपंप की लाइन डालकर हैण्डपंप चालू करना मय समस्त कार्य (50 नग)	306300	6126	2000	3 माह

कार्यपालन यंत्री

जी-13051/44230/2020 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड भिण्ड, म.प्र.**

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02
भोपाल, Mobile No. 9425601534
ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/259/पर्य/भोपाल-02/तश/2020 भोपाल, दिनांक 11.08.2020

प्रेस विज्ञप्ति

निर्माण कार्य (138), बहुमंजिला आवास गृह, पुलिस रेडियो कॉलोनी भदभदा रोड भोपाल जिला-भोपाल के निर्माण हेतु निविदा क्रमांक- 04/2020-21 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक- **2020_MPPHC_101325_1**) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 27.08.2020 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/98156/44236/2020 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003
मोबाइल : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/402/पर्य/भोपाल-03/तश/2020 भोपाल, दिनांक : 13.08.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत जिला बैतूल, एवं सीहोर में महिला डेस्क, महिला टॉयलेट निर्माण कार्य एवं मरम्मत कार्य हेतु निविदा क्रमांक-05/2020-21 (टेण्डर क्र.- 101620, 101622, 101625, 101632) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 22.08.2020 सायं 5:00 बजे तक** खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/98167/44231/2020 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003
मोबाइल : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/400/पर्य/भोपाल-03/तश/2020 भोपाल, दिनांक : 13.08.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

पी.एफ.एम. योजना अंतर्गत अर्द्धशहरी पुलिस थाना मोहदा जिला बैतूल निर्माण कार्य हेतु निविदा क्र. 04/2020-21 (टेण्डर क्र. 101612) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 22.08.2020 सायं 5:00 बजे तक** खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/98171/44233/2020 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-3, भोपाल
मो.नं. : 9425601545, ईमेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/393/पर्य/तश्ा/2020 भोपाल, दि. : 10.08.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

वाह्य विद्युतीकरण कार्य 24+96 आवास गृह जीआरपी लाइन इटारसी में 11/0.4 KV, 5x200 KVA 11 KV शिरोपरी लाइन का एवं 20 जीओएस आवास गृह जीआरपी लाइन इटारसी 11/0.4 KV 1x200 KVA 11 KV शिरोपरी लाइन का कार्य जिला होशंगाबाद जिसकी अनुमानित लागत रुपये 35.45 लाख एवं 8.32 लाख के लिए निविदा क्रमांक-3/2020-21 (टेण्डर क्र.- 101197, 101206) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 20.08.2020 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं

म.प्र. माध्यम/98135/44234/2020 **परियोजना यंत्री**

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड

'चयन भवन', मेन रोड नं. 1, घिनार पार्क (ईस्ट), भोपाल-462011
Phone : +91-755-2578801-02, E-mail : vyapam@nic.in
Website : peb.mp.gov.in
क्रमांक पीईबी/ज.स./2496/2020 भोपाल, दिनांक : 10.08.2020

आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि में वृद्धि

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित **जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2020** के आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अभ्यर्थियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए पी.ई.बी. स्तर से निर्णय लिया गया है कि **जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2020** के आवेदन भरे जाने एवं संशोधन किये जाने की तिथियों में वृद्धि की गई है।
अतः **जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2020** के ऑनलाइन आवेदन-पत्र भरने की **अंतिम तिथि 10.08.2020** में वृद्धि करते हुए **अंतिम तिथि 24.08.2020** एवं ऑनलाइन आवेदन-पत्र में संशोधन करने की **अंतिम तिथि 15.08.2020** में **वृद्धि करते हुए 25.08.2020** संशोधित की जाती है।

म.प्र. माध्यम/98151/44238/2020 **नियंत्रक**

म.प्र. पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.), मोबा. : 9406808103
Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in, फोन नं. : 0734-2527715
क्र. 686-87/पर्य/मप्रपुह्माइडेकालि/20/उज्जैन दिनांक 13.8.20

निविदा सूचना

मध्यप्रदेश पुलिस हाऊसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा सूचना क्रमांक 06/2020-21 दिनांक 13.8.2020 के अंतर्गत उदयगढ़ जिला अलीराजपुर में स्वास्थ्य विभाग हेतु निर्माण कार्य एवं निविदा सूचना क्रमांक 07/2020-21 दिनांक 13.8.2020 के अंतर्गत जिला चिकित्सालय मंदसौर परिसर में विद्यमान पुराने/जर्जर भवनों का ध्वस्तीकरण से संबंधित ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2020_MPPHC_101617 एवं 2020_MPPHC_101618 कुल 2 निविदा आमंत्रित की गई हैं।
निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 14.8.2020 17.00 बजे** से क्रय किये जा सकते हैं एवं दिनांक 29.8.2020 18.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/98169/44232/2020 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL M.P.- 462 011
No.11284/22/D-12/SQC/MPRRDA/2020 Bhopal, Dated : 11.08.2020

NOTICE INVITING TENDER FOR SQC CONSULTANCY (E-Procurement Notice)

Online bids are invited from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Rural Roads being constructed under PMGSY-III for the following districts.

- **No. of Packages – 41**
  Name of Districts/PIU– Agar (Shajapur-2), Alirajpur, Anuppur, Bhind-2, Bhopal, Burhanpur, Chhindwara-1, Chhindwara-2, Damoh-1, Datia, Dhar-3, Dewas-1, Dewas-2, Dindori, Guna-2, Gwalior-1, Indore, Jabalpur, Khandwa-1, Mandla, Mandsaur, Morena, Narsinghpur-1, Narsinghpur-2, Neemuch, Panna-1, Panna-2, Raisen-1, Raisen-2, Rewa-2, Satna-1, Satna-2, Shahdol, Sheopur, Waidhan-1, Waidhan-2, Tikamgarh & Umaria.
- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:00 hrs. on **13.08.2020.**
2. Last date of Submission of bid is date **02.09.2020 upto 17.00 hrs.**
   Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Roads and Bridge works August, 2020 on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/98153/44235/2020 **(T & e-G)**

कार्यालय मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र)
लोक निर्माण विभाग, जबलपुर

E-mail :- cepwdcentral@mp.nic.in, Phone No. 0761-2621541, Fax No. 0761-2678521
निविदा सूचना क्रमांक 07/सा/2020-21 जबलपुर, दिनांक 07.08.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के मार्फत निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेंगे।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :- 01. चारगांवकला से इकलोनी मार्ग लंबाई 7.60 कि.मी. का निर्माण कार्य।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र राशि	समयावधि
2020_PWDRB_100974	नरसिंहपुर	तृतीय	654.51 लाख	6,54,600/-	20,000/-	14 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 28.08.2020 समय 5.30 बजे तक है।** ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को ही मान्य किया जायेगा। भौतिक दस्तावेज जैसे - अमानत राशि, निविदा शुल्क रसीद एवं अन्य **दिनांक 01.09.2020 समय 5.30 बजे तक** अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिफाफे स्पीड पोस्ट या रजिस्टर्ड पोस्ट के माध्यम से ही प्राप्त किये जायेंगे। भौतिक लिफाफा नियत समय एवं तिथि में इस कार्यालय में प्राप्त न होने पर ऑनलाइन निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (मध्य क्षेत्र)
जी-13030/44218/2020 लोक निर्माण विभाग, जबलपुर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खण्ड-अशोकनगर

क्रमांक 3950/व.ले.लि./2020-21/का.यं./लो.स्वा.यां.वि./ अशोकनगर, दिनांक 07.08.2020

निविदा विज्ञप्ति/व.ले.लि./2020-21

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 06.08.2020 को 11.00 बजे से क्रय किये जा सकते हैं निविदा में दर प्रस्तुत **18.08.2020 को सायं 17.30 बजे तक** प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा में धरोहर राशि ऑनलाइन प्रस्तुत करनी होगी।
निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकता है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा विज्ञप्ति क्रमांक	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (PAC)	धरोहर राशि (EMD)	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1.	30	2020_PHED_100831_1	विकासखण्ड ईसागढ़ के ग्राम बारमहू और विकासखण्ड ईसागढ़ के ग्राम भरका की ग्रामीण नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग के माध्यम से आर.सी.सी. सम्पवेल, राइजिंग मेन, एवं जल वितरण पाईप नलिकायें, घरेलू नल कनेक्शन (योजनाओं में सम्मिलित समस्त अव्यवों का निर्माण) कार्यों की समस्त आवश्यक सामग्री सहित निर्माण कार्य के पश्चात 90 दिन ट्राईल टेस्टिंग सहित सम्पूर्ण कार्य।	59.76 लाख	59760/-	10000/-
2.	31	2020_PHED_100883_1	विकासखण्ड अशोकनगर के ग्राम वासापुर और विकासखण्ड अशोकनगर के ग्राम धुर्रा की ग्रामीण नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग के माध्यम से आर.सी.सी. सम्पवेल, राइजिंग मेन, एवं जल वितरण पाईप नलिकायें, घरेलू नल कनेक्शन (योजनाओं में सम्मिलित समस्त अव्यवों का निर्माण) कार्यों की समस्त आवश्यक सामग्री सहित निर्माण कार्य के पश्चात 90 दिन ट्राईल टेस्टिंग सहित सम्पूर्ण कार्य।	65.04 लाख	65040/-	10000/-

कार्यपालन यंत्री
जी-13014/44224/2020 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड अशोकनगर

कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., ग्वालियर

दूरभाष - 0751-2347201, E-mail : apdpiu gwalior@gmail.com

संशोधित निविदा सूचना क्रमांक 11/2020/सा./एपीडी/ ग्वालियर, दिनांक 24.7.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	ऑनलाइन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमा. लागत	अमानत राशि रु.	निविदा फर्म का मूल्य रु.	कार्य पूर्ण करने का समय	कार्यालय का नाम जहां भौतिक दस्तावेज जमा किये जाने हैं
1.	2020_PWPIU_99154_1	करैया जिला ग्वालियर में 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन निर्माण कार्य।	ग्वालियर	115.39 लाख	115390/-	12500/-	08 माह	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि., पी.आई.यू., ग्वालियर
2.	2020_PWPIU_99193_1	ग्वालियर में 100 सीटर कन्या एवं 100 सीटर बालक छात्रावास भवन निर्माण कार्य। आकांशास योजना के अंतर्गत।	ग्वालियर	574.50 लाख	574500/-	20000/-	18 माह	–तदैव–
3.	2020_PWPIU_99202_1	रछेड़ जिला मुरैना में भौतिक, रसायन एवं विज्ञान लैब हेतु भवन निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	मुरैना	62.02 लाख	62020/-	10000/-	06 माह	–तदैव–
4.	2020_PWPIU_99217_1	कोलारस जिला मुरैना में भौतिक, रसायन एवं विज्ञान लैब हेतु भवन निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	मुरैना	62.02 लाख	62020/-	10000/-	06 माह	–तदैव–
5.	2020_PWPIU_99211_1	झुण्डपुरा जिला मुरैना में भौतिक, रसायन एवं विज्ञान लैब हेतु भवन निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	मुरैना	62.02 लाख	62200/-	10000/-	06 माह	–तदैव–
6.	2020_PWPIU_99226_1	खडिहार जिला मुरैना में भौतिक, रसायन एवं विज्ञान लैब हेतु भवन निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	मुरैना	62.02 लाख	62200/-	10000/-	06 माह	–तदैव–
7.	2020_PWPIU_99347_1	रिठोराकला जिला मुरैना में भौतिक, रसायन एवं विज्ञान लैब हेतु भवन निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	मुरैना	62.02 लाख	62200/-	10000/-	06 माह	–तदैव–
8.	2020_PWPIU_99352_1	शिनोईया जिला मुरैना में भौतिक, रसायन एवं विज्ञान लैब हेतु भवन निर्माण एवं अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य।	मुरैना	62.02 लाख	62200/-	10000/-	06 माह	–तदैव–
9.	2020_PWPIU_99324_1	भिण्ड के कलेक्ट्रेट कार्यालय में रेम्प का निर्माण कार्य।	भिण्ड	15.00 लाख	30000/-	2000/-	03 माह	संभागीय परियोजना यंत्री पीआईयू भिण्ड
10.	2020_PWPIU_99329_1	मालनपुर जिला भिण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का वाउन्ड्रीवाल निर्माण कार्य।	भिण्ड	11.23 लाख	22460/-	15000/-	03 माह	–तदैव–
11.	2020_PWPIU_99336_1	रावतपुरा सरकार जिला भिण्ड में टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण कार्य।	भिण्ड	36.00 लाख	50000/-	5000/-	06 माह	अतिरिक्त परियोजना संचालक लो.नि.वि., पी.आई.यू., ग्वालियर
12.	2020_PWPIU_99220_1	वैलेंस वर्क ग्राम अकलोनी जिला भिण्ड में हाईस्कूल भवन निर्माण कार्य।	भिण्ड	63.89 लाख	63890/-	10000/-	09 माह	–तदैव–
13.	2020_PWPIU_98854_1	छतरपुर में वन स्टॉप सेन्टर भवन निर्माण कार्य।	छतरपुर	41.42 लाख	50000/-	5000/-	06 माह	–तदैव–
14.	2020_PWPIU_98867_1	ईशानगर जिला छतरपुर में 30 विस्तरीय सामुदायिक हेल्थ सेन्टर भवन निर्माण कार्य।	छतरपुर	387.30 लाख	387300/-	15000/-	18 माह	–तदैव–
15.	2020_PWPIU_98809_1	जगनपुर जिला गुना में आदर्श महाविद्यालय भवन निर्माण कार्य।	गुना	725.16 लाख	725160/-	20000/-	18 माह	–तदैव–
16.	2020_PWPIU_99280_1	करैरा जिला शिवपुरी में 05 कोर्ट रूमों का निर्माण कार्य।	शिवपुरी	557.84 लाख	557840/-	20000/-	18 माह	–तदैव–

(1) निविदा से संबंधित डॉक्यूमेंट **website https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (2) निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन पोर्टल पर ऑनलाइन किये जावेंगे, समाचार-पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा। (3) ऑनलाइन निविदा सम्मिट करने का **अंतिम दिनांक 17.08.2020**। (4) तकनीकी बिड खोलने का दिनांक 18.08.2020।

वरिष्ठ लेखा अधिकारी, कार्यालय अतिरिक्त परियोजना संचालक
लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., ग्वालियर

जी-12962/44214/2020

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, खंड-हरदा

दूरभाष - 07577-223212, फैक्स - 226777, ई-मेल - eephedhar@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेवसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

विभागीय निविदा क्रमांक	टेण्डर आई.डी.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (eEMD online) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	1. कार्य पूर्ण करने की अवधि 2. ठेकेदार की श्रेणी 3. आमंत्रण क्रमांक
03/20-21	2020_PHED_100079_1	हरदा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड खिरकिया के 2 ग्रामों की स्थापित नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग का कार्य।	85.94	85940/-	10000/-	1) 2 माह वर्षाकाल सहित। 2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3) प्रथम आमंत्रण।
04/20-21	2020_PHED_100722_1	हरदा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड टिमरनी के 4 ग्रामों की स्थापित नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग का कार्य।	94.77	94770/-	10000/-	1) 3 माह वर्षाकाल सहित। 2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3) प्रथम आमंत्रण।
05/20-21	2020_PHED_100730_1	हरदा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड हरदा के 3 ग्रामों की स्थापित नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग का कार्य।	85.73	85730/-	10000/-	1) 2 माह वर्षाकाल सहित। 2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3) प्रथम आमंत्रण।
06/20-21	2020_PHED_100771_1	हरदा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड हरदा के 6 ग्रामों की स्थापित नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग का कार्य।	99.73	99730/-	10000/-	1) 4 माह वर्षाकाल सहित। 2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3) प्रथम आमंत्रण।
07/20-21	2020_PHED_100784_1	हरदा जिले में जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड हरदा के 5 ग्रामों की स्थापित नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग का कार्य।	64.01	64010/-	10000/-	1) 3 माह वर्षाकाल सहित। 2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3) प्रथम आमंत्रण।
08/20-21	2020_PHED_100826_1	हरदा जिले के अंतर्गत विकासखंड खिरकिया एवं टिमरनी में ग्रामीण क्षेत्र के 2 स्थापित नल-जल योजना में रेट्रोफिटिंग का कार्य।	65.55	65550/-	10000/-	1) 2 माह वर्षाकाल सहित। 2) लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत पद्धति से पंजीयन अनिवार्य। 3) प्रथम आमंत्रण।
		योग	**495.73**	**495730/-**	**60000/-**	

निविदा की दर प्रस्तुत करने की **अंतिम तिथि 18.08.2020 समय 17.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत निविदाएं एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेवसाइट पर देखी जा सकती हैं। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेवसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री, लो.स्वा.यां. विभाग
खण्ड-हरदा

जी-13017/44226/2020

हर बदलाव हमें अपने आप से रूबरू करवाने आते हैं – मिशेल चाको

भारत सरकार, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान

ट्रैक्टर नगर, बुदनी, जिला- सीहोर (म.प्र.) - 466445
कृषि मशीनरी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (वर्ष 2020-2021) (संशोधित)
आगामी माहों में निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाया जाना प्रस्तावित है

पाठ्यक्रम का नाम	कोड	अवधि	प्रारंभ की तिथि	समाप्ति की तिथि	प्रशिक्षण प्रभार	पात्रता
उपयोगकर्ता स्तर पाठ्यक्रम						
कृषि में ऊर्जा प्रबंधन के लिये उपयुक्त मशीनीकरण तकनीक	U-1	4 सप्ताह	05.10.20 02.11.20 01.02.21	29.10.20 27.11.20 26.02.21	निःशुल्क	प्रगतिशील कृषक जो मशीनीकृत खेती के इच्छुक हों, ट्रैक्टर एवं कृषि मशीनरी के मालिक/प्रचालक/ तकनीशियन, केन्द्र एवं राज्य सरकार के नामित अधिकारी/ कर्मचारी, प्रचार-प्रसार कार्यकर्ता एवं निजी संस्थान के कर्मचारी, जो कृषि मशीनरी क्षेत्र में संलग्न हों।
उन्नत कृषि मशीनरी का चयन प्रचालन, सुरक्षा व रखरखाव	U-2	6 सप्ताह	07.09.20 02.11.20 21.12.20 22.02.21	16.10.20 11.12.20 29.01.21 01.04.21		
पावर टिलर का प्रचालन, रखरखाव एवं प्रबंधन	U-3	2 सप्ताह	07.09.20	18.09.20		
महिला कृषकों के लिए उपयुक्त सहयोगी उपकरण	U-5	3 दिन	आवश्यकतानुसार			
जल संरक्षण उपकरण एवं सूक्ष्म सिंचाई द्वारा जल प्रबन्धन	U-7	1 सप्ताह	11.01.21	15.01.21		
पौध संरक्षण उपकरण का चयन प्रचालन एवं रखरखाव	U-8	1 सप्ताह	04.01.21	08.01.21		
उन्नत कटाई एवं गहाई उपकरणों का चयन, प्रचालन एवं रखरखाव	U-9	2 सप्ताह	08.03.21 23.11.20	19.03.21 04.12.20		
शुष्क खेती के लिए कृषि यंत्रों का चयन, प्रचालन और रखरखाव	U-11	2 सप्ताह	05.10.20	16.10.20		
फसल आधारित कृषि मशीनरी	U-12	1 सप्ताह	आवश्यकतानुसार			
कौशल विकास पाठ्यक्रम						
ट्रैक्टर प्रचालक	AGR/ Q1101	5 सप्ताह	समाचार पत्रों एवं संस्थान की वेबसाइट पर विज्ञापन प्रकाशित किया जाएगा।		निःशुल्क	दसवीं कक्षा उत्तीर्ण (अधिमान्य)
कंबाईन हार्वेस्टर प्रचालक	AGR/ Q1102	5 सप्ताह				दसवीं कक्षा उत्तीर्ण (अधिमान्य)
तकनीशियन स्तर पाठ्यक्रम						
स्टेशनरी इंजिनों एवं ट्रैक्टरों की मरम्मत व ओवरहालिंग	T-1	6 सप्ताह	07.09.20 19.10.20 14.12.20 01.02.21	16.10.20 27.11.20 22.01.21 12.03.21	रु. 50/- प्रति सप्ताह	ऐसे आवेदक जो ट्रैक्टर मैकेनिक, फार्म मैकेनिक, मैकेनिक एग्रीकल्चरल मशीनरी, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन या अन्य समकक्ष विषयों पर आई.टी.आई. सर्टिफिकेट परीक्षा पास कर चुके हों या उपर्युक्त विषयों पर न्यूनतम 2 वर्ष की मरम्मत का अनुभव हो या केन्द्र/राज्य/निजी संस्थाओं में कार्यरत संबंधित विषयों के अधिकारी/कर्मचारी
उन्नत कृषि यंत्रों की मरम्मत हेतु कृषि यंत्र कर्मशाला स्थापना व प्रबंधन	T-3	4 सप्ताह	03.08.20	28.08.20		
कृषि मशीनों के हाइड्रॉलिक सिस्टम का अध्ययन व मरम्मत	T-4	4 सप्ताह	07.09.20 01.12.20 25.01.21	01.10.20 24.12.20 19.02.21		
आटो इलेक्ट्रिकल उपकरण का रखरखाव एवं मरम्मत तथा बैटरी रि-कंडीशनिंग	T-5	3 सप्ताह	01.09.20 05.10.20 08.03.21	18.09.20 23.10.20 26.03.21		
बिजली की मोटरें एवं सबमर्सिबल पम्प का रखरखाव, मरम्मत तथा रि-वाईंडिंग	T-6	3 सप्ताह	10.08.20 26.10.20 30.03.21	28.08.20 13.11.20 16.04.21		
भूविकास मशीनरी (डोजर, ट्रैक्टर चलित फ्रंट डोजर व बैक ही आदि) का प्रचालन व रखरखाव	T-7	4 सप्ताह	01.03.21	26.03.21		
डीजल पम्पिंग सेट का स्थापन मरम्मत व ओवरहालिंग	T-8	2 सप्ताह	आवश्यकतानुसार			
कम्बाइन हार्वेस्टर एवं भूसा-मशीन का स्थापन, रखरखाव एवं मरम्मत	T-9	3 सप्ताह	01.03.21	19.03.21		
शैक्षणिक स्तर पाठ्यक्रम						
डिग्री/डिप्लोमा स्तर के अभियान्त्रिकी छात्रों के लिए फार्म पावर एवं मशीनरी पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	A-1	4 सप्ताह	05.08.20 01.09.20 05.10.20	28.08.20 25.09.20 29.10.20	रु. 2000/-	विभिन्न कॉलेजों के कृषि एवं वॉकी इंजीनियरिंग, स्नातक/डिप्लोमा/ आईटीआई/वोकेशनल व्यवसायिक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए। **(उपरोक्त पाठ्यक्रम हेतु आवेदन संस्था द्वारा प्राप्त होने पर ही विचार किया जायेगा व्यक्तिगत आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा)।**
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के छात्रों के लिए फार्म पावर एवं मशीनरी पर व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	A-2		02.11.20 04.01.21 01.02.21 01.03.21	27.11.20 29.01.21 26.02.21 26.03.21		
प्रबन्धन स्तर पाठ्यक्रम	M-2	1 सप्ताह	आवश्यकतानुसार		रु. 2500/-	आवश्यकता पर आधारित चयनित प्रशिक्षण ट्रैक्टर एवं कृषि मशीनरी निर्माताओं/शासकीय विभागों द्वारा नामित इंजीनियर/ प्रबंधकों/ कर्मचारियों के लिए
आवश्यकता आधारित	NB	-	आवश्यकतानुसार		रु. 250/- प्रति सप्ताह (कृषकों हेतु निःशुल्क)	
प्रशिक्षु प्रशिक्षण	www.mhrdnats.gov.in (for degree/diploma candidates)	Graduate/ Technician App.	1 वर्ष	नियमानुसार प्रतिमाह प्रशिक्षण वृत्तिका		कृषि/मैकेनिकल/इलेक्ट्रॉनिक एवं टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग स्नातक/डिप्लोमा, उत्तीर्ण **(दिये गये वेबसाइट पर पंजीकरण करें)।**
	www.apprenticeship.gov.in (for ITI candidates)	Trade Apprentice	1 वर्ष	नियमानुसार प्रतिमाह प्रशिक्षण वृत्तिका		ट्रैक्टर/डीजल/मोटर मैकेनिक/ इलेक्ट्रीशियन/माली/कोपा/ पुस्तकालय सहायक/कुक/ उपकरण मैकेनिक में आई.टी.आई. उत्तीर्ण **(दिये गये वेबसाइट पर पंजीकरण करें)।**

आवेदन कैसे करें - आवेदक अपना विस्तृत विवरण, यथा 1. नाम, 2. पिता का नाम, 3. जन्म तिथि, 4. वर्ग 5. पत्र व्यवहार का पता, 6. प्रशिक्षण का उद्देश्य 7. शैक्षणिक योग्यता व तकनीकी योग्यता, 8. कृषि भूमि (एकड़/हेक्टर) 9. कृषि मशीनों को चलाने का अनुभव, इत्यादि विवरण सादे कागज पर दे सकते हैं और शैक्षणिक/तकनीकी योग्यता, कृषि एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुभव, रोज़गार (नौकरी) इत्यादि से संबंधित सभी महत्वपूर्ण कागजातों की फोटो प्रतिलिपियों के साथ, संस्थान के निदेशक को वर्ष में कभी भी और या पाठ्यक्रम प्रारंभ होने के एक माह पूर्व तक, अपने आवेदन भेज सकते हैं। यदि चाहें तो निर्धारित आवेदन प्रपत्र रुपये 10/- के मनीऑर्डर द्वारा या व्यक्तिगत तौर पर भी प्राप्त कर सकते हैं, पोस्टल ऑर्डर स्वीकार्य नहीं है। ई-मेल के द्वारा भी आवेदन किया जा सकता है, किन्तु मांगे गए कागजात बाद में डाक द्वारा भेजना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण विवरणिका एवं आवेदन-पत्र संस्थान की वेबसाइट से भी प्राप्त किये जा सकते हैं। पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त न होने पर किसी भी पाठ्यक्रम को निरस्त किया जा सकता है। **सुविधाएं :** उपयोगकर्ता स्तर पाठ्यक्रम एवं कौशल विकास पाठ्यक्रम में, नामित कर्मचारियों को छोड़कर, प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रति दिन रुपये 200/- प्रशिक्षण वृत्तिका दी जाती है एवं प्रशिक्षणार्थी के निवास से आने-जाने का न्यूनतम श्रेणी का किराया (मूल टिकिट जमा करने पर) प्रशिक्षण के दौरान उन्हें भुगतान किया जाता है। सभी पाठ्यक्रम के सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए संस्थान में वास्तविक दरों पर भोजन व्यवस्था एवं ठहरने के लिए निःशुल्क छात्रावास उपलब्ध है। उपयोगकर्ता स्तर पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण वृत्तिका देने का प्रावधान नहीं है आने-जाने का किराया भी संस्थान द्वारा प्रदान नहीं किया जाता है। प्रशिक्षु प्रशिक्षणार्थियों को नियमानुसार प्रतिमाह प्रशिक्षण वृत्तिका प्रदान की जाती है। **उम्र :** सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होना चाहिए (नामित कर्मचारियों को छोड़कर) और उनको हिन्दी या अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना आवश्यक है। **संस्थान का पता :** जहां आवेदन भेजे जा सकते हैं/सम्पर्क किया जा सकता है - **केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, ट्रैक्टर नगर, बुदनी, जिला- सीहोर (म.प्र.)-466445, E-mail : fmti-mp@nic.in, Website : www.fmttibudni.gov.in, Phone No. : 07564-235009, 234729, Fax No. : 07564-234743**

R-44239/2020

Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises
Government of India

एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेंटर, इंदौर

(इण्डो–जर्मन टूल रुम)
291/बी, 302/ए, सेक्टर ई, औद्योगिक क्षेत्र, सांवेर रोड, इंदौर

प्रवेश सूचना

एससी – एसटी के लिए प्रशिक्षण शुल्क शुन्य तथा उपरी आयु सीमा में तीन साल की छूट।
सभी कोर्स मान्यता प्राप्त है तथा सरकारी नौकरी अथवा उच्च अध्ययन के लिए पात्रता रखते है।

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	कोर्स अवधि	न्यूनतम योग्यता एवं आयु सीमा	वार्षिक शुल्क	मान्यता
1	D.VOC (PRODUCTION TECHNOLOGY)	3 वर्ष	10 वी पास तथा दिनांक 01.08.2020 को 15 से 23 वर्ष।	₹ 35,000/-	AICTE
2	MACHINIST	2 वर्ष	• विज्ञान एवं गणित विषय सहित 10वी पास। • दिनांक 01.08.2020 को 15 से 19 वर्ष। • मध्यप्रदेश का मूल निवासी	₹ 30,000/-	NCVT (ITI)
3	TURNER	2 वर्ष			
4	FITTER	2 वर्ष		₹ 25,000/-	
5	MACHINIST GRINDER	2 वर्ष			
6	WELDER	1 वर्ष		₹ 20,000/-	

प्रवेश हेतु हमारी वेबसाइट **www.igtr-indore.com** पर आवेदन करें।
अधिक जानकारी के आप इंडो जर्मन टूल रूम, इंदौर पर उपस्थित होवें अथवा
9977701933, 9977703559 पर संपर्क करें

R-44240/2020

कृषि मंत्री ने सौ करोड़ रुपये का सैद्धांतिक स्वीकृति पत्र सौंपा

भोपाल, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में नाबार्ड की ओर से मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के एमडी श्री प्रदीप निखरा को सौ करोड़ रुपये की सैद्धांतिक स्वीकृति का पत्र सौंपा।

उन्होंने बताया कि इस राशि से 351 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय समितियों में परिवर्तित किया जाएगा।श्री पटेल ने बताया कि नाबार्ड द्वारा उपलब्ध कराई गई इस राशि से प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों द्वारा कृषकों को भंडारण, ग्रेडिंग, सॉर्टिंग और अन्य कृषि सम्बन्धी सूचनाएं प्राप्त हो सकेंगी। इसके अलावा ई-मंडियों की सुविधा भी लोगों को मिल सकेगी।

PEOPLE'S UNIVERSITY

(Established by M.P. Act No. 18 of 2011 & approved u/s 2 (f) of UGC act 1956)

PEOPLE'S COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES & RC

Recognized by the Paramedical Council of Madhya Pradesh,
Director of Medical Education and Higher Education Department

ADMISSION OPEN 2020-21

MPT	Masters of Physiotherapy - (Ortho'/ Neuro'/ Cardio' & Sports) 2 yrs PG Degree Program, Eligibility : BPT	
BPT	Bachelor of Physiotherapy*	4½ yrs Degree Course
BMLT	Bachelor of Medical Lab Technology*	3 yrs Degree Course
DMLT	Diploma in Medical Lab Technology*	2 yrs Diploma Course
DDT	Diploma in Dialysis Technology*	2 yrs Diploma Course

*Eligibility : 12th with Physics, Chemistry & Biology

Attached with People's Teaching Hospital 1000 bedded (ISO 9001:2015) Training facilities such as dissection/demonstration hall, Anatomy Museum OPD/IPD postings, community/ field visit etc. ▮ Separate hostel facility Scholarship facility available. ▮ Medical camps, Health & Nutritional awareness Camp. etc. Institutional NSS & NCC Activities. ▮ Educational Visits and Student's Tour.

Ph. 0755-4005295, M. 98262 44676
People's Campus, Bhanpur, Bhopal (M.P.) 462037
E-mail: pcps.pu2017@gmail.com

R-44241/2020 Shreeram

ट्रक एवं बस ऑपरेटर्स की मांगों पर सरकार सहानुभूतिपूर्वक करेगी विचार

चैक पोस्ट से शिकायत मिलने पर की जायेगी कार्रवाई

भोपाल, परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने सागर में ट्रक एवं बस ऑपरेटर्स के पदाधिकारियों से उनकी मांगों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कोरोनो संक्रमण के बावजूद सरकार उनके साथ है। उनकी माँगों के संबंध में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ चर्चा कर ट्रक एवं बस ऑपरेटर्स को हर संभव रियायत देने का प्रयास किया जायेगा।

श्री राजपूत ने कहा कि चैक पोस्टों पर किसी भी प्रकार की परेशानी वाहनों को नहीं होगी। शिकायत मिलने पर संबंधित चैक पोस्ट पर तैनात अमले के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण का प्रभाव सभी क्षेत्रों एवं उद्योग धंधों पर पड़ा है, जिससे प्रदेश का राजस्व संग्रहण भी प्रभावित हुआ है।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई निरंतर जारी है और कब तक लड़ना है, यह भी ठीक से नहीं कहा जा सकता। इसके बावजूद सरकार आप लोगों का हर संभव सहयोग करने का प्रयास करेगी। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिये आप लोगों का सहयोग भी आवश्यक है।

प्रतियोगिता निर्देशिका अब ऑनलाइन

देश के विख्यात करियर मार्गदर्शक डॉ. जयंतीलाल भंडारी के मार्गदर्शन में 36 वर्षों से लगातार प्रकाशित हो रही मासिक

प्रतियोगिता निर्देशिका

अब आप ऑनलाइन पढ़ सकते है।
सितम्बर 2020 अंक उपलब्ध, मूल्य 15 रूपए।
इसमें मध्यप्रदेश प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, जेल प्रहरी परीक्षा, पुलिस आरक्षक परीक्षा पर विशेष सामग्री हैं।
पढ़ने के लिए लॉग इन करें –
www.pratiyogitanirdeshika.com

R-44242/2020

होम आइसोलेशन वाले मरीजों के मॉनीटरिंग की अच्छी व्यवस्था करें

भोपाल, बिना लक्षण वाले ऐसे मरीज जिनके घर में इसके लिए व्यवस्था है तथा जो घर पर ही रहना चाहते हैं, उनके 'होम आइसोलेशन' के दौरान उनके उपचार एवं देखभाल की मॉनीटरिंग की अच्छी व्यवस्था बनाएं। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग गाइड लाइन तैयार कर प्रत्येक जिले को भिजवाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कही।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि चूंकि अब कस्बों एवं गांवों में भी कोरोना संक्रमण हो रहा है अतः जिलों की ही तरह सब डिविजन स्तर पर भी क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप बनाए जाएं, जो वहां की परिस्थितियों के अनुरूप कोरोना नियंत्रण का कार्य करें। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस ने बताया कि इस संबंध में जिलों को? विस्तृत निर्देश जारी कर दिए हैं।

कटनी जिले की समीक्षा के दौरान पाया गया कि गत 7 दिनों में वहां पॉजिटिविटी दर 7.36 प्रतिशत आई है। जिले में वर्तमान में 221 पॉजिटिव व 77 एक्टिव मरीज हैं, 139 स्वस्थ होकर घर गए हैं तथा 5 की मृत्यु हुई है। जिले में टेस्टिंग कम है।

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि जिलों में टेस्टिंग बढ़ाई जाए तथा पूरी सर्तकता के साथ काम किया जाए।

आठ करोड़ से अधिक किसानों के खातों में सिंगल क्लिक से ट्रांसफर हुई राशि

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विदिशा जिले के लटेरी के कृषक श्री मुकेश शर्मा से बातचीत की। प्रधानमंत्री, रिलीज ऑफ बेनिफिट अंडर पीएम किसान एंड लॉन्च ऑफ फायनेन्शियल फैसिलिटी अंडर एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड कार्यक्रम के अवसर पर वेबकास्ट द्वारा देश के कृषक संघों से चर्चा कर रहे थे।

कृषक श्री शर्मा प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लटेरी जिला विदिशा के सचिव हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री द्वारा 8 करोड़ 55 लाख किसानों के खातों में 17 हजार एक सौ करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से ट्रांसफर किए गये। इसके साथ ही फायनेन्शियल फैसिलिटी अंडर एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत चार साल के लिए एक लाख करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश सहित कर्नाटक तथा गुजरात के कृषक संघों से भी बातचीत की।

कृषकों को रासायनिक खाद और कीटनाशक के कम उपयोग का संदेश

वेबकास्ट पर चर्चा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषक श्री शर्मा से कहा कि वे अपने साथियों को रासायनिक खाद और कीटनाशक का कम उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। इससे जमीन का स्वास्थ्य सुधारने में मदद मिलेगी। श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री को बताया कि उनकी समिति में 1 हजार 125 किसान जुड़े हैं। यह समिति फसल बीमा, किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराने और कृषि उत्पाद के क्रय कार्य में निरंतर सक्रिय है। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए मास्क व सेनेटाइजर के उपयोग और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए भी समिति सदस्यों को लगातार प्रेरित करती है। श्री शर्मा ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए लागू पाबंदियों के बीच किसानों को उपज परिवहन के लिए दी गई छूट और मंडियों में की गई व्यवस्थाओं के लिए राज्य शासन का आभार माना।

प्रधानमंत्री द्वारा भविष्य की योजनाओं के संबंध में पूछने पर श्री शर्मा ने कहा कि पांच हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम निर्माण, ग्रेडिंग और ई-मंडी की सुविधा विकसित करने की योजना है।

किसानों के लिए महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सभी आवश्यक कदम उठा रही है। लॉकडाउन में किसानों को लाभान्वित करने, आत्मनिर्भर बनाने तथा किसान बन्धुओं की आय दोगुनी करने की दिशा में अनेक कल्याणकारी निर्णय लिए गए हैं। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर और प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने भी वेबकास्ट में हिस्सा लिया।

कृषकों की स्थिति में होगा सुधार

प्रदेश के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने एग्री इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड के अंतर्गत सहकारी समितियों को वित्त-पोषण सुविधा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इससे समितियां बहुउद्देशीय गतिविधियां संचालित कर सकेंगी।

पर्यटन विकास निगम के सभी होटल और रेस्टोरेंट शुरू

भोपाल, राज्य पर्यटन विकास निगम ने प्रदेश में स्थित अपने सभी होटल और रेस्टोरेंट का संचालन फूड लवर्स के लिये पुनः शुरू कर दिया है। निगम के प्रबंध संचालक श्री एस. विश्वनाथन ने बताया कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, खजुराहो और पचमढ़ी क्षेत्र के सभी होटल और रेस्टोरेंट पर्यटकों की मांग पर पुनः शुरू किये जा रहे हैं। अनलॉक-1 की अवधि में निगम ने फर्स्ट फेज में प्रदेश में अपने 35 होटल और रेस्टोरेंट का संचालन शुरू किया था।

निगम द्वारा भोपाल क्षेत्र के होटल पलाश रेसीडेंसी, विण्ड एण्ड वेव्स और पिकनिक एट केरवा शुरू कर दिये गये हैं। वर्षा ऋतु में विण्ड एण्ड वेव्स और पिकनिक एट केरवा सैलानियों का फेवरेट वेन्यू रहा है। वहीं जबलपुर में होटल कलचुरि रेसीडेंसी और ग्वालियर में तानसेन रेसीडेंसी सहित निगम के सभी होटल और रेस्टोरेंट को पर्यटकों और फूड लवर्स के लिये पुनः आरंभ कर दिया गया है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

आम आदमी की जिन्दगी सरल बनाना ही सुशासन - मुख्यमंत्री

ईज ऑफ लाइफ को बेहतर ढंग से लागू करेगा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के लिये सुशासन पर केंद्रित एक वेबिनार को संबोधित करते हुये।

भोपाल, आम आदमी की जिन्दगी सरल हो, उसे किसी कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें, यही सुशासन है और इसे लागू करने के लिए मध्यप्रदेश में जो पूर्व में कार्य हुआ है, उसे तकनीकी सहयोग से अधिक बेहतर तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि कोविड-19 एक चुनौती है जिसे अवसर में बदलने की आवश्यकता है। मध्यप्रदेश में इस दिशा में प्रयास किया जा रहा है कि कार्यों को पेपरलेस बनाकर गवर्नेन्स का लाभ आमजन को दिया जाए। मध्यप्रदेश इस दिशा में पूर्व अनुभवों के आधार पर ज्यादा अच्छे परिणाम देने के लिए तैयार है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप तैयार करने की दृष्टि से श्रृंखलाबद्ध हो रहे वेबिनार में सुशासन पर केन्द्रित विचार-विमर्श का शुभारंभ करते हुए कहीं।

श्री चौहान ने कहा कि गुड-गवर्नेन्स से ई-गवर्नेन्स और अब हम एम-गवर्नेन्स की ओर जा रहे हैं।

आम आदमी के लिए ईज ऑफ लाइफ सरकार का ध्येय

श्री चौहान ने कहा कि आम आदमी के लिए ईज ऑफ लाइफ सरकार का ध्येय रहेगा। इन प्रयासों को बेहतर ढंग से करते हुए प्रदेश के नागरिकों के जीवन में संतुष्टि और जीवन के आनंद का स्तर बढ़ाने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने वाले अद्भुत नेता हैं, उन्होंने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प दिलवाया है। मध्यप्रदेश इसके अनुरूप आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण कर दिखायेगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का दस्तावेज तैयार करने के लिए ऐसे विचार जो जमीन पर उतर सकते हैं, उन्हें अमल में लाया जाएगा। इस वेबिनार में मिले सुझाव आम जनता के कल्याण की दृष्टि से उपयोगी होंगे।

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में प्राकृतिक संसाधन, आदर्श भौगोलिक स्थिति, अच्छा उत्पादन, वनोपज, कला, संस्कृति, पर्यटन, हाथकरघा और सांस्कृतिक परम्पराएं विद्यमान हैं। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त होंगे। लेकिन बिना सुशासन के इन्हें लागू नहीं किया जा सकता। श्री चौहान ने कहा कि उन्होंने पुराने कार्यकाल में अपूर्ण सिंचाई योजनाओं को पूरा किया। अधूरे बांधों का निर्माण कराया गया। इसके फलस्वरूप सिंचाई क्षमता सात लाख हेक्टेयर से बढ़कर चालीस लाख हेक्टेयर को पार कर गई।

मध्यप्रदेश में सुशासन के लिए उठाये गये हैं ठोस कदम

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में पूर्व वर्षों में उनके कार्यकाल में लोकोन्मुखी प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गई। इसके लिए समाधान ऑनलाइन, जनदर्शन, वन-डे गवर्नेन्स और पब्लिक सर्विस गारंटी कानून बनाकर आमजन को त्वरित समाधान उपलब्ध करवाया गया। संयुक्त राष्ट्र ने भी इसे पुरस्कृत किया। इसके अलावा सिटीजन चार्टर में सेवाओं के समय पर न दिए जाने के दोषी लोगों को दण्डित करने का कार्य भी किया गया। इस व्यवस्था का अन्य राज्यों ने भिन्न-भिन्न नामों से अनुसरण किया। यही नहीं सीएम हेल्पलाइन और सीएम मॉनिट की प्रभावी व्यवस्था लागू की गई।

कार्य की समाधान प्रक्रिया में व्यक्ति बाधा न बने, सिंगल सिटीजन डाटाबेस शीघ्र

श्री चौहान ने कहा कि सुशासन के अंतर्गत पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन आवश्यक है। कई नियम बदले भी गए हैं। इसका उद्देश्य प्रामाणिकता के साथ लोक सेवाओं का प्रदाय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नियम और कानून आमजन के लिए होते हैं। आमजन नियम और कानून के लिए नहीं है। यदि किसी कार्य या समाधान प्रक्रिया में कोई व्यक्ति बाधा बनता है, तो यह अनुचित है। सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग से इंसान बहुत से सरकारी कार्यों के बीच में नहीं आता। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में किए गए नवाचार लोगों के लिए राहत का माध्यम बने हैं। शीघ्र ही सिंगल सिटीजन डाटाबेस के अंतर्गत एक ही स्थान पर, एक ही पोर्टल के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन का कार्य आसानी से हो सकेगा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल का पोर्टल और एप

स्कूल शिक्षा मंत्री ने किया लोकार्पण

भोपाल, स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री इंदर सिंह परमार ने बोर्ड ऑफिस में ई-गवर्नेंस पोर्टल, माशिम पोर्टल (mashim.nic.in) एवं माशिम मोबाइल एप का लोकार्पण किया। श्री परमार ने कहा कि यह क्रांतिकारी परिवर्तन है। इससे विद्यार्थी अब बोर्ड से जुड़े हुए हर कार्य को अपने मोबाइल से ही आसानी से कर सकेंगे। इससे समय और पैसे की बचत के साथ-साथ सरलता से कार्य किये जा सकेंगे। इस व्यवस्था के साथ ही शिक्षा में परीक्षा के स्थान पर लर्निंग एवं ज्ञान पर अधिक ध्यान दिया जायेगा, जो नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों की प्राप्ति में सार्थक साबित होगा। अब शिक्षक और अधिक स्किलफुल होकर बच्चों को आसानी से पढ़ा सकेंगे। इस व्यवस्था में बच्चे भी अपनी सुविधानुसार अपने मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पढ़ सकेंगे।

इस एप और पोर्टल में सभी छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यालयों के पंजीकृत होने से एक क्लिक पर सभी जानकारी रियल टाइम में प्राप्त की जा सकेगी। पंजीकृत विद्यालयों को ऑनलाइन शिक्षण सामग्री उपलब्ध होने पर निर्बाध पढ़ाई हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पारंपरिक शिक्षा के स्थान पर व्यावसायिक शिक्षा पर भी ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है ताकि विद्यार्थी रोज़गारोन्मुखी शिक्षा प्राप्त कर सकें।

स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार माध्यमिक शिक्षा मंडल के ई-गवर्नेंस पोर्टल और मोबाइल एप का लोकार्पण करते हुये।

माध्यमिक शिक्षा मंडल बोर्ड के अध्यक्ष श्री राधेश्याम जुलानिया ने माशिम पोर्टल एवं एप की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंडल के सभी कार्य अब मंडल के पोर्टल पर विद्यार्थी, शिक्षक एवं विद्यालय द्वारा अपने कम्प्यूटर और स्मार्ट-फोन से विद्यालय परिसर अथवा घर से ही किये जा सकेंगे। इससे विद्यार्थियों का निजी डाटा एवं उनके डॉक्यूमेंट्स की गोपनीयता एवं सुरक्षा सुनिश्चित रहेगी।

विद्यार्थियों के लिये सुविधाएं एवं सेवाएं

माशिम मोबाइल एप के माध्यम से विद्यार्थियों को चरणबद्ध रूप में गुणवत्तायुक्त सेल्फ लर्निंग स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जायेगा, साथ ही एप आधारित सतत मूल्यांकन भी किया जायेगा। ये सभी सुविधाएं सहज एवं रियल टाईम में उपलब्ध होंगी। यह सुविधा मिलने से विद्यार्थियों को कियोस्क जाने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे डेटा और डॉक्यूमेंट्स की गोपनीयता और सुरक्षा बनी रहेगी, साथ ही दुरुपयोग की संभावना नहीं होगी।

विद्यालयों के लिये सुविधा

माशिम मोबाइल एप मंडल एवं विद्यालयों के बीच सीधे संवाद के लिये एक प्लेटफार्म की तरह कार्य करेगा, इसके लिये विद्यालयों को लॉग-इन होना होगा।

रोज़गार सेतु पोर्टल से मिल रहा है मजदूरों को काम

कौशल एवं दक्षतानुसार रोज़गार से जुड़े 38 हजार 906 श्रमिक

भोपाल, कोरोना संक्रमण काल में प्रदेश वापस लौटे प्रवासी मजदूरों को स्थानीय स्तर पर उनकी कुशलता एवं दक्षता के अनुसार रोज़गार उपलब्ध करवाने के लिये रोज़गार सेतु पोर्टल प्रारंभ किया गया। पोर्टल पर सभी प्रवासी मजदूरों का पंजीयन कर ऐसे नियोक्ताओं का भी पंजीयन किया गया जिन्हें काम के लिये मजदूरों की तलाश थी। रोज़गार सेतु पोर्टल में 7 लाख 30 हजार 311 प्रवासी श्रमिकों और 31 हजार 733 नियोक्ताओं का पंजीयन हो चुका है।

रोज़गार सेतु के माध्यम से 38 हजार 906 प्रवासी मजदूरों को उनकी कुशलता और दक्षतानुसार विभिन्न प्रायवेट नियोक्ताओं की संस्थाओं में रोज़गार मिला है। मनरेगा के कार्यों में एक लाख 94 हजार 75 प्रवासी श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोज़गार उपलब्ध करवाया जा रहा है।

तीन लाख 58 हजार 956 ऐसे प्रवासी मजदूरों के मनरेगा अन्तर्गत जॉब कार्ड भी बनाये गये, जिनके अभी तक जॉब कार्ड नहीं थे। इनमें ऐसे श्रमिक भी शामिल हैं, जो मध्यप्रदेश के न होकर अन्य राज्यों के हैं।

गरीबों के लिये हर स्तर पर सहायता उपलब्ध करवाने वाली संबल योजना के पोर्टल पर तीन लाख 24 हजार 715 व्यक्तियों का पंजीयन और बीओसीडब्ल्यू पोर्टल पर 16 हजार 496 का पंजीयन हो चुका है। श्रमिकों की स्किल मैपिंग में 7 लाख 20 हजार 997 श्रमिकों की उनके कौशल अनुसार मैपिंग का कार्य किया गया है।

डी.एल.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष-2020 की परीक्षा एक सितम्बर से होगी

भोपाल, माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सत्र 2019-20 की प्रारंभिक शिक्षा में पत्रोपाधि पाठ्यक्रम (डी.एल.एड.) के नियमित प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा एक सितम्बर से 11 सितम्बर, 2020 के मध्य संचालित की जायेंगी। प्रथम वर्ष की परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित की जायेगी।

परीक्षा कार्यक्रम मंडल की वेबसाइट **www.mpbse.nic.in** पर भी देखा जा सकता है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप पर एक सितम्बर से प्रारंभ होगा कार्य

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के संबंध में आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुये।

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत को साकार करने के लिए आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इसके लिए आयोजित किये गये 4 दिवसीय वेबिनार में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं। इन सुझावों को शामिल कर रोडमैप को अंतिम रूप देने के लिए प्रदेश के मंत्रियों के समूह गठित किए जा रहे हैं। मंत्री समूह अपना ड्राफ्ट 25 अगस्त तक प्रस्तुत कर देंगे। इस ड्राफ्ट पर नीति आयोग के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श उपरांत 31 अगस्त तक आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप को अंतिम रूप दे दिया जाएगा तथा एक सितम्बर से इसे आगामी 3 वर्ष के लक्ष्य के साथ प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के संबंध में आयोजित एक वेबिनार में कहीं।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भौतिक अधोसंरचना समूह में श्री गोपाल भार्गव एवं अन्य मंत्रीगण होंगे तथा इसके समन्वयक अधिकारी श्री आईसीपी केशरी होंगे। सुशासन समूह में मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा एवं अन्य मंत्रीगण होंगे तथा इसके समन्वयक अधिकारी श्री एस.एन. मिश्रा होंगे। शिक्षा एवं स्वास्थ्य समूह में मंत्री श्री विश्वास सारंग एवं अन्य मंत्री होंगे तथा इसके समन्वयक अधिकारी श्री मोहम्मद सुलेमान होंगे। इसी प्रकार अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार समूह में मंत्री श्री जगदीश देवड़ा एवं अन्य मंत्रीगण होंगे तथा उसके समन्वयक अधिकारी डॉ. राजेश राजौरा होंगे।

देशी चिकित्सा को बढ़ावा, संस्कार और रोज़गार देने वाली शिक्षा

श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में देशी चिकित्सा पद्धति, आयुष, आदिवासी चिकित्सा पद्धति, योग आदि को बढ़ावा दिया जाएगा। वहीं हमारी शिक्षा, संस्कार और रोज़गार देने वाली होगी। हमें पश्चिम का अंधानुकरण नहीं करना है। 6वीं कक्षा से ही व्यावसायिक शिक्षा को लागू किया जाएगा। परंपरागत ज्ञान को अभिलेखित किया जाएगा, सर्वसुविधायुक्त स्कूलों को प्रोत्साहित करेंगे। प्रतिभा निखारने के लिए 'प्रखर योजना' चालू की जाएगी।

एक जिला एक पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जिले की सर्वश्रेष्ठ पहचान को उजागर करने के लिए कार्य किया जाएगा। 'लोकल' को 'वोकल' बनाया जाएगा। हर ग्राम, हर नगर आत्मनिर्भर हों, ऐसे प्रयास किए जाएंगे। लघु-कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

वन नेशन वन मार्केट

श्री चौहान ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का अधिकाधिक मूल्य दिलाने के लिए 'वन नेशन वन मार्केट' की अवधारणा पर काम किया जाए। मंडी अधिनियम में किए गए संशोधनों का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। कृषि उत्पादक संघों को सुदृढ़ किया जाएगा। जैविक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। मध्यप्रदेश में क्षमता है कि वह पूरे देश की खाद्य तेल की आवश्यकता को पूरा कर सकता है। इसके लिए खाद्य तेल एवं दालों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा।

कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश बम्पर कृषि उत्पादन करता है, परन्तु हमारा कृषि निर्यात केवल 0.8 प्रतिशत है। निर्यात बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, कोल्ड स्टोरेज तथा अन्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करणों को बढ़ावा दिया जाएगा। पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र का भी विकास किया जाएगा।

'आउट ऑफ बजट फंड' की व्यवस्था

श्री चौहान ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए 'आउट ऑफ बजट फंड' जनरेट करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम बनाई जाएगी, जो इस संबंध में कार्य करेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वेबिनार में शामिल होने के लिए सभी मंत्रीगणों, विभिन्न विषय-विशेषज्ञों और नीति आयोग के सदस्यों आदि का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कृषि उत्पाद प्रसंस्करण को बढ़ावा देना होगा

नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत ने कहा कि मध्यप्रदेश की एसजीडीपी में कृषि का 42 प्रतिशत हिस्सा है, परन्तु यहां कृषि उत्पादों पर आधारित उद्योगों की बहुत कमी है। प्रदेश में कृषि उत्पाद प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया जाए। इसके साथ ही प्रदेश में पर्यटन उद्योग एवं ई-कॉमर्स को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य

श्री अमिताभ कांत ने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थागत प्रसव, टीकाकरण आदि में बहुत अच्छा कार्य हुआ है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश

आठ हजार 850 करोड़ रुपये का अनुमानित निजी निवेश होगा

भोपाल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में कहा है कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश वेबिनार में प्राप्त सुझावों के अनुरूप वर्ष 2021-22 में प्रदेश में 8 हजार 850 करोड़ रुपये का निजी निवेश अनुमानित है। इसके तहत 1500 मेगावॉट के सोलर पार्क, 600 मेगावॉट के ओंकारेश्वर के फ्लोटिंग सोलर पार्क और 30 मेगावॉट का सोलर रूफटॉप के साथ-साथ 200 ई.वी. चार्जिंग स्टेशन प्रस्तावित हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपरोक्त लक्ष्यों को हासिल करने के लिये सभी जरूरी कदम पूरी प्रतिबद्धता के साथ उठाये जायें। श्री डंग ने प्रस्तावित सौर पार्क से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री दीपक सक्सेना तथा अन्य अधिकारियों के साथ चर्चा की। श्री डंग ने पी.एम. किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (कुसुम-अ) के बारे में भी अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। प्रबंध संचालक श्री दीपक सक्सेना ने बताया कि इसके तहत किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये 500 किलोवॉट से 2 मेगावॉट तक के विद्युत उत्पादन की योजना है। साथ ही मंदसौर में 915 सब स्टेशन पर 300 मेगावॉट की सोलर परियोजना का लक्ष्य है।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री सोलर पम्प योजना (पी.एम. कुसुम-ब) से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी तलब की। अधिकारियों ने उन्हें अवगत कराया कि लक्ष्य पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश शासन का अंश लगभग 263 करोड़ रुपये आकलित है। प्रबंध संचालक ने बताया कि मंदसौर जिले में 262 कार्यादेश जारी हो चुके हैं तथा 178 सोलर पम्पों की स्थापना हो गई है। इसी प्रकार पी.एम. गरीब कल्याण रोज़गार अभियान के तहत 256 पम्पों की स्थापना की जा चुकी है। श्री डंग ने निर्देशित किया कि जारी किये गये कार्यादेश पर शीघ्र पम्प स्थापना के लिये कदम उठाये जायें।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के नीमच में 500 मेगावॉट क्षमता, आगर में 550 मेगावॉट, शाजापुर में 450 मेगावॉट, छतरपुर में 1500 मेगावॉट, मुरैना में 1400 मेगावॉट तथा ओंकारेश्वर में 600 मेगावॉट क्षमता के प्रस्तावित सौर पार्क को मूर्त रूप दिया जायेगा। श्री डंग ने रेस्को मॉडल आधारित सौर संयंत्र रूफटॉप के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में अधिकारियों से ब्यौरा तलब किया। मौजूद अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रस्ताव आमंत्रण के लिये ईओआई जारी किया जा चुका है।

आदिवासियों को जंगल और वन्य-प्राणियों से रहा है गहरा लगाव

डिण्डोरी, प्राचीन-काल से आदिवासियों का जंगल एवं वन्य-प्राणियों से गहरा लगाव रहा है। आदिवासियों ने प्राचीन-काल से वन क्षेत्रों में निवास करते हुए जल, जंगल, जमीन और वन्य-प्राणियों की रक्षा की है। इस वजह से ही आदिवासी क्षेत्रों में वन एवं वन्य-प्राणियों की भरमार है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में राज्य सरकार ने आदिवासियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। ये बातें आदिम-जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह ने डिण्डोरी में वनाधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहीं।

सुश्री मीना सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वन भूमि पर काबिज परिवारों को वनाधिकार हक प्रमाण-पत्र प्रदान कर सभी को चिंतामुक्त करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दावा प्रकरण के निराकरण में गांव के दो बुजुर्गों के कथन दर्ज कर साक्ष्य के रूप में लेने का प्रावधान है। आदिम-जाति कल्याण मंत्री ने विभागीय योजनाओं की गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आहार अनुदान योजना में कोई भी बैगा परिवार की मुखिया महिला वंचित नहीं होना चाहिये। आदिम-जाति कल्याण मंत्री ने कक्षा-10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा के परिणाम की भी समीक्षा की।

वन नेशन-वन राशन कार्ड के अंतर्गत अगले माह से मिलेगा निःशुल्क राशन

भोपाल, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री विसाहूलाल सिंह ने कहा कि 37 लाख लोगों को इस माह के अंत तक निःशुल्क राशन पर्ची उपलब्ध करवाई जायेगी। राशन पर्ची नहीं होने के कारण ये लोग शासन की योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे थे।

श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा के अनुरूप प्रदेश में अगले माह से सभी को राशन उपलब्ध करवाया जायेगा। राशन पर्ची बनाने का काम इस माह के अंत तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सभी कलेक्टर्स को इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि वे इस कार्य को 31 अगस्त तक आवश्यक रूप से पूरा कर लें, जिससे अगले माह से हितग्राहियों को राशन पर्ची के आधार पर राशन उपलब्ध करवाया जा सके।

श्री सिंह ने बताया कि वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश का श्रमिक यदि प्रदेश के बाहर काम करना चाहता है तो उसे प्रदेश के बाहर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जायेगा। इसके लिए उसे संबंधित जिले के कलेक्टर कार्यालय में अपना पंजीकरण कराना होगा, जिससे उसे वांछित स्थान पर खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा सके।

वेयर हाउस निर्माण में सशुल्क विभागीय एक्सपर्ट मिल सकेंगे

बैठक में संचालक खाद्य श्री तरूण पिथोड़े ने बताया कि विभाग वेयर हाउस के निर्माण के संबंध में अशासकीय व्यक्ति को विभागीय एक्सपर्ट उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करेगा। इस सुविधा का लाभ संबंधित व्यक्ति अथवा संस्था एक निश्चित शुल्क जमाकर ले सकेगी। इससे वेयर हाउस के क्षेत्र में काम करने वालों को मदद मिलेगी।

कोविड वार्ड में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों का भ्रमण सुनिश्चित कराएं

भोपाल, गृह एवं जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कोरोना समीक्षा बैठक के दौरान ग्वालियर के कोविड वार्ड में विगत तीन दिनों से किसी भी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी द्वारा भ्रमण नहीं करने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में ग्वालियर के कोरोना वार्ड में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन अथवा मेडिकल कॉलेज के डीन द्वारा मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था का जायजा नहीं लेना आपत्तिजनक होकर लापरवाही दर्शाता है। डॉ. मिश्रा ने कलेक्टर ग्वालियर को वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों का नियमित भ्रमण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

गंदगी भारत छोड़ो अभियान में नगरीय निकायों की होगी रैंकिंग

भोपाल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि प्रदेश के सभी शहरों को कचरा मुक्त बनायें। किसी भी शहर में कचरे के ढेर नहीं दिखने चाहिए। उन्होंने कहा कि 'गंदगी भारत छोड़ो-मध्यप्रदेश' अभियान में 16 से 30 अगस्त तक नगरीय निकायों द्वारा किये गये कार्यों के आधार पर उनकी रैंकिंग की जायेगी। अच्छी रैंक पाने वाले निकायों को सम्मानित किया जायेगा। श्री सिंह ने कहा कि रैंकिंग किसी एजेंसी या नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय के अधिकारियों की टीम द्वारा की जाये।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने कहा कि 16 से 30 अगस्त तक चलने वाले अभियान में प्रत्येक दिन अलग-अलग जिलों में कोई न कोई स्वच्छता से जुड़ा कार्यक्रम रखा जाये। इसमें जन-प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे कार्य करें कि लोगों को लगे कि कुछ अलग हो रहा है। छोटे शहरों और अन्य शहरों जहां कचरा निपटान की व्यवस्था नहीं है, वहां के लिए एक सप्ताह में प्लान बनायें।

उल्लेखनीय है कि 'गंदगी भारत छोड़ो-मध्यप्रदेश' अभियान में शहरों में व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन पर नागरिकों को

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह भोपाल में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुये।

संवेदित और जागरूक किया जायेगा। अभियान में 16 से 18 अगस्त तक स्वच्छता शपथ एवं व्यक्तिगत शौचालयों का रखरखाव और सफाई पर अशासकीय संगठनों के माध्यम से झुग्गी बस्तियों एवं अन्य मोहल्लों में नागरिकों से चर्चा की जायेगी। अभियान में 19 से 21 अगस्त तक नो प्लास्टिक और रीसाइकिल, रीयूज, रीड्यूज और रीफ्यूज (चार-आर) के संबंध में निकायों और युवाओं से ऑनलाइन संवाद किया जायेगा। अभियान में 22 से 24 अगस्त तक कोविड-19 के संबंध में लोगों को नेपकिन और उपयोग किये गये मास्क आदि के सुरक्षित निपटान के संबंध में जागरूक किया जायेगा। नगरीय निकाय द्वारा क्वारेंटाइन केंद्रों की स्वच्छता, मास्क पहनने की समझाइश और निकायों में सफाईकर्मियों को सम्मानित करने का कार्य किया जायेगा। अभियान में 25 से 27 अगस्त तक आवासीय परिसरों में स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्कीकरण और घरेलू हानिकारक कचरे का सुरक्षित निपटान करने के संबंध में जन-जागरूकता के साथ ही स्व-सहायता समूह के सदस्यों एवं आवासीय संघों से चर्चा की जायेगी। अंतिम चरण में 28 से 30 अगस्त तक निकायों एवं सहयोगी संगठनों के सहयोग से स्वच्छता श्रमदान तथा निकायों द्वारा सभी सार्वजनिक शौचालयों के अंदर और बाहर विशेषसफाई अभियान चलाया जायेगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

नई शिक्षा नीति का मध्यप्रदेश में होगा आदर्श क्रियान्वयन

भोपाल, जिस तरह मध्यप्रदेश ने बीते वर्षों में बिजली, पानी और कृषि के क्षेत्र में विकास के नए रिकॉर्ड बनाए हैं, उसी तरह अब स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठ उपलब्धियां प्राप्त करने के प्रयास होंगे। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप निर्माण के लिए वेबिनार श्रृंखला स्वास्थ्य और शिक्षा वेबिनार का शुभारंभ करते हुए कहीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के रोडमैप के लिये स्वास्थ्य और शिक्षा वेबिनार को संबोधित करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में भारत की नई शिक्षा नीति तीन प्रमुख उद्देश्यों ज्ञान-कौशल और संस्कार को प्राप्त करने की सोच से तैयार की गई है। मध्यप्रदेश इसका आदर्श तरीके से क्रियान्वयन करेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी आयुष्मान भारत योजना में नया सहारा दिया है। यह योजना मार्गदर्शक सिद्ध हो रही है। मध्यप्रदेश में दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि तकनीकि शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में 600 करोड़ रुपये की लागत से सिंगापुर के सहयोग से ग्लोबल स्किल पार्क के विकास की योजना है। इसके क्रियान्वयन की गति बढ़ायी जाएगी।

श्री चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की प्राप्ति के लिए नीति आयोग के निर्देशन में इस वेबिनार श्रृंखला के माध्यम से रोडमैप तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य हो रहा है। तीन वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया जाएगा।

श्री निशंक ने की
वेबिनार आयोजन की प्रशंसा

वेबीनार में केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के लिए वेबिनार का आयोजन प्रशंसनीय है। विचार-विमर्श से महत्वपूर्ण सुझाव मिलते हैं। भारत की नई शिक्षा नीति के लिए करीब सवा दो लाख सुझाव प्राप्त हुए। नई शिक्षा नीति में 10+2 फार्मेट के स्थान पर 5+3+3+4 फार्मेट लागू होगा। स्वतंत्र भारत के बाद हुए सबसे बड़े नवाचार में अनेक शिक्षाविद् और कुलपति आदि ने परामर्श देने का कार्य किया। श्री निशंक ने भारत की नई शिक्षा नीति की विशेषताओं का विस्तार से उल्लेख किया।

श्री निशंक ने बताया कि कक्षा छठवीं से विद्यार्थी व्यावसायिक शिक्षा से जुड़ जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई बच्चा शिक्षा से नहीं छूटेगा। करीब ढाई करोड़ विद्यार्थी के ड्रॉप आउट को समाप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब पहली से पांचवी कक्षा तक मातृभाषा का उपयोग किया जाएगा। विश्व के अनेक देशों में मातृभाषा को इस तरह का महत्व दिया गया है।

भारत में पहली बार आठवीं अनुसूची में शामिल भारतीय भाषाओं को शिक्षा से जोड़ा गया है। विद्यार्थी स्वयं का मूल्यांकन करेगा। उसे रिपोर्ट कार्ड नहीं प्रोग्रेस कार्ड प्राप्त होगा। वोकेशनल विषयों को सुनने का विकल्प दिया गया है।

विज्ञान के विद्यार्थी भी संगीत और मनोविज्ञान पढ़ सकेंगे। पाठ्यक्रम पूरा न हो पाने पर भी प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और डिग्री शिक्षा प्राप्त करने की अवधि के अनुसार प्रदान की जाएगी।

नव उद्यमियों का नेटवर्क और प्रशिक्षित वर्क फोर्स तैयार करना प्राथमिकता

भोपाल, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने अपनी विभागीय प्राथमिकताएं बताते हुए कहा है कि ग्रीन एनर्जी से परिपूर्ण मध्यप्रदेश और सर प्लस पावर स्टेट तथा अधोसंरचना का बेहतर समन्वय कर प्रदेश में प्रशिक्षित कामगारों की फौज के साथ नव उद्यमियों का नेटवर्क बना कर प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

श्री सखलेचा ने कहा कि प्रदेश में कृषि और उद्यानिकी उत्पादों की पहले से ही देश में पहचान है, लेकिन अब भी संभावनाओं का खुला आसमान है। उन्होंने कहा कि विभाग स्किल्ड वर्कफोर्स के लिए जिला स्तर पर संचालित केंद्रों को मौजूदा तकनीक और उभरते विश्व बाजार के अनुरूप बनाने के लिए नए सिरे से प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अध्ययन कर इन केंद्रों में गुणवत्ता के साथ छह माह से 5 वर्ष तक के कोर्स संचालित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि प्रोडक्ट आधारित ट्रेनिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा और उन्हें काम के आधार पर पंजीकृत किया जाएगा। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने कहा कि उनकी योजना है कि देश में आयातित होने वाली वस्तुओं की लिस्टिंग कर यह परीक्षण किया जाएगा कि उन वस्तुओं का उत्पादन और विपणन मध्यप्रदेश कर सकता है या नहीं। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में अनेक वस्तुएं हैं जिनकी भरपाई मध्यप्रदेश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में संभावनाओं और अवसर के दृष्टिगत नव उद्यमियों की एक चेन बनाई जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्यावरण सुधार के कदम उठाये जायें

भोपाल, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा तथा पर्यावरण मंत्री श्री हरदीप सिंह डंग ने भोपाल स्थित मंत्रालय में पर्यावरण विभाग के अधिकारियों की बैठक में कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्यावरण सुधार के लिये आवश्यक कदम उठाये जायें। इस सिलसिले में अन्य मंत्रियों से भी चर्चा की जायेगी। उन्होंने कहा कि सॉलिड व लिक्विड वेस्ट के निपटान के संबंध में भी पुख्ता कदम उठाये जायें। श्री डंग ने जानना चाहा कि विभाग में लोक सेवा गारंटी के कितने आवेदन लंबित हैं। उन्होंने ऐसे आवेदनों की बड़ी संख्या को लेकर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि लंबित सभी आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाये। श्री डंग ने सख्ती से कहा कि लोगों को निरर्थक रूप से जानकारी के लिये भटकाने की स्थिति नितांत अवांछनीय है।

श्री डंग ने एप्को के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पर्यावरण विभाग से जुड़े इंजीनियर्स समर्पित रूप से अपने कर्तव्य को निभाएं। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि एप्को की स्पेशियलाइज्ड विंग से और बेहतर भूमिका के निर्वहन की अपेक्षा की जाती है।

राजनैतिक मामलों के लिये मंत्रिपरिषद् समिति गठित

भोपाल, राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राजनैतिक मामलों के लिये मंत्रिपरिषद समिति गठित की गई है।

इस समिति में गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य विभाग मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग मंत्री श्री गोपाल भार्गव, जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, वन विभाग मंत्री श्री विजय शाह, वाणिज्यिक कर, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्री विसाहूलाल सिंह, नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह, राजस्व, परिवहन विभाग मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, सहकारिता, लोक सेवा प्रबंधन विभाग मंत्री श्री अरविन्द भदौरिया तथा स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार), सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार सदस्य होंगे। मुख्य सचिव समिति के सचिव होंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

चतुर्थ तल, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004

तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश
सत्र 2020-21

(मध्यप्रदेश स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय एवं निजी संस्थानों में प्रवेश हेतु)

काउंसलिंग कार्यक्रम

स.क्र.	पाठ्यक्रम	प्रारंभ होने की तिथियाँ
1	एकीकृत पाठ्यक्रम - 5 वर्ष (एमबीए/एमसीए)	18 अगस्त 2020
2	फार्म. डी.	18 अगस्त 2020
3	एकलव्य/अम्बेडकर योजना अन्तर्गत डिप्लोमा	18 अगस्त 2020
4	नॉन पीपीटी डिप्लोमा	18 अगस्त 2020
5	बी./डी.फार्मेसी	18 अगस्त 2020
6	बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट	18 अगस्त 2020
7	बी.ई./बी.टेक. (अंशकालिक)	18 अगस्त 2020

- कोविड-19, कोरोना महामारी के दृष्टिगत अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के सत्यापन हेतु सहायता केन्द्र पर उपस्थित नहीं होना है। दस्तावेजों का सत्यापन ऑनलाइन ही किया जायेगा।
- अभ्यर्थियों द्वारा पंजीयन के समय दी गई जानकारी को, अपलोड किये गये दस्तावेजों से मिलान कर ऑनलाइन सत्यापन किया जायेगा।
- ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया, वेबसाइट : dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है, जिसका अभ्यर्थी सूक्ष्मता से अवलोकन कर काउंसलिंग में सम्मिलित हो सकते हैं।

काउंसलिंग से संबंधित समस्त जानकारियाँ, काउंसलिंग प्रक्रिया, प्रवेश नियम, सहायता केन्द्रों की सूची, पाठ्यक्रमवार संस्थाओं की सूची, काउंसलिंग हेतु समय-सारणी इत्यादि जानकारी वेबसाइट : dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है। निजी संस्थाओं की शुल्क (फीस) संबंधी जानकारी www.afrcmp.org पर उपलब्ध है। सम्पर्क फोन नं. 0755-6720205, 0755-2660441, ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

सितम्बर 2020 में आयोजित की जाने वाली काउंसलिंग की संभावित तिथियाँ

स.क्र.	पाठ्यक्रम	तिथियाँ
1	एन.आर.आई.-(बी.ई.-बी.टेक./बी.आर्क)	05 सितम्बर 2020
2	बी.ई./बी.टेक. (पूर्णकालिक)	10 सितम्बर 2020
3	एमबीए (पूर्णकालिक/अंशकालिक)	15 सितम्बर 2020
4	एमसीए	15 सितम्बर 2020
5	बी.आर्क.	16 सितम्बर 2020
6	एम.फार्मेसी	16 सितम्बर 2020
7	एम.ई./एम.टेक. (पूर्णकालिक/अंशकालिक)	16 सितम्बर 2020
8	इंजीनियरिंग डिप्लोमा (प्रवेश परीक्षा आधारित)	17 सितम्बर 2020
9	लेटरल एण्ट्री-(बी.ई./बी.फार्मेसी)	21 सितम्बर 2020
10	एम.आर्क.	01 अक्टूबर 2020

- अद्यतन जानकारी हेतु काउंसलिंग वेबसाइट : dte.mponline.gov.in का निरंतर अवलोकन करते रहें।

अध्यक्ष-काउंसलिंग समिति एवं
आयुक्त, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र.माध्यम/98173/2020 R-44237/2020

चर्चा में

महिंदा राजपक्षे

श्रीलंका के प्रधानमंत्री बने

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने ऐतिहासिक

बौद्ध मंदिर में देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। श्रीलंका पीपुल्स पार्टी (एसएलपीपी) के 74 वर्षीय राजपक्षे को उनके छोटे भाई और राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने केलानिया में पवित्र राजामह विहाराय बौद्ध मंदिर में पीएम पद की शपथ दिलाई। महिंदा नीत एसएलपीपी ने अगस्त में हुए आम चुनाव में जबर्दस्त जीत हासिल करते हुए संसद में दो तिहाई बहुमत हासिल किया।

कनाडा की

चार हजार साल पुरानी हिम चट्टान टूटी

ग्लोबल वॉर्मिंग के कहर के चलते कनाडा में 4 हजार

साल पुरानी साबुत बची अंतिम हिम चट्टान भी टूट कर बिखर गयी। इस हिम चट्टान का ज्यादातर हिस्सा गर्म मौसम और वैश्विक तापमान बढ़ने के चलते टूटकर विशाल हिम शैल द्वीपों में बिखर गया। हिम चट्टानें बर्फ का तैरता हुआ तख्ता होती हैं, जो ग्लेशियर के पिघलने से बनती हैं।

जीसी मुर्मू

देश के नए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक बने

गुजरात कैडर के आईएएस और केंद्र शासित प्रदेश

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल रहे जीसी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में हुए एक समारोह में देश के नए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के रूप में शपथ ली है। जीसी मुर्मू ने राजीव महर्षि का स्थान लिया है। महर्षि को 2017 में सीएजी नियुक्त किया गया था।

प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी

यूपीएससी के चेयरमैन बने

शिक्षाविद प्रोफेसर प्रदीप कुमार जोशी संघ लोक सेवा

आयोग (यूपीएससी) के चेयरमैन नियुक्त किए गए हैं। यूपीएससी में अब तक वह बतौर सदस्य सेवा दे रहे थे। संस्था के चेयरमैन के रूप में उनका कार्यकाल 12 मई 2021 तक होगा। 2015 में प्रदीप कुमार जोशी यूपीएससी में सदस्य के रूप में शामिल हुए थे।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

आठ अगस्त को 84 वर्ष का हुआ

बाघों के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट नेशनल

पार्क 8 अगस्त 2020 को 84 वर्ष का हो गया है। कॉर्बेट पार्क का क्षेत्र 1819 तक टिहरी नरेश की संपत्ति हुआ करता था। 1819-20 में टिहरी नरेश ने अपनी जमीन ब्रिटिश सरकार को दान में दे दी थी। 1868 से इसकी जिम्मेदारी वन विभाग को मिल गयी थी। 1879 में यह आरक्षित वन क्षेत्र घोषित हुआ। प्रख्यात शिकारी और संरक्षणकर्ता जिम कॉर्बेट के नाम पर इस पार्क का नाम रखा गया है।

शशिधर जगदीशन

एचडीएफसी बैंक के नए सीईओ और एमडी होंगे

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक के सीईओ और

एमडी पद के लिए शशिधर जगदीशन का नाम मंजूर किया है। जगदीशन, आदित्य पुरी की जगह लेंगे। जगदीशन अक्टूबर से पदभार संभालेंगे। वे एचडीएफसी से 1996 में फाइनेंस डिपार्टमेंट में मैनेजर के तौर पर जुड़े थे।

प्रेम सिक्का

ब्रिटिश संसद के लिये नामित

भारतीय मूल के अकादमिक प्रेम सिक्का को ब्रिटेन के

हाउस ऑफ लॉर्ड्स के लिए चुना गया है। वे इस सदन के 36 नए सदस्यों में से एक हैं। वे उत्तरी इंग्लैंड की शेफील्ड यूनिवर्सिटी में अकाउंटिंग के एमेरिटस प्रोफेसर हैं। नए सदस्यों में इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सर इयान बॉथम और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के छोटे भाई भी शामिल हैं। ब्रिटेन की महारानी ने सभी सदस्यों के नाम की चयन सूची पर स्वीकृति की मुहर लगा दी है।

महात्मा गांधी

ब्रिटेन के सिक्कों पर नजर आएंगे

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी अब ब्रिटेन के सिक्कों पर नजर

आएंगे। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने बताया कि महात्मा गांधी की उपलब्धियों और योगदान का जश्न मनाने के प्रयासों के तहत उनकी तस्वीरों वाले सिक्के जारी किए जाएंगे। सिक्कों की डिजाइन और उनकी विषयवस्तु पर सलाह देने वाली द रॉयल मिंट एडवाइजरी समिति ने महात्मा गांधी के तस्वीर वाले सिक्के के डिजाइन पर काम करना शुरू कर दिया है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने

दुनिया की सबसे महंगी कार खरीदी

पुर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दुनिया की

सबसे महंगी कार बुगाटी ला वोइतुर नोइरे खरीदी है। इस कार को खरीदने के लिए उन्होंने 8.5 मिलियन यूरो (लगभग 75 करोड़ रुपये) खर्च किए हैं। 35 साल के रोनाल्डो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कार की फोटो अपने फैंस के लिए शेयर की। हालांकि इस कार के लिए रोनाल्डो को 2021 तक इंतजार करना होगा।

कमला हैरिस

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनीं

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के

उम्मीदवार जो बिडेन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए अपनी पहली पसंद कमला हैरिस को माना है। अब भारतीय मूल की अमेरिकी सीनेटर कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद की प्रत्याशी होंगी। उपराष्ट्रपति पद की टिकट पाने वाली कमला हैरिस पहली एशियाई-अमेरिकी हैं। कमला ऑकलैंड में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने हावर्ड यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री ली है।

जिमी लाइ

हांगकांग के मीडिया टाइकून राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार

हांगकांग के मीडिया टाइकून जिमी लाइ राष्ट्रीय सुरक्षा

कानून के तहत गिरफ्तार किए गए हैं। उन्हें विदेश के साथ मिली-भगत के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। लाइ के ऊपर विदेशी और बाहरी तत्वों से मिली भगत आदि इल्जाम लगाए गए हैं। लाई की कंपनी नेक्स्ट डिजिटल और डेली ऐप्पल अखबार को प्रकाशित करती है।

विशाखा साह

अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक संघ ने किया सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक संघ ने ताइक्वांडो खिलाड़ी

विशाखा साह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। उन्होंने ओलिंपिक दिवस पर आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। उन्हें ये प्रमाण पत्र विश्व ओलिंपिक संघ के थामस वट ने भेजा है। उन्हें प्रतियोगिता में विशेष स्थान प्राप्त हुआ है।

मास्क

इजरायल में बना दुनिया का सबसे महंगा मास्क

इजरायल की ज्वैलरी कंपनी में दुनिया का सबसे महंगा

मास्क बनाया है। इसकी कीमत 1.5 मिलियन डॉलर (करीब 11 करोड़ रुपये) है। डिजाइनर आइजैक लैवी के मुताबिक यह मास्क 18 कैरेट सोने से बना है। इसमें 3600 काले और सफेद हीरे लगे हैं। इसका वजन 270 ग्राम है। यह आम सर्जिकल मास्क से 100 गुना ज्यादा वजनी है।

जो बिडेन

चुनाव प्रचार में 280 मिलियन डॉलर खर्च करेंगे

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव-2020 में

डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बिडेन अपने चुनाव प्रचार के लिए 280 मिलियन डॉलर खर्च करेंगे। अपने प्रचार अभियान का यह खर्च वह टेलीविजन और सोशल मीडिया में विज्ञापन पर करेंगे। बिडेन अपने प्रचार अभियान में तेजी लाना चाहते हैं, जिससे वे मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप से आगे निकल सकें।

आर.के.एस. भदौरिया

वायुसेना प्रमुख ने मिग-21 से भरी उड़ान

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर.के.एस.

भदौरिया ने वेस्टर्न एयर कमान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वायुसेना की तैयारियों का जायजा लिया और एयरबेस से मिग-21 बाइसन लड़ाकू जेट से उड़ान भी भरी। गौरतलब है कि 30 सितम्बर 2019 को एयर चीफ मार्शल बीरेन्द्र सिंह धनोआ के कार्यमुक्त होने के बाद उन्होंने यह पद ग्रहण किया है।

स्मृति शेष

जेके सीमेंट के प्रमुख वाई सिंघानिया का निधन

जेके सीमेंट के चेयरमैन और यूपी क्रिकेट

एसोसिएशन के अध्यक्ष यदुपति सिंघानिया का सिंगापुर में निधन हो गया। वह 67 साल के थे और लंबे समय से बीमार थे। 2004 में जेके सीमेंट के सीईओ बने सिंघानिया देश के 100 सीईओ में 28वें स्थान पर थे। उन्होंने कंपनी के लिये 20 बिलियन डॉलर का लक्ष्य तय किया था जो 2023 में पूरा होना था।

मोहन बागान के पूर्व कप्तान मनितोम्बी सिंह का निधन

भारत के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी और मशहूर

फुटबॉल क्लब मोहन बागान के पूर्व कप्तान मनितोम्बी सिंह का 39 वर्ष की अल्पायु में निधन हो गया। मनितोम्बी ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 2003 में मोहन बागान में पदार्पण किया था और 2004 में उनकी कप्तानी में टीम ऑल एयरलाइन्स गोल्ड कप की विजेता बनी।

थियेटर कलाकार इब्राहिम अल्काजी का निधन

जाने-माने थियेटर कलाकार इब्राहिम अल्काजी

का 94 वर्ष की उम्र में हृदयाघात से निधन हो गया है। वे देश में थियेटर को शिखर तक पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने धर्मवीर भारती के 'अंधायुग' जैसे लोकप्रिय नाटकों का मंचन किया। वे लंबे समय तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के निदेशक रहे हैं। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण से नवाजा जा चुका है।

अमेरिकी कम्प्यूटर इंजीनियर विलियम 'बिल' का निधन

कम्प्यूटर माउस बनाने में मदद करने वाले

अमेरिकी कम्प्यूटर इंजीनियर विलियम 'बिल' इंग्लिश का 26 जुलाई को कैलिफोर्निया में 91 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। नौसेना छोड़ने के बाद विलियम एसआरआई इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट में शामिल हुए और उन्होंने इंजीनियर डगलस एंगलबार्ट के कम्प्यूटर माउस के आइडिया को हार्डवेयर में बदलने का काम किया।

रेसलर जेम्स हैरिस का निधन

डब्ल्यू डब्ल्यू ई रेसलर जेम्स हैरिस उर्फ कमला का

70 साल की उम्र में निधन हो गया है। रिंग में कमला अपने चेहरे पर पेंट कर उतरते थे और विरोधियों से लड़ते थे। अपने कैरियर में 80 के दशक में कमला WWE सुपरस्टार रहे हैं। उन्होंने 400 से ज्यादा मैच खेले थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

वही लोग सफल होते हैं, जो जानते हैं कि वे सफल ही होंगे – वृंद

संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा 2019 में चयनित अभ्यर्थी का साक्षात्कार

कड़ी मेहनत और लगन हो तो हर लक्ष्य है संभव - अनन्या अवस्थी

दूसरे प्रयास में मिली सफलता

19 साल की उम्र में अपनी पढ़ाई छोड़कर कंपनी शुरू करने वाले दुनिया के सबसे बड़े दानदाताओं में शुमार और सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने कंपनी को स्थापित करने के लिए शुरुआती 10 साल तक कोई छुट्टी नहीं ली थी। यहां तक कि साप्ताहिक छुट्टी भी नहीं ली और उनकी यह मेहनत रंग लाई। बिल गेट्स से पूरी दुनिया में करोड़ों लोग प्रभावित हैं और उनमें से एक हैं इंदौर की अनन्या अवस्थी। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सर्विस 2019 की परीक्षा उन्होंने दूसरे प्रयास में उत्तीर्ण की है। एनएलआईयू भोपाल से लॉ की डिग्री हासिल करने वाली अनन्या कहती हैं कि मुझे कई महान लोगों के विचार प्रभावित करते हैं, लेकिन बिल गेट्स से ज्यादा प्रभावित हूं। वह बहुत ज्यादा जुझारू हैं, उन्हें हारना आता ही नहीं है, वह जो ठान लेते हैं, उसे हासिल करते हैं। उनकी यह बात मुझे बहुत ज्यादा प्रेरित करती है। अनन्या ने अपने अब तक के सफर, परीक्षा में सफलता, रणनीति समेत अलग-अलग पहलुओं पर अपनी बात रखी.....

परिचय

नाम : अनन्या अवस्थी
उम्र : 25 वर्ष
पिता : आशुतोष अवस्थी, सीनियर आईएएस ऑफिसर
माता : डॉ. किरण अवस्थी, होम मेकर
पता : ए-20 अक्षयदीप कॉलोनी, इंदौर

आभार : मुझे मेरे माता-पिता, बड़े भाई और दोस्तों ने हमेशा सहयोग दिया। मेरे बड़े भाई ने मुझे हर कदम पर इसके लिए गाइड किया। मैं इन सभी का आभार व्यक्त करती हूं।

सबल पक्ष : हमेशा नई चीजों को सीखने में प्रयासरत रहती हूं। सकारात्मक सोच और अपना काम पूरी लगन के साथ करती हूं।

दुर्बल पक्ष : कई बार बहुत ज्यादा भावुक हो जाती हूं।

शिक्षा : **हाई स्कूल** - श्री सत्य सांई विद्या विहार स्कूल, इंदौर (2010)
हायर सेकेंडरी - श्री सत्य सांई विद्या विहार स्कूल, इंदौर (2012)
स्नातक - नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू) भोपाल (2017)

रुचि : फोटोग्राफी

अन्य उपलब्धियां : बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 31वीं नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में बेस्ट स्पीकर का पुरस्कार।

■ **आपने परीक्षा में कौन सा विषय लिया?**

❑ मैंने लॉ को ही वैकल्पिक विषय के रूप में चुना था।

■ **परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन सा था? उसे आपने कहां से चुना?**

❑ परीक्षा की तैयारी के लिए मैंने कोचिंग के नोट्स, इंटरनेट और किताबों का चुनाव किया। इसमें ये प्रमुख किताबें शामिल थीं -
आधुनिक भारत का इतिहास - स्पेक्ट्रम
मध्यकालीन और प्राचीन भारत का इतिहास - एनसीईआरटी
राजव्यवस्था - लक्ष्मीकांत
विज्ञान - ज्यादातर करेंट अफेयर्स पढ़ा एवं कोचिंग के नोट्स।
अर्थव्यवस्था - कोचिंग के नोट्स
कला और संस्कृति - एनसीईआरटी और नितिन सिंघानिया की आर्ट एंड कल्चर।
भूगोल - एनसीईआरटी।
करेंट अफेयर्स के लिए -
समाचार-पत्र - प्रमुख अंग्रेजी अखबार व उनके संपादकीय पेज, करेंट अफेयर्स बुकलेट
मुख्य परीक्षा के लिए -
एथिक्स - द लेक्सिकन फॉर एथिक्स, इंट्रिग्रिटी एंड एप्टीट्यूड, मॉक टेस्ट पेपर्स।
आपदा प्रबंधन - कोचिंग के नोट्स
विश्व का इतिहास - कोचिंग के नोट्स और कोचिंग का स्टडी मटेरियल
करेंट अफेयर्स के लिए करेंट अफेयर्स बुकलेट

■ **आपकी पारिवारिक पृष्ठभूमि क्या है?**

❑ मेरे पिता श्री आशुतोष अवस्थी भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं और वर्तमान में श्रम आयुक्त के पद पर इंदौर में पदस्थ हैं। माँ डॉ. किरण अवस्थी होम मेकर हैं और बड़े भाई अनिकेत अवस्थी ने आईआईटी से पढ़ाई की है और वह एक स्टार्टअप में कार्य कर रहे हैं।

■ **इस परीक्षा में बैठने का विचार कहां से आया? इसके लिए प्रेरणा आपको कहां से मिली तथा सहयोग कहां से प्राप्त हुआ?**

❑ मैं शुरू से ही एक ऐसी फील्ड में जाना चाहती थी, जिसमें मैं लोगों की बेहतरी के लिए काम कर सकूं। मेरे पिताजी जो खुद एक प्रशासनिक अधिकारी हैं, बचपन से उनके काम-काज को देखकर भी मैं प्रभावित हुई और महसूस किया कि इस फील्ड में रहकर ज्यादा से ज्यादा लोगों की बेहतरी के लिए काम करने के अवसर मिलते हैं। जैसे-जैसे बड़ी हुई तो खुद भी अधिकारियों को काम करते देखा तो भी महसूस किया कि इस फील्ड में रिमोट एरिया में जाकर काम करने का जैसे अवसर मिलता है, वह किसी और फील्ड में करने को नहीं मिलता है। इसके लिए मुझे प्रेरणा मेरे पिता से मिली और मेरे भाई ने मुझे लगातार गाइड किया। पेरेंट्स, भाई और दोस्तों ने हर कदम पर सहयोग किया। दो से तीन साल का समय लगता है, ऐसे में जब भी कभी आत्मविश्वास कम हुआ तो दोस्तों ने बूस्टअप किया।

■ **परीक्षा की रणनीति कैसे तैयार की?**

❑ इस परीक्षा में प्री, मेन्स और इंटरव्यू में काफी चीजें एक-दूसरे से मिलती हैं और काफी चीजें बिलकुल नए सिरे से पढ़नी होती हैं। सबसे पहले सिलेबस देखा और पिछले साल के प्रश्न-पत्रों का अध्ययन किया। उसके बाद समझा कि इस परीक्षा की क्या मांग है, उसके आधार पर मैंने तय किया कि मुझे किस विषय को किस सोर्स, किस किताब से पढ़ना है। टेस्ट सीरीज पर भी बहुत ज्यादा फोकस किया। एक साथ पूरे लक्ष्य को न देखकर हर दिन के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाए। ऑप्शनल विषय काफी स्कोरिंग होता है, इसलिए मैंने लॉ के लिए भी हर दिन अलग वक्त अपने शेड्यूल में तय किया।

■ **परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है, ऐसे में यदि कभी निराशा हुई तो खुद का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाया?**

❑ मैंने जब पहली बार परीक्षा दी थी, तब मुझे भी लगा था कि सिलेक्शन नहीं होगा, क्योंकि मेरे पेपर बहुत अच्छे नहीं गए थे। इसलिए अगली बार जब परीक्षा दी तो अपनी उन गलतियों में सुधार करते हुए परीक्षा दी। निराश नहीं हुई थी, मैंने हमेशा यही सोचा कि मुझे सकारात्मक रहकर सिर्फ अपने कर्म को करना है और आगे बढ़ना है, सफलता खुद मिलेगी। मैं मानसिक संतुलन बनाए रखने के लिए म्यूजिक सुनती थी और वॉक करती थी। इस पूरे दौर में कई बार अनिश्चितताएं बनी रहती हैं। कई तरह के सवाल दिमाग में आते थे कि क्या होगा, लेकिन कुछ घंटे बाद ही खुद को संभाल लेती थी।

■ **रणनीति के तहत पढ़ाई के लिए हर दिन कैसे समय तय किया? दिनचर्या क्या थी?**

❑ मैं कभी घंटे तय करके पढ़ाई नहीं करती हूं। हर दिन के कुछ छोटे टारगेट बनाती और उसे पूरा करती थी। मैं ज्यादातर रात में जागकर पढ़ती थी तथा नियमित रूप से शाम को एक्सरसाइज करती थी। दोपहर में भी मैं पढ़ती थी और टेस्ट सीरीज भी करती थी। इसके अलावा कुछ वक्त न्यूज देखती थी। मुझे लगता है कि इस परीक्षा की प्रक्रिया बहुत लंबी होती है, इसलिए एक दिन में बहुत ज्यादा नहीं पढ़ना चाहिए। पूरे डेढ़ से दो साल आप लगातार ऐसा नहीं कर सकते। परीक्षा के समय में मैंने अपने घंटे बढ़ा दिए थे।

■ **इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है। ऐसे में क्या कुछ चीजों को छोड़ना पड़ा?**

❑ अगर आपको कुछ हासिल करना हो तो उसके बदले कुछ देना ही होता है। दोस्तों के साथ ज्यादा बाहर घूमने न जा पाना, चैट करना, ट्रिप पर जाना, सोशल लाइफ और मूवी देखने जाना कम किया। एक बड़ा सेक्रिफाइज़ यह भी रहा कि जैसे मेरी लॉ की डिग्री प्रोफेशनल थी, उसके बावजूद मैं वर्क एक्सपीरियंस नहीं ले पाई और सीधे सिविल सर्विस की तैयारी में जुट गई। इसलिए यह एक तरीके से कॅरियर को लेकर जोखिम भरा फैसला था।

■ **आपने किस विषय को सबसे अधिक समय दिया?**

❑ मैंने अपने वैकल्पिक विषय विधि के अलावा इतिहास, कला एवं संस्कृति को पढ़ने में सबसे अधिक समय दिया।

■ **कठिन और मुश्किल विषयों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?**

❑ मेरी याद्दाश्त बहुत ज्यादा अच्छी नहीं है, इसलिए पढ़ने के बाद भी बार-बार पलटकर देखती थी, ताकि वह याद हो जाए। इसके अलावा किसी टॉपिक को सवाल-जवाब के फॉर्मेट में लिखकर प्रैक्टिस करने से भी चीज़ें जल्दी याद होती हैं। टेस्ट सीरीज सॉल्व करना भी फायदेमंद रहा।

■ **परीक्षा देते समय टाइम मैनेजमेंट कैसे किया?**

❑ हर सवाल को हल करने के लिए घड़ी के हिसाब से ही चलती थी। 10 नंबर के सवाल को हल करने के लिए 7 से 7 मिनट 30 सेकेंड का समय तय किया। समय पूरा होते ही अगला सवाल हल करने लगती थी। ताकि पेपर न छूटे क्योंकि तीन घंटे में काफी लिखना होता है। मैंने लिखकर अच्छे से प्रैक्टिस की थी, यही मेरे लिए मददगार रही परीक्षा में टाइम मैनेजमेंट में।

■ **साक्षात्कार के दौरान आपसे क्या-क्या सवाल पूछे गए? आपने उनके क्या-क्या जवाब दिए?**

❑ साक्षात्कार के दौरान मुझसे कुछ सवाल मेरे अब तक के कॅरियर, मेरी पृष्ठभूमि, मेरे एजुकेशन, कानून से संबंधित तथा मेरे द्वारा भरे गए पर्सनल इंफॉर्मेशन फॉर्म से जुड़े आदि सवाल पूछे गए।
इनमें से कुछ प्रमुख हैं -

प्रश्न 1 **भारत में न्यायालयों में मामले लंबित हैं, आप इन्हें कैसे देखती हैं?**

उत्तर सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने की ज़रूरत है। मामलों के प्रबंधन में तकनीक का उपयोग, एक दिन में अधिक से अधिक सुनवाई करना और विवादों में मुकदमेबाजी की जगह विकल्प को निपटारे के लिए चुनना।

प्रश्न 2 **इंदौर देश का स्वच्छता में नंबर 1 शहर होने के कारण क्या हैं?**

उत्तर नागरिकों की सहभागिता, सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग रखना, अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग, वेस्ट को रीसाइकल करना और वेस्ट कलेक्शन वाहन को ट्रैक करने के लिए जीपीएस तकनीक का प्रयोग किया गया।

प्रश्न 3 **अगर सिविल सेवा में नहीं आती तो आप किस फील्ड में होतीं?**

उत्तर अगर सिविल सेवा में नहीं होती तो, मैं कोर्ट में प्रैक्टिस करती और ज़रूरतमंदों को उनके अधिकार और न्याय दिलाने के लिए उनके मुकदमे लड़ती।

प्रश्न 4 **वैंडिट क्वीन कौन थीं? ऐसा क्या था जिसने उन्हें गैंग का लीडर बनाया?**

उत्तर फूलन देवी। उन्होंने अपने जीवन में बहुत ज्यादा चुनौतियों और यातनाओं को सहन किया। सामाजिक जातिगत भेदभाव, यौन प्रताड़ना, महिला होने के कारण भेदभाव को सहन किया, इसलिए उन्हें गैंग का लीडर चुना गया।

■ **इंटरव्यू की तैयारी कैसे की? इसके लिए क्या योजना बनायी विस्तार से बताइए?**

❑ इंटरव्यू के पहले जो डिटेल्ड एप्लीकेशन फॉर्म (DAF) भरा जाता है उसके मैंने हर पहलू की अच्छे से तैयारी की थी। मॉक इंटरव्यू दिल्ली के अलावा इंदौर में देकर प्रैक्टिस की। बहुत से प्रतिभागी अपनी ट्रांसक्रिप्ट इंटरनेट पर अपलोड करते हैं, उनमें से कुछ सवाल जनरल होते हैं, उन्हें पढ़ा। इसके अलावा आइने के सामने देखकर बोलने की प्रैक्टिस की, अपने पॉश्चर पर ध्यान दिया।

■ **नोट्स बनाने की क्या स्किल थी? नोट्स कैसे बनाए?**

❑ नोट्स बनाना तैयारी के लिए अच्छा है, लेकिन मैंने नोट्स बनाने पर ज्यादा फोकस नहीं किया था। मैंने मेन्स की परीक्षा के लिए ज़रूर नोट्स बनाए थे। कीवर्ड के शॉर्ट नोट्स बनाए थे। मेरी नोट्स बनाने की कला बहुत अच्छी नहीं है, लॉ और जनरल स्टडी के कुछ विषय के लिए ही बनाए। इसके अलावा जो मुझे लगता था कि यह महत्वपूर्ण है, तो उसे मैं अपनी किताब में ही जिस टॉपिक को पढ़ती थी, उसके नज़दीक ही लिख लेती थी।

■ **आपने ज्यादातर सेल्फ स्टडी की है, आपको क्या लगता है कोचिंग कितनी महत्वपूर्ण भूमिका चयन में निभाती है?**

❑ मैंने पहले अटेम्प्ट के लिए शुरू के 4-5 महीने कोचिंग दिल्ली में ली थी, उसके बाद मुझे लगा कि मैं घर पर रहकर पढ़ सकती हूं, तो मैंने वापस भोपाल आकर तैयारी शुरू कर दी। मुझे लगता है कि आजकल हर चीज़ इंटरनेट पर मौजूद है। गूगल और यूट्यूब से काफी मदद मिल जाती है। ऐसे में व्यक्ति चाहे तो सिर्फ सेल्फ स्टडी करके भी चयनित हो सकता है। बाकी कोचिंग या सेल्फ स्टडी की बात करें तो चयन में भूमिका प्रतिभागी पर निर्भर करती है, क्योंकि कुछ लोगों को दूसरों के पढ़ाने पर ज्यादा बेहतर ढंग से समझ आता है, जबकि कुछ प्रतिभागी खुद पढ़कर ही समझ पाते हैं। मैं जब कोचिंग में गई तो मुझे समझ में आ गया कि कहां से क्या पढ़ना है, क्या एप्रोच होनी चाहिए? इसके बाद मैं घर आ गई थी।

■ **आपने किस माध्यम से परीक्षा दी? माध्यम का कितना फर्क नतीजों पर होता है?**

❑ मैंने अंग्रेजी माध्यम से परीक्षा दी है, लेकिन यह जरूर ऑब्जर्व किया है कि हिंदी से चयन कम हो रहे हैं। लेकिन मैं मानती हूं कि माध्यम का फर्क नहीं पड़ता है, यदि आप में जुनून है, तो आप किसी भी मीडियम के हों आप बेहतर करेंगे।

■ **जो सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं? उन्हें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?**

❑ सिलेबस को अच्छे से पढ़कर उसकी एप्रोच को समझ लीजिए। पुराने प्रश्न पत्र को समझिए। राइटिंग प्रैक्टिस अच्छे से करें। प्रीलिम्स के पहले टेस्ट सीरीज की प्रैक्टिस करें और अपनी राइटिंग स्पीड पर ध्यान दें कि क्या आप तीन घंटे में पूरा पेपर कर पा रहे हैं। दूसरों से चैक करवाकर देखिए कि क्या आप सही कर पा रहे हैं। फ्लो चार्ट, प्रेजेंटेशन अच्छा और पठनीय हो। न्यूज पेपर के एडिटोरियल को अच्छे से पढ़ना भी फायदेमंद होता है। सिलेबस को अच्छे से पढ़ने पर आप न्यूज पेपर अच्छे से पढ़ेंगे और उसे सिलेबस से जोड़कर देख सकेंगे समझ सकेंगे। जो काफी मददगार होगा।

■ **"रोज़गार और निर्माण" के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगी?**

❑ सकारात्मक होकर सिर्फ वह करें जो आप कर सकते हैं, फल क्या मिलने वाला है उसके बारे में ज्यादा न सोचें। सिर्फ अपना बेस्ट दें।

- सर्जना चतुर्वेदी
(साक्षात्कारकर्ता, पत्रकार हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

अर्थशास्त्र

1. देश में उपभोग के वर्तमान स्तर को कम करके पूंजी निर्माण की गति को ..... जा सकता है?
(अ) बढ़ाया
(ब) घटाया
(स) अपरिवर्तित
(द) अप्रभावित
उत्तर- (अ) बढ़ाया
व्याख्या - कुल आय का या तो उपभोग किया जा सकता है या बचाया जा सकता है। यदि उपभोग कम किया जायेगा तो बचत की क्रिया बढ़ जावेगी, जिससे पूंजी निर्माण बढ़ेगा।

2. निम्न में से कौन-सा तत्व पूंजी निर्माण प्रक्रिया के मांग पक्ष से संबंधित है?
(अ) उद्यमिता
(ब) संग्रहित बचतें
(स) करारोपण
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (अ) उद्यमिता
व्याख्या - उद्यमिता के कारण ही पूंजी निर्माण की प्रक्रिया तेज होती है।

3. पूंजी निर्माण से अभिप्राय है?
(अ) भौतिक पूंजी का वर्तमान में विस्तार।
(ब) भौतिक पुनर्निर्मित उत्पादन के स्टॉक में वृद्धि।
(स) भौतिक पूंजी का वर्तमान में किया गया उपभोग।
(द) सामाजिक पूंजी का भविष्य में उपभोग।
उत्तर- (ब) भौतिक पुनर्निर्मित उत्पादन के स्टॉक में वृद्धि।

4. आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार को अवरोधक किस अर्थशास्त्री ने माना है?
(अ) केयर्नक्रास
(ब) गुन्नार मिर्डल
(स) लीबिन्स्टीन
(द) मार्शल
उत्तर- (ब) गुन्नार मिर्डल
व्याख्या - गुन्नार मिर्डल ने अपनी पुस्तक 'दि एशियन ड्रामा' में यह विचार व्यक्त किया है।

5. जनांकिकीय निवेश पूंजी निर्माण की दर को -
(अ) बढ़ाता है
(ब) घटाता है
(स) अपरिवर्तित रखता है
(द) उपरोक्त में से कोई भी।
उत्तर- (ब) घटाता है
व्याख्या - किसी भी तरह का खर्च या निवेश बचत को कम करता है, जो पूंजी निर्माण की दर को घटाता है।

6. प्रो. नर्कसे के अनुसार तकनीकी रूप से अदृश्य बेरोज़गारी में श्रम की सीमान्त उत्पादकता होती है?
(अ) इकाई के बराबर
(ब) इकाई से अधिक
(स) शून्य
(द) इकाई से कम
उत्तर- (स) शून्य
व्याख्या - अदृश्य बेरोज़गारी वह स्थिति होती है, जिसमें आवश्यकता से अधिक लोग काम पर लगे होते हैं। ऐसी स्थिति में श्रम की सीमान्त उत्पादकता शून्य होती है।

7. ऋण नीति कौन-सी नीति का अंग है?
(अ) व्यय नीति
(ब) मौद्रिक नीति
(स) राजकोषीय नीति
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (स) राजकोषीय नीति
व्याख्या - राजकोषीय नीति में कर तथा ऋण सम्मिलित होता है।

8. निम्न में से कौन-सा अर्थशास्त्री जनसंख्या वृद्धि को आर्थिक विकास में बाधक मानता है?
(अ) हर्षमैन
(ब) साइमन कुजनेट्स
(स) कोल एवं टूवर
(द) मार्शल
उत्तर- (स) कोल एवं टूवर
व्याख्या - जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास के लाभ को समाप्त कर देती है।

9. सरकार द्वारा बचत एवं विनियोजन को नियंत्रित करने की नीति को कहा जाता है?
(अ) राजकोषीय नीति
(ब) मौद्रिक नीति
(स) व्यापार नीति
(द) सुरक्षा नीति
उत्तर- (अ) राजकोषीय नीति

10. कौन-से अर्थशास्त्री विदेशी व्यापार को आर्थिक विकास का इंजिन मानते हैं?
(अ) प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री
(ब) नव प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री
(स) केयर्नक्रास
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी

11. जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास की पूर्व शर्त है इस मत का समर्थन किसने किया है?
(अ) आर्थर लुईस
(ब) कोलिन क्लार्क
(स) अलफ्रेड बोन
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी

12. पूंजी निर्माण प्रक्रिया में अदृश्य बेरोज़गारी एक स्रोत है?
(अ) आंतरिक
(ब) बाह्य
(स) उपयुर्क्त दोनों
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (अ) आंतरिक

13. प्राकृतिक साधनों के विदोहन के लिये निम्न में से कौन-सा तत्व आवश्यक होता है?
(अ) उद्यमशीलता
(ब) अनुकूल सामाजिक परिस्थितियां
(स) विपणन एवं अनुसंधान सुविधायें
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी
व्याख्या - प्राकृतिक साधनों के विदोहन के लिये उपरोक्त सभी तत्व आवश्यक होते हैं।

14. पूंजी सरलीकरण वह प्रक्रिया है, जिसमें -
(अ) उत्पादन स्थिर रहता है।
(ब) पूंजी प्रधानता स्थिर रहती है।
(स) आय का वितरण अधिक न्याय संगत हो जाता है।
(द) प्रति श्रमिक उत्पादन में वृद्धि के साथ प्रौद्योगिकी में परिवर्तन होता है।
उत्तर- (द) प्रति श्रमिक उत्पादन में वृद्धि के साथ प्रौद्योगिकी में परिवर्तन होता है।

15. मध्यवर्ती प्रौद्योगिकी आधारित है?
(अ) आयतित कच्चे माल पर
(ब) अधिक मात्रा में उपभोग वस्तुओं के उत्पादन पर
(स) स्थानीय आगतों और स्थानीय बाजारों पर
(द) उपरोक्त सभी पर
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी पर

16. आर्थिक विकास की आरम्भिक स्थिति में पूंजी उत्पाद अनुपात कैसा होता है?
(अ) अधिक
(ब) कम
(स) शून्य
(द) उपरोक्त में से कोई भी
उत्तर- (अ) अधिक
व्याख्या - प्रारंम्भिक दिनों में अधिक पूंजी लगती है, किसी भी वस्तु के निर्माण में।

17. सीमान्त पूंजी उत्पाद अनुपात का सूत्र है?
(अ) पूंजीगत स्टॉक/कुल उत्पादन
(ब) पूंजीगत स्टॉक/उत्पादन वृद्धि
(स) पूंजी वृद्धि/उत्पादन वृद्धि
(द) पूंजी वृद्धि/कुल उत्पादन
उत्तर- (स) पूंजी वृद्धि/उत्पादन वृद्धि

18. जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता आधारित है?
(अ) साक्षरता के प्रतिशत, शिशु मृत्यु तथा आयु संभाविता पर
(ब) भोजन, जल, आश्रय तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित आपूर्ति पर
(स) सफाई, शिक्षा तथा कल्याणकारी उपायों की व्यवस्था पर
(द) उपरोक्त सभी पर
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी पर
व्याख्या - ऊपर दिये गये समस्त तत्व जीवन सूचकांक की भौतिक गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।

19. आर्थिक विकास का संबंध किस धारणा से है?
(अ) सीमान्त पूंजी उत्पाद अनुपात
(ब) औसत पूंजी उत्पाद अनुपात
(स) उपरोक्त दोनों
(द) दोनों में से कोई नहीं
उत्तर- (अ) सीमान्त पूंजी उत्पाद अनुपात
व्याख्या - सीमान्त पूंजी उत्पाद अनुपात आर्थिक विकास से संबंधित होता है।

20. कुल पूंजीगत स्टॉक को कुल उत्पादन से भाग देने पर क्या प्राप्त होता है?
(अ) औसत पूंजी उत्पाद अनुपात
(ब) सीमान्त पूंजी उत्पाद अनुपात
(स) विकास की दर
(द) जनसंख्या वृद्धि पर
उत्तर- (अ) औसत पूंजी उत्पाद अनुपात

21. विनियोग दर बढ़ने पर पूंजी उत्पाद अनुपात -
(अ) घटता है
(ब) बढ़ता है
(स) अपरिवर्तित रहता है
(द) अनिश्चित रहता है
उत्तर- (अ) घटता है

22. वह सूचक जो आयु सम्भाविता और साक्षरता के सामाजिक सूचकों का मूल आय के इस माप से सम्मिलन करता है, जो लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर उठाने के लिये पर्याप्त क्रय शक्ति को प्रतिविम्बित करने के लिये समायोजित है, कहलाता है?
(अ) मूल आवश्यकता सूचक
(ब) क्रयशक्ति सूचक
(स) मानव विकास सूचकांक
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर- (स) मानव विकास सूचकांक

23. प्रो. शुम्पीटर के अनुसार आर्थिक विकास के लिये कौन-सा घटक आवश्यक है?
(अ) नवप्रवर्तन
(ब) तकनीकी प्रगति
(स) उपरोक्त दोनों
(द) उपरोक्त में से कोई भी
उत्तर- (स) उपरोक्त दोनों
व्याख्या - शुम्पीटर के अनुसार आर्थिक विकास के लिये ये दोनों घटक आवश्यक हैं।

24. मानव पूंजी निर्माण में निम्न में से कौन-सी क्रियायें सम्मिलित हैं?
(अ) स्वास्थ्य की देखभाल
(ब) शिक्षा
(स) कुशलता में वृद्धि
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी
व्याख्या - मानव की कुशलता व योग्यता में वृद्धि से मानव पूंजी निर्माण बढ़ता है।

25. आर्थिक विकास प्रक्रिया में पूंजी निर्माण को अधिक महत्व किस अर्थशास्त्री ने दिया था?
(अ) नर्कसे
(ब) शुम्पीटर
(स) मार्शल
(द) एडमस्मिथ
उत्तर- (अ) नर्कसे

26. किसी देश का आर्थिक विकास किस घटक से प्रभावित नहीं होता है?
(अ) राजनीतिक स्थिरता
(ब) दूसरे देशों की आर्थिक प्रगति दर
(स) दूसरे देशों की व्यापार नीति
(द) विदेशी व्यापार
उत्तर- (ब) दूसरे देशों की आर्थिक प्रगति दर
व्याख्या - दूसरे देशों की आर्थिक प्रगति से देश का आर्थिक विकास प्रभावित नहीं होता है।

27. मानवीय शक्ति के आर्थिक विकास में सहायक होने के लिये आवश्यक है कि -
(अ) जनसंख्या वृद्धि दर रोकी जाये।
(ब) जनसंख्या को गतिशील बनाया जाये।
(स) मानवीय पूंजी निर्माण किया जावे।
(द) उपरोक्त सभी।
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी
व्याख्या - मानवीय शक्ति को आर्थिक विकास में सहायक बनाने के लिये उसे कुशल बनाना आवश्यक है।

28. आर्थिक विकास का कौन-सा घटक आर्थिक तत्व के वर्ग में आता है?
(अ) सामाजिक तत्व
(ब) उद्यमिता
(स) संस्थागत तत्व
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (ब) उद्यमिता
व्याख्या - अन्य तत्व सामाजिक व संस्थागत हैं, जो कि आर्थिक तत्व नहीं होते हैं।

29. कर के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से भविष्य की अर्थव्यवस्था पर कोई भार नहीं पड़ता है, क्योंकि कर द्वारा प्राप्त राशि का शोधन -
(अ) भविष्य में करना पड़ता है
(ब) नहीं करना पड़ता है
(स) अनिश्चित रहता है
(द) कोई प्रभाव नहीं डालता है
उत्तर- (ब) नहीं करना पड़ता है
व्याख्या - कर का पुनर्भुगतान नहीं करना होता है।

30. जन ऋण द्वारा सरकार अपनी भविष्य की चालू आय को -
(अ) बढ़ा लेती है, क्योंकि उनका भुगतान वर्तमान में नहीं करना होता है।
(ब) समाप्त कर लेती है।
(स) कम कर लेती है, क्योंकि उनका भुगतान भविष्य की आय में से करना होता है।
(द) उपरोक्त में से कोई भी।
उत्तर- (स) कम कर लेती है, क्योंकि उनका भुगतान भविष्य की आय में से करना होता है।
व्याख्या - ऋण हमेशा वापिस करना होता है, अतः इससे वर्तमान में तो आय बढ़ जाती है, परन्तु भविष्य में भुगतान के समय कम हो जाती है।

31. आर्थिक विकास प्रक्रिया से जुड़े गैर आर्थिक तत्व कौन-से हैं?
(अ) कुशल प्रशासन
(ब) सामाजिक व संस्थागत तत्व
(स) अंतर्राष्ट्रीय दशायें
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी

32. प्रो. हैरोड एवं डोमर ने किस तत्व को आर्थिक विकास में सहायक माना है?
(अ) जनसंख्या वृद्धि की दर
(ब) पूंजी उत्पाद अनुपात
(स) बचत आय अनुपात
(द) उपरोक्त सभी
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी

33. कर द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक समानता -
(अ) उत्पन्न करना सम्भव होता है
(ब) उत्पन्न करना असम्भव होता है
(स) तब ही उत्पन्न की जा सकती है, जब व्यक्ति कर देने के लिये सहमत हो
(द) अनिश्चित
उत्तर- (अ) उत्पन्न करना सम्भव होता है
व्याख्या - प्रत्यक्ष कर से यह सम्भव होता है।

34. घाटे की अर्थव्यवस्था का उपयोग सामान्यतया किस समय किया जाता है?
(अ) मंदी काल में
(ब) युद्ध काल में
(स) आर्थिक विकास करने हेतु
(द) उपरोक्त सभी में
उत्तर- (द) उपरोक्त सभी में
व्याख्या - उपरोक्त सभी स्थिति में घाटे की अर्थव्यवस्था का उपयोग किया जाता है।

35. पूंजी उत्पाद अनुपात 3:1 होने पर पूंजी गुणांक होगा?
(अ) 1
(ब) 2
(स) 3
(द) 5
उत्तर- (स) 3

- डॉ. माया राठी
(लेखिका, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय, भोपाल में अर्थशास्त्र की प्राध्यापिका हैं।)

विश्व आदिवासी दिवस | 9 अगस्त

प्रकृति के संरक्षण में अहम भूमिका निभाता है आदिवासी समुदाय

आदिवासी शब्द का अर्थ मूल निवासी होता है। प्राचीन ग्रंथों और लेखों में आदिवासियों को अत्विका तथा वनवासी भी कहा गया है। वहीं संविधान में आदिवासियों के लिए अनुसूचित जनजाति पद का उपयोग किया गया है। आदिवासी शब्द का संधि विच्छेद करने पर हम पाते हैं कि आदिवासी शब्द आदि + वासी दो शब्दों से मिलकर बना है, जिसका अर्थ अनादि काल से भौगोलिक स्थान पर निवास करने वाले व्यक्ति या समुदाय से है। ऐसे ही लोग या समुदाय को मूलवासी या आदिवासी कहा जाता है। अति पिछड़ा और मुख्यधारा से दूर माने जाने वाले आदिवासी समाज को सही मायने में देखा जाए तो हम पायेंगे कि यह समुदाय प्रकृति के रक्षक हैं और कुदरती हैं। इस वर्ग के लोग प्रकृति के सबसे नजदीकी माने जाते हैं, इनके कार्य और व्यवहार में प्रकृति अनिवार्य रूप से शामिल रहती है। आदिवासी समुदाय प्राकृतिक तत्वों को ही देवी-देवता मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में है दुनिया की 80 फीसदी जैव विविधता

आज कोरोना संकट ने हमें एक बार फिर प्राकृतिक उपहारों की ओर जाने की राह दिखाई है, लेकिन आदिवासी समाज के लोग प्राचीनकाल से ही प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं का उपयोग करते हैं और बदले में उसकी रक्षा करते हैं। वहीं हम मुख्यधारा में रहने वाले लोग केवल और केवल प्रकृति का उपभोग करते हैं। आदिवासियों का लंबे समय से मानना है कि यदि हम प्रकृति से छेड़-छाड़ करते हैं या उसे नुकसान पहुंचाते हैं तो इसके गंभीर परिणाम दुनिया के सामने आते हैं। आदिवासी प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव, जंतु, पर्वत, नदियां, नाले और खेत आदि सभी की पूजा करते हैं। उनका मानना है कि प्रकृति की हर एक वस्तु में जीवन होता है।

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार 86 फीसदी से अधिक आदिवासी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्य करते हैं, जबकि गैर आदिवासी लोगों के लिये यह संख्या घटकर 66 प्रतिशत रह जाती है। वैश्विक स्तर पर इस वर्ग के लोगों की शिक्षा पर नजर डालें तो रोज़गार से जुड़े 47 प्रतिशत आदिवासियों के पास किसी तरह की शिक्षा नहीं है; वहीं गैर आदिवासियों में ये आंकड़ा 17 फीसदी का है। महिलाओं के लिए यह अंतर और भी व्यापक है।

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लगभग 37 करोड़ आदिवासी निवास कर रहे हैं। लेकिन हजारों वर्ष से अपनी दुनिया में मस्त और कम जरूरतों में खुश रहने वाले आदिवासियों को आधुनिकीकरण का दंश झेलना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार आदिवासियों के परिवेश में अन्य दूसरे समुदायों के दखल की वजह से उनका विस्थापन तो हो ही रहा है, साथ ही उनमें कई आधुनिक बीमारियों का संक्रमण भी तेजी से फैल रहा है। इसकी प्रमुख वजह यह है कि लंबे समय से अपने परिवेश तक सीमित रहे आदिवासियों की प्रतिरोधक क्षमता इन बीमारियों के आगे बेहद कमजोर पड़ जाती है इसलिए उनकी मृत्यु दर में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। आदिवासी समाज की सेहत हमारे पर्यावरण के स्वास्थ्य की भी सूचक है। उनकी खुशहाली का मतलब है कि हमारे जंगल और पर्यावरण सुरक्षित हैं। इसलिए दुनिया की आबादी बढ़ना जितना गंभीर मुद्दा है, उतना ही चिंताजनक विषय आदिवासियों की आबादी का घटना है।

आदिवासियों की विशेष संस्कृति, अस्तित्व और आत्मसम्मान के लिये संयुक्त राष्ट्र ने घोषित किया यह दिवस

पूरी दुनिया में 9 अगस्त का दिन विश्व आदिवासी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। आदिवासी समुदाय के लिये किये जाने वाले कार्यों का मूल्यांकन करने के लिये यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र ने आदिवासियों के मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए, जल, जंगल और जमीन पर उनके अधिकार को स्थायी रूप से दिए जाने और इस वर्ग की विशेष पहचान, संस्कृति, अस्तित्व, अस्मिता और हमेशा आत्मसम्मान दिये जाने की व्यापक जनजागृति के लिए 23 दिसम्बर 1994 को संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में प्रस्ताव पारित किया था। इसके बाद प्रतिवर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ द वर्ल्ड इंडिजिनस पीपुल) मनाया जाने लगा।

आदिवासियों के मानवाधिकारों को लागू करने के लिए 1982 में विश्व स्तर पर यूएनडब्ल्यूजीईपी नामक विशेष कार्यदल का गठन किया गया। वर्ष 1992 में ब्राजील में आयोजित 'विश्व पृथ्वी दिवस' के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्व के आदिवासियों की स्थिति की समीक्षा तथा चर्चा कर इसके लिए विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। 1993 में यूएनडब्ल्यूजीईपी के 11वें अधिवेशन में प्रस्तुत आदिवासी अधिकार घोषणा पत्र के प्रारूप को मान्यता मिलने पर 9 अगस्त 1994 को यूएन की जेनेवा महासभा में सर्वसम्मति से इसे पूरी दुनिया के देशों में लागू करने का फैसला निर्देशित किया गया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा अब तक दो दशक आदिवासियों के लिये घोषित किये जा चुके हैं। पहला दशक वर्ष 1995 से 2004 तक था और दूसरा दशक 2005 से 2014 तक था।

देश, दुनिया और प्रदेश में आदिवासियों की स्थिति

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनिया भर में लगभग 476 मिलियन यानी 47.6 करोड़ लोग आदिवासी समुदाय के हैं, ये संख्या दुनिया के विभिन्न 90 देशों में निवास करती है। ये आबादी दुनिया की कुल जनसंख्या का 5 फीसदी से भी कम हिस्सा है, लेकिन दुनिया की कुल गरीबी में इनका हिस्सा 15 प्रतिशत का है। सन् 2011-12 की जनगणना के अनुसार हमारे देश में आदिवासियों की संख्या लगभग 12 करोड़ है, जो देश की कुल आबादी का 9.92 प्रतिशत है। वर्तमान में हमारे देश में 700 से अधिक प्रकार के आदिवासी समुदाय निवास करते हैं, जिसमें अलग-अलग तरह की धार्मिक परंपराएं हैं। ट्राइबल हेल्थ इन इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार देश के 705 अनुसूचित जाति के आदिवासियों में से सबसे ज्यादा तादाद मध्यप्रदेश में रहती है, इसके बाद महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान आते हैं। देश भर की दो तिहाई आदिवासी जनजाति मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, गुजरात और राजस्थान में रहती है। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 153.16 लाख (1 करोड़ 53 लाख 16 हजार 784) है जो कि राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 21.10 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजाति बहुल मध्यप्रदेश राज्य में कई जनजातीय समूह निवास करते हैं, जो कि मध्यप्रदेश की कुल जनसंख्या का पाँचवा हिस्सा हैं। प्रदेश में आदिवासी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिये आदिवासी उप-योजना की रणनीति अपनाते हुए विभिन्न विभागों के माध्यम से आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक उत्थान और अन्य विकास कार्य संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश में आदिवासी कल्याण कार्यक्रमों के लिये कुल जनजातीय आबादी के प्रतिशत के मान से प्रदेश के बजट में प्रावधान किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में प्रमुख जनजातियों की आबादी

क्र.	जनजाति का नाम	वर्ष 2011 की जनसंख्या के अनुसार आबादी
1.	भील-भिलाला	59,93,921
2.	गोंड	50,93,124
3.	कोल	11,67,694
4.	कोरकू	7,30,847
5.	सहरिया	6,14,958
6.	बैगा	4,14,526

आदिवासी वर्ग को शिक्षित करने के लिए प्रदेश सरकार कर रही है सराहनीय कार्य

मध्यप्रदेश ऐसा राज्य है, जहां आदिवासी विकासखण्डों में शिक्षा का संचालन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा किया जाता है। मध्यप्रदेश के 89 आदिवासी विकासखण्डों में प्राथमिक शिक्षा से लेकर हायर सेकेण्डरी तक की शिक्षा का दायित्व विभाग के पास है। इन विकासखण्डों में नवीन शैक्षणिक संस्थाओं को खोलना, पदों का निर्माण तथा नियंत्रण विभाग द्वारा किया जाता है। विभाग द्वारा इस वर्ग के छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्तियां स्वीकृत एवं वितरण करने के साथ-साथ समस्त छात्रावास, आश्रमों एवं अन्य आवासीय संस्थाओं का संचालन भी किया जा रहा है। जिसमें जनजाति वर्ग के बालक एवं बालिका निवास कर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

आदिवासी वर्ग के प्रतिभाशाली छात्र देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पाकर अध्ययन कर सकें, इसके लिये आकांक्षा योजना के माध्यम से कोरोना काल की अवधि में 721 आदिवासी विद्यार्थियों के लिये डेढ़ करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। लॉकडाउन के दौरान भी आदिवासी वर्ग के ये विद्यार्थी भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में जेईई, नीट और क्लेट जैसी प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। आदिवासी वर्ग के ऐसे विद्यार्थी, जिन्हें विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में प्रवेश नहीं मिल पाता है, उन्हें आवासीय सुविधा देने के लिये आवास योजना के माध्यम से आर्थिक मदद पहुँचाई जा रही है। पिछले 3 माह में 7 हजार आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों के खातों में 11 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई है।

कोरोना संकट में मध्यप्रदेश में की गई आदिवासियों की भरपूर मदद

मध्यप्रदेश सरकार ने हमेशा से ही आदिवासियों के समग्र विकास को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। कोरोना संकट काल में आदिवासियों को मदद पहुंचाने और उनके कल्याण के लिये प्रदेश सरकार ने डीबीटी के माध्यम से संबंधित विभाग की 5 प्रमुख योजनाओं में लगभग 316 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हितग्राहियों के बैंक खाते में भेजी, इससे आदिवासी वर्ग के लगभग 2.5 लाख हितग्राही लाभांवित हुये। वहीं सहरिया, बैगा तथा भारिया जनजाति के परिवारों को कुपोषण से मुक्ति दिलाने के लिये पिछले 3 महीनों में प्रदेश सरकार द्वारा 2 लाख 28 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में एक हजार रुपये प्रतिमाह के मान से 45 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई है। बता दें कि प्रदेश के 15 जिलों श्योपुर, मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट तथा डिण्डौरी में विशेष पिछड़ी जनजातियों सहरिया, भारिया एवं बैगा महिलाओं के लिये आहार अनुदान योजना चलायी जा रही है। इसके अंतर्गत उन्हें हर महीने एक-एक हजार रुपये की राशि दी जाती है। कोरोना संक्रमण काल के दौरान आदिवासियों को आमदनी हो सके इसलिये प्रदेश सरकार द्वारा वनोपजों जैसे महुआ, करंज बीज, अचार गुठली, चिरौंजी, साल बीज, शहद, नीम बीज आदि के उपार्जन के लिये दामों में बढ़ोत्तरी की गई और तेन्दूपत्ता संग्रहण का बोनस भी दिया गया।

प्रदेश सरकार के सॉफ्टवेयर में पंजीकृत हुये आदिवासी वर्ग के लगभग 10 लाख हितग्राही

मध्यप्रदेश में आदिवासी वर्ग के हितग्राहियों को सरकार की योजनाओं का लाभ सुलभता से मिल सके, इसके लिये योजनाओं को ऑनलाइन एवं कम्प्यूटरीकृत किया गया है। इससे अब हितग्राहियों को कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार किये गये सॉफ्टवेयर में लगभग 10 लाख हितग्राहियों ने अपना पंजीयन कराया है। इसके साथ ही हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं का लाभ आधार लिंक खातों के माध्यम से देने के लिये डीबीटी पेमेंट मॉड्यूल को लाइव किया गया है। इस मॉड्यूल के लाइव होने से इस वर्ष 2020-21 में पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, आवास सहायता, मुख्यमंत्री मदद योजना, छात्रावास योजना एवं प्रतिभा योजना में 2 लाख 58 हजार हितग्राहियों के खातों में डीबीटी किया गया है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- यूनेस्को द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आदिवासी भाषा बोलने वालों के मानवाधिकारों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आगामी दशक (2022-2032) आदिवासी भाषा पर केंद्रित रहेगा। इसी साल 28 फरवरी को इस विषय पर रोडमैप तैयार किया गया है।
- दुनियाभर के विभिन्न आदिवासी समुदाय लगभग 7000 भाषा या बोली बोलते हैं, वहीं इनकी 5000 के लगभग विभिन्न संस्कृतियां हैं।
- आदिवासी समाज के लोग अपने धार्मिक स्थलों, खेतों, घरों आदि जगहों पर एक विशिष्ट प्रकार का झण्डा लगाते हैं, जो अन्य धर्मों के झण्डों से अलग होता है।
- आदिवासी झण्डे में सूरज, चांद, तारे इत्यादि सभी प्रतीक विद्यमान होते हैं और ये झण्डे सभी रंग के हो सकते हैं। वो किसी रंग विशेष से बंधे हुये नहीं होते।
- भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में गोंड, मुंडा, खड़िया, हो, बोडो, भील, खासी, सहरिया, संथाल, उरांव, परधान, बिरहोर, पारधी, आंध, टोकरे कोली, महादेव कोली, मल्हार कोली, टाकणकार आदि शामिल हैं।
- जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश में 43 आदिवासी समूह हैं। इनमें भील-भिलाला आदिवासी समूह की जनसंख्या सबसे ज्यादा है। इसके बाद गोंड समुदाय, कोल, कोरकू और सहरिया आते हैं।
- एक रिपोर्ट के अनुसार 40.6 प्रतिशत आदिवासी जनजाति के लोग गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले हैं, जबकि सिर्फ 20.5 प्रतिशत गैर आदिवासी जनजाति गरीबी रेखा के नीचे हैं।
- जनजातीय परम्परागत संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये राज्य स्तरीय जनजातीय संग्रहालय का निर्माण भोपाल में कराया गया है।
- मध्यप्रदेश में सामुदायिक रेडियो केन्द्रों की स्थापना की गई है, जिससे प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों तक उनकी तरक्की के लिए राज्य द्वारा संचालित प्रवर्तित योजनाओं की जानकारी सहजता से पहुंचाई जा सके।
- प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रवासी आदिवासी मजदूरों और महिलाओं को स्व-सहायता समूह की गतिविधियों से जोड़कर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराये जाने के प्रयास किये जायेंगे। इसके लिये केन्द्रीय जनजातीय मंत्रालय ने प्रदेश की 65 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है।
- मध्यप्रदेश सरकार ने सहरिया, बैगा एवं भारिया जनजातियों को अलग से नौकरी देने की व्यवस्था की है और आदिवासी बच्चों को छात्रवृत्ति दिये जाने के साथ ही उच्च शिक्षा के लिये फीस की व्यवस्था भी सरकार द्वारा की गयी है।
- मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्र-छात्राओं को शिक्षण के साथ निःशुल्क आवास, भोजन, स्वच्छ पेयजल, विद्युत आदि की सुविधा देने के उद्देश्य से आश्रम शालाएं, जूनियर, सीनियर, सीनियर-उत्कृष्ट, महाविद्यालयीन छात्रावासों तथा विशिष्ट आवासीय संस्थाओं का संचालन किया जा रहा है, जिसमें लाखों विद्यार्थी लाभांवित हो रहे हैं।
- जनजातियों पर होने वाले अत्याचारों के प्रभावी नियंत्रण के लिये लागू किये जाने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के लिए नोडल विभाग बनाया गया है।
- मध्यप्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि एक भी पात्रताधारी वन निवासी या आदिवासी वनाधिकार से वंचित न रहे। अधिकार धारकों को कृषि प्रयोजन संबंधी अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की ओर भी प्रदेश सरकार अग्रसर है।
- मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 का प्रभावी कियान्वयन किया गया है। मध्यप्रदेश पहला ऐसा राज्य है जहां जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 का प्रभावी क्रियान्वयन कर 2 लाख 21 हजार से अधिक अनुसूचित जनजाति वर्ग दावेदारों के अधिकार मान्य किये गये हैं।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. भारत में सबसे लंबी तटरेखा वाला राज्य निम्नलिखित में से कौन-सा है?
A. गुजरात
B. तमिलनाडु
C. केरल
D. आंध्रप्रदेश
उत्तर-A. गुजरात

2. 'ओक टसर उद्योग' की शुरुआत करने वाला भारत का पहला राज्य कौन-सा है?
A. मिजोरम
B. मणिपुर
C. त्रिपुरा
D. मेघालय
उत्तर-B. मणिपुर

3. निम्न में से किस हिमालय में ऊंची चोटियां दुर्लभ हैं?
A. कश्मीर हिमालय
B. कुमाऊं हिमालय
C. पंजाब हिमालय
D. ट्रांस हिमालय
उत्तर-C. पंजाब हिमालय

4. सहाम वीच निम्नलिखित में से किस राज्य में स्थित है?
A. तमिलनाडु
B. केरल
C. कर्नाटक
D. गोवा
उत्तर-B. केरल

5. 'शून्य मील केन्द्र' निम्नलिखित में से किस शहर को कहा जाता है?
A. भोपाल
B. नागपुर
C. इंदौर
D. जबलपुर
उत्तर-B. नागपुर
व्याख्या - भौगोलिक केन्द्र पर स्थित होने के कारण इसे 'शून्य मील केन्द्र' कहा जाता है।

6. K2 पीक निम्नलिखित में से कहां स्थित है?
A. मध्य हिमालय
B. ट्रांस हिमालय
C. काराकोरम रेंज
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-C. काराकोरम रेंज

7. अंतः स्थलीय अपवहन नदी का उदाहरण निम्नलिखित में से कौन-सी नदी है?
A. माही
B. नर्मदा
C. घग्घर
D. गंगा
उत्तर-C. घग्घर
व्याख्या - शिवालिक की पहाड़ियों से उत्पन्न घग्घर नदी अंतः स्थलीय अपवहन नदी का उदाहरण है।

8. 14 प्रमुख निजी बैंकों का राष्ट्रीयकरण किस वर्ष किया गया?
A. 1968
B. 1970
C. 1969
D. 1971
उत्तर-C. 1969

9. 'क्योटो प्रोटोकॉल' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
A. वायु प्रदूषण
B. जलवायु परिवर्तन
C. जल प्रदूषण
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-B. जलवायु परिवर्तन

10. मध्यप्रदेश में मलाजखण्ड निम्नलिखित में से किसके लिए प्रसिद्ध है?
A. तांबा
B. मैंगनीज
C. लौह अयस्क
D. टंगस्टन
उत्तर-A. तांबा
व्याख्या - यह बालाघाट में स्थित है।

11. 'रंगराजन समिति' के गठन का उद्देश्य निम्नलिखित में से क्या था?
A. बैंकिंग सुधार
B. विनिवेश
C. कर सुधार
D. विदेश व्यापार
उत्तर-A. बैंकिंग सुधार

12. 'सर्वोदय योजना' निम्नलिखित में से किसने शुरू की?
A. जयप्रकाश नारायण
B. मोरारजी देसाई
C. श्रीमन नारायण अग्रवाल
D. एम.एन. रॉय
उत्तर-A. जयप्रकाश नारायण
व्याख्या - सर्वोदय योजना की रूपरेखा तैयार करने में विनोबा भावे के साथ-साथ जयप्रकाश नारायण सहित कई लोगों ने सहयोग किया था।

13. निम्न में से सबसे बड़ा द्वीप समूह कौन-सा है?
A. अंडमान और निकोबार
B. लक्षद्वीप
C. इंडोनेशिया
D. मालदीव
उत्तर-C. इंडोनेशिया

14. नन्दा देवी चोटी निम्नलिखित में से कहां स्थित है?
A. हिमाचल प्रदेश
B. उत्तराखण्ड
C. उत्तरप्रदेश
D. सिक्किम
उत्तर-B. उत्तराखण्ड

15. ब्याज, सब्सिडी आदि निम्नलिखित में से किस प्रकार के व्यय हैं?
A. योजनागत व्यय
B. गैर-योजनागत व्यय
C. विदेशी व्यय
D. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर-B. गैर-योजनागत व्यय

16. प्रथम वार वैज्ञानिक रूप से राष्ट्रीय आय का अनुमान निम्नलिखित में से किसके द्वारा किया गया?
A. दादाभाई नौरोजी
B. वी.के.आर.वी. राव
C. जयप्रकाश नारायण
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-B. वी.के.आर.वी. राव

17. सिंधु की सहायक नदियों में से किसका उद्गम मानसरोवर से है?
A. व्यास
B. झेलम
C. सतलुज
D. रावी
उत्तर-C. सतलुज

18. निम्नलिखित में से किसको अरब सागर की रानी के रूप में जाना जाता है?
A. विजाग बंदरगाह
B. पारादीप बंदरगाह
C. कोच्चि बंदरगाह
D. मुंबई बंदरगाह
उत्तर-C. कोच्चि बंदरगाह

19. 'चिरिया' नामक लौह अयस्क खदान निम्नलिखित में से कहां स्थित है?
A. झारखण्ड
B. बिहार
C. ओडिशा
D. छत्तीसगढ़
उत्तर-A. झारखण्ड

20. भगवा अनार की खेती के लिये निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य प्रसिद्ध है?
A. असम
B. सिक्किम
C. मेघालय
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-D. इनमें से कोई नहीं

21. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह निम्नलिखित में से किसके साथ समुद्री सीमा साझा करते हैं?
A. थाईलैंड
B. थाईलैंड और इंडोनेशिया
C. थाईलैंड, श्रीलंका व इंडोनेशिया
D. थाईलैंड व श्रीलंका
उत्तर-B. थाईलैंड और इंडोनेशिया

22. शंकर-6 निम्नलिखित में से किसका एक प्रकार है?
A. कपास
B. सरसों
C. मूंगफली
D. सोयाबीन
उत्तर-A. कपास
व्याख्या - यह बहुत अधिक व्यापार की जाने वाली कपास की एक किस्म है।

23. निम्नलिखित में से कौन 'बिम्सटेक' का सदस्य नहीं है?
A. चीन
B. भूटान
C. नेपाल
D. थाईलैंड
उत्तर-A. चीन

24. हरित क्रांति के जनक के रूप में निम्नलिखित में से किसे जाना जाता है?
A. नॉर्मन बोरलॉग
B. डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन
C. वर्गीस कुरियन
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-A. नॉर्मन बोरलॉग

25. 'माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण' किस पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य था?
A. 10वीं B. 11वीं
C. 12वीं D. 8वीं
उत्तर-B. 11वीं

26. 'सालबोनी' (पश्चिम बंगाल) निम्नलिखित में से किसके लिये प्रसिद्ध है?
A. भारतीय सुरक्षा प्रेस
B. सिक्का टकसाल
C. आधुनिक मुद्रा नोट प्रेस
D. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर-C. आधुनिक मुद्रा नोट प्रेस

27. 'ब्रेटन वुडट्विन्स' निम्नलिखित में से किसे कहा जाता है?
A. आईबीआरडी और आईएमएफ
B. आईए और आईएफसी
C. आईडीए और मीगा
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-A. आईबीआरडी और आईएमएफ

28. सिडवी का मुख्यालय निम्नलिखित में से कहां स्थित है?
A. हैदराबाद
B. दिल्ली
C. नागपुर
D. लखनऊ
उत्तर-D. लखनऊ

29. भारत का पहला वाणिज्यिक बैंक कौन-सा था?
A. हिंदुस्तान बैंक
B. बैंक ऑफ बंगाल
C. इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया
D. पंजाब नेशनल बैंक
उत्तर-A. हिंदुस्तान बैंक

30. भारतीय रिजर्व बैंक में डिप्टी गवर्नर की नियुक्ति के संबंध में क्या सही है?
A. डिप्टी गवर्नर की नियुक्ति अधिकतम 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक हो सकती है जो भी पहले हो
B. एक डिप्टी गवर्नर की नियुक्ति अधिकतम 4 साल या 62 वर्ष की उम्र तक हो सकती है। जो भी पहले हो
C. एक डिप्टी गवर्नर की नियुक्ति 3 वर्ष या 60 वर्ष की आयु तक हो सकती है जो भी पहले हो
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-A. डिप्टी गवर्नर की नियुक्ति अधिकतम 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु तक हो सकती है जो भी पहले हो

31. 'रॉबिन हुड प्रभाव' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
A. आय और खपत
B. आय पुनर्वितरण
C. आनुपातिक कर
D. बैंकिंग
उत्तर-B. आय पुनर्वितरण

32. कौन-सा संगठन भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना को लागू करता है?
A. नाबार्ड
B. एक्जिम बैंक
C. सिडबी
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-B. एक्जिम बैंक

33. कावेरी गिल अध्ययन भारत सरकार के किस कार्यक्रम से संबंधित है?
A. राष्ट्रीय सौर मिशन
B. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
C. भारत निर्माण
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-B. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन

34. आर्थिक योजना निम्नलिखित में से किस सूची में आती है?
A. संघ सूची
B. समवर्ती सूची
C. राज्य सूची
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-B. समवर्ती सूची

35. 'पर्यटन से उत्पन्न आय' को निम्नलिखित में से किस स्थान पर रखा जाता है?
A. अदृश्य आयात
B. अदृश्य निर्यात
C. दृश्यमान आयात
D. दृश्यमान निर्यात
उत्तर-B. अदृश्य निर्यात

36. निम्नलिखित में से कौन-सी विषुवतीय फसल नहीं है?
A. नारियल B. रबर
C. चना D. केला
उत्तर-D. केला

37. म्यांमार की सीमा निम्नलिखित में से किसके साथ नहीं लगती?
A. लाओस
B. थाईलैंड
C. वियतनाम
D. भारत
उत्तर-C. वियतनाम

38. पृथ्वी की सबसे पतली परत के रूप में किसे जाना जाता है?
A. क्रस्ट
B. मेटल
C. कोर
D. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर-A. क्रस्ट

39. स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय निम्नलिखित में से कौन थे जिन्होंने व्यक्तिगत ओलिंपिक स्पर्धा में पदक जीता है?
A. ध्यानचंद
B. के.डी. जाधव
C. पृथ्वीपाल सिंह
D. हरिश्चंद भज्जर
उत्तर-B. के.डी. जाधव

40. राष्ट्रीय खेल दिवस कब मनाया जाता है?
A. 21 अगस्त
B. 29 अगस्त
C. 26 अगस्त
D. 20 अगस्त
उत्तर-B. 29 अगस्त

41. नुआखोई त्योहार निम्नलिखित में किस राज्य में मनाया जाता है?
A. उत्तरप्रदेश
B. ओडिशा
C. केरल
D. मेघालय
उत्तर-B. ओडिशा

42. राजगीर महोत्सव निम्नलिखित में से कहां मनाया जाता है?
A. राजस्थान
B. गुजरात
C. बिहार
D. मध्यप्रदेश
उत्तर-C. बिहार

43. सशस्त्र सीमा बल को पहले किस रूप में जाना जाता था?
A. स्पेशल सर्विस ब्यूरो
B. सीक्रेट सर्विस ब्यूरो
C. सशस्त्र सीमा आयोग
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-A. स्पेशल सर्विस ब्यूरो

44. डोर्नियर विमान निम्नलिखित में से किस श्रेणी से संबंधित है?
A. टोही विमान
B. लाइट यूटिलिटी विमान
C. निगरानी विमान
D. सामरिक विमान
उत्तर-B. लाइट यूटिलिटी विमान

45. 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' किसके कारण होता है?
A. सल्फेट्स
B. क्लोराइड
C. कार्बोनेट
D. नाइट्रेट्स
उत्तर-D. नाइट्रेट्स

46. सालबाई की संधि निम्नलिखित में से किस युद्ध से संबंधित है?
A. प्रथम एंग्लो मैसूर युद्ध
B. प्रथम एंग्लो मराठा युद्ध
C. द्वितीय एंगलो मराठा युद्ध
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-B. प्रथम एंग्लो मराठा युद्ध

47. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक बहुविवाह के खिलाफ निर्देशित किया गया था?
A. भानुमति चित्तविकास
B. कुलीन कुलासर्वासा
C. विधा विवाहा
D. नवा नाटक
उत्तर-B. कुलीन कुलासर्वासा

48. निम्नलिखित में से किसने प्रस्तावना को भारतीय संविधान की राजनीतिक कुंडली कहा है?
A. के.एम. मुंशी
B. जवाहरलाल नेहरू
C. ठाकुरदास भार्गव
D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर-A. के.एम. मुंशी

49. अक्टूबर क्रांति किस देश से संबंधित है?
A. जापान B. जर्मनी
C. फ्रांस D. रूस
उत्तर-D. रूस

50. भारत की पहली महिला शिक्षक निम्नलिखित में से किसे माना जाता है?
A. सरला देवी
B. सरोजिनी नायडू
C. सावित्री बाई फुले
D. एनी बेसेंट
उत्तर-C. सावित्री बाई फुले

- पूर्वी जैन
(लेखिका, मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित हैं)

यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षा के लिये महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

राजनीति शास्त्र

भाग-1 : राजनीतिक सिद्धांत एवं विचारक

1. राज्य की उत्पत्ति के 'दैवीय सिद्धांत' का सर्वप्रथम प्रतिपादन किस ग्रंथ में हुआ है-
अ. महाभारत में
ब. बाइबिल में
स. रिपब्लिक में
द. ओल्ड टेस्टामेंट में।

2. राजनीतिक विचारक कंफ्यूशियस का संबंध है-
अ. जापान से ब. थाईलैंड से
स. चीन से द. रूस से।

3. अरस्तू भारत के किस राजनीतिक चिंतक का समकालीन था-
अ. अशोक ब. विक्रमादित्य
स. कौटिल्य द. हर्षवर्धन।

4. कौटिल्य के अर्थशास्त्र में लगभग कितने श्लोक हैं-
अ. 3000 ब. 4500
स. 5200 द. 6000

5. इनमें से कौन व्यवहारवादी राजनीति का विद्वान नहीं है-
अ. राबर्ट डहल
ब. जॉन लॉक
स. डेविड ईस्टन
द. हेराल्ड लासवेल।

6. 'थ्योरी एंड प्रेक्टिस ऑफ मॉडर्न गवर्नमेंट्स' किसने लिखी है-
अ. सी.एफ. स्ट्रांग ने
ब. अर्नेस्ट बार्कर ने
स. टी.एच. ग्रीन ने
द. हर्मन फाइनर ने।

7. यह किसने कहा है कि राजनीति विज्ञान की जड़ें मनोविज्ञान में निहित हैं-
अ. ब्राइस ने ब. सीले ने
स. एक्टन ने द. फाइनर ने।

8. "अरस्तू आदर्श राज्य की कल्पना मात्र ही नहीं करता, बल्कि वह राज्य के आदर्शों की उपलब्धता व उनकी प्राप्ति के साधन भी बतलाता है।" ऐसा निष्कर्ष प्रस्तुत किया है-
अ. लिंकन ने ब. रॉल्स ने
स. सेबाइन ने द. मैक्सी ने।

9. इनमें से कौन प्राकृतिक अधिकारों का/के प्रतिपादक है/हैं-
1. बैंथम 2. लॉक
3. थामस पेन 4. बर्क
अ. केवल 1 ब. केवल 3
स. 2 एवं 3 द. 1 एवं 4

10. किस राजनीति शास्त्री ने पूर्व राष्ट्रपति के.आर. नारायणन को राजनीति विज्ञान की शिक्षा दी थी-
अ. गार्नर ने ब. बार्कर ने
स. ग्रीन ने द. लास्की ने।

भाग-2 : तुलनात्मक राजनीति

11. ब्रिटेन में सर्वोच्च न्यायालय कब से विधिवत कार्य करने लगा है-
अ. 2002 से ब. 2003 से
स. 2005 से द. 2008 से।

12. "संविधान के निर्माण से अधिक कठिन कार्य है, उसका क्रियान्वयन।" यह कहा है-
अ. वुडरो विल्सन ने
ब. विलोथी ने
स. टी.एच. ग्रीन ने
द. प्रो. गार्नर ने।

13. 'विधि की उचित प्रक्रिया' का सिद्धांत किस संविधान की विशेषता है-
अ. अमेरिकन ब. कनाडियन
स. स्विस द. जापानी।

14. "शासन के रूपों के लिए मूर्खों को लड़ने दो, जो शासन ठीक प्रकार से चले, वही सर्वश्रेष्ठ है।" यह कथन है-
अ. लार्ड क्लाइव का
ब. जेफरसन का
स. जॉन आस्टिन का
द. अलेक्जेंडर पोप का।

15. किसने साम्राज्यवाद को सकारात्मक शक्ति मानते हुए इसे पूंजीवाद के विकास में सहायक माना है-
अ. बिल बैरन ने
ब. मार्गेन्थाउ ने
स. लासवेल ने
द. रोजेनबर्ग ने।

16. "लोकमत या अभिव्यक्ति का निर्माण करने एवं इसका प्रशिक्षण प्रदान करने में राजनीतिक दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" यह कथन है-
अ. जीन ब्लॉन्डेल का
ब. विलियम्स ब्रुश का
स. ब्राइस का
द. गिलक्राइस्ट का।

17. 'The meaning of Democracy' के लेखक हैं-
अ. एच.जे. लास्की
ब. हर्बट साइमन
स. आइवर जैनिंग्स
द. कार्ल डॉयच।

18. "हेनरी, एडवर्ड एवं जार्ज मर सकते हैं, लेकिन सम्राट इनसे अधिक जीवित रहता है।" यह कहा है-
अ. जेम्स प्रथम ने
ब. ब्लैकस्टोन ने
स. सेंट जोसफ ने
द. जॉन लॉक ने।

19. इटली, पोलैंड, ग्रीस, जर्मनी, स्पेन, यूगोस्लाविया आदि राज्यों में कब अधिनायकवाद की स्थापना हुई थी-
अ. प्रथम विश्वयुद्ध के पूर्व
ब. प्रथम विश्वयुद्ध के समय
स. द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व
द. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद।

20. राजनीतिक दलों से संबंधित प्रसिद्ध विश्लेषणकर्ता डुवर्जर के अनुसार दलों के संगठन के मूल तत्व हैं-
अ. ब्रांच, सैल, पापुलियर्टी एवं कॉकस
ब. कॉकस, सैल, मिलिशिया एवं पापुलियर्टी
स. ब्रांच, सेन्ट्रलाइजेशन, पापुलियर्टी एवं मिलिशिया
द. कॉकस, सैल, ब्रांच एवं मिलिशिया।

भाग-3 : भारतीय शासन और राजनीति

21. 1833 में किसने कहा था कि अंग्रेजी इतिहास में वह गर्व का दिन होगा जब पाश्चात्य ज्ञान से शिक्षित होकर भारतीय अंग्रेजी संस्थाओं की मांग करेंगे-
अ. कार्नवालिस ने
ब. डलहौजी ने
स. ए.ओ. ह्यूम ने
द. मैकाले ने।

22. लार्ड कैनिंग को कब भारत का पहला वाइसराय बनाया गया-
अ. 1853 में ब. 1858 में
स. 1862 में द. 1892 में।

23. 1857 की क्रांति प्रारंभ हुई थी-
अ. दिल्ली से ब. बालासोर से
स. मेरठ से द. पवनार से।

24. इनमें से कौन संविधान सभा की सदस्या नहीं थीं-
अ. सुचेता कृपलानी
ब. सरोजिनी नायडू
स. विजय लक्ष्मी पंडित
द. कस्तूरबा गांधी।

25. एक भारतीय नागरिक के मूल कर्तव्यों में शामिल हैं -
1. संविधान, राष्ट्रीय ध्वज व राष्ट्रगान का सम्मान करना
2. वन्यजीवों एवं पर्यावरण की रक्षा करना
3. सत्ताधारी दल के प्रति निष्ठा रखना
4. वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर जीवन जीना।
अ. 1, 2 एवं 4
ब. 1, 2 एवं 3
स. मात्र 1 एवं 2
द. उक्त सभी।

26. 1857 की क्रांति के समय 2.32 लाख भारतीय सैनिकों में से लगभग कितने सैनिकों ने अपनी-अपनी रेजीमेंट छोड़ दी थी-
अ. एक चौथाई ने
ब. एक तिहाई ने
स. आधे ने
द. दो तिहाई ने।

27. किस अनुच्छेद में राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं के संरक्षण करने का प्रावधान किया गया है-
अ. 46 में ब. 47 में
स. 48 में द. 49 में

28. किसी अवित्तीय विधेयक को राज्य सभा अधिकतम कितने दिन रोक सकती है-
अ. 60 दिन ब. 90 दिन
स. 180 दिन द. 360 दिन

29. भारतीय संविधान में 'अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा' का उल्लेख किया गया है-
अ. प्रस्तावना में
ब. मूलाधिकारों में
स. नीति निदेशक सिद्धांतों में
द. आपातकालीन उपबंधों में।

30. उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ में न्यूनतम कितने सदस्य होते हैं-
अ. 3 ब. 5
स. 7 द. 9

भाग-4 : लोक प्रशासन

31. 1927 में प्रकाशित ग्रंथ 'प्रिन्सीपल्स ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन' के लेखक हैं-
अ. विलोवी ब. विल्सन
स. साइमन द. उर्विक।

32. इनमें से किस देश में अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली कार्यरत है-
अ. अमेरिका में ब. कनाडा में
स. जापान में द. ब्रिटेन में।

33. अंतर्राष्ट्रीय शरणार्थी दिवस मनाया जाता है-
अ. 12 जनवरी को
ब. 21 मई को
स. 20 जून को
द. 24 सितंबर को

34. गुलिक के लोक प्रशासन के क्षेत्र संबंधी मत POSDCORB में D एवं B का अभिप्राय है-
अ. ड्यूटी एवं बॉस
ब. डिस्ट्रिक्ट एवं बजटिंग
स. डिसीप्लेन एवं बॉस
द. डायरेक्शन एवं बजटिंग।

35. लोक प्रशासन के व्यवहारवादी अध्ययन संबंधी दृष्टिकोण के प्रमुख विद्वान हैं-
अ. एफ.डब्ल्यू. रिग्स
ब. जे.एम. गॉस
स. राबर्ट डहल
द. राबर्ट मर्टन।

36. भारत का वह पहला कौनसा विश्वविद्यालय था जिसने सबसे पहले लोक प्रशासन एवं स्थानीय स्वशासन विभाग की स्थापना की-
अ. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
ब. नागपुर विश्वविद्यालय
स. सागर विश्वविद्यालय
द. राजस्थान विश्वविद्यालय।

37. भारत के किस एकमात्र राज्य में 'समान नागरिक संहिता' प्रचलित है-
अ. असम में ब. केरल में
स. गोवा में द. मिजोरम में।

38. ईस्टन की पुस्तक A Frame Work of Political Analysis का प्रकाशन हुआ था-
अ. 1953 में ब. 1958 में
स. 1965 में द. 1968 में।

39. मंत्रिपरिषद् के प्रधान के रूप में प्रधानमंत्री के कार्य करने का उल्लेख संविधान के किस अनुच्छेद में है -
अ. 74 (1) में ब. 75 (2) में
स. 76 में द. 77 (3) में।

40. संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान अध्यक्ष हैं-
अ. राजीव गाबा
ब. अरविंद सक्सेना
स. अनिरुद्ध सिंह यादव
द. बलजीत सिंह चावला।

भाग-5 : अंतर्राष्ट्रीय संबंध

41. किसने अपनी पुस्तक Theory of International Politics (1979) में युद्धों एवं तनावों को समाप्त करने में 'सहयोग एवं संघर्ष' दोनों स्थितियों को आवश्यकतानुसार अपनाने पर बल दिया है-
अ. मार्गेन्थाउ ने
ब. कैनेथ वॉल्ट्ज ने
स. कैपलान ने
द. किसिंजर ने।

42. अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन का मुख्यालय स्थित है -
अ. रोम में ब. जिनेवा में
स. लियोन में द. न्यूयॉर्क में।

43. किस राजनेता ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खुली कूटनीति अपनाने का समर्थन किया है-
अ. विल्सन ने ब. ब्रेझनेव ने
स. स्टालिन ने द. किसिंजर ने।

44. संयुक्त राष्ट्र (UN) की वर्तमान में कुल सदस्य संख्या है -
अ. 191 ब. 192
स. 193 द. 194

45. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर खाड़ी संकट-I और II क्रमशः छाए रहे हैं-
अ. 1989 एवं 1991 में
ब. 1995 एवं 1998 में
स. 1991 एवं 2003 में
द. 2003 एवं 2012 में।

46. "सोवियत संघ की गुटनिरपेक्ष आंदोलन से स्वाभाविक मित्रता रही है।" ये कहा है-
अ. गोर्बाच्योव ने
ब. रीगन ने
स. माओ ने
द. फिदेल कास्त्रो ने।

47. L.A.C. का पूर्ण रूप है-
अ. लाइट एयर क्राफ्ट
ब. लाइन एंड कमांड
स. लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल
द. लाइफ एक्सीडेंट कमीशन।

48. CTBT पर भारत ने हस्ताक्षर किये हैं-
अ. 1968 में
ब. 1995 में
स. 2005 में
द. इनमें से कोई नहीं।

49. ताशकंद समझौता हुआ था-
अ. 1965 में ब. 1966 में
स. 1968 में द. 1969 में।

50. कोविड-19 महामारी के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) को उत्तरदायी ठहराते हुए किस देश ने उससे संबंध विच्छेद करने की घोषणा की है-
अ. अमेरिका ने ब. इटली ने
स. फ्रांस ने द. रूस ने।

हल

1. द, 2. स, 3. स, 4. द, 5. ब, 6. द, 7. अ, 8. स, 9. स, 10. द, 11. स, 12. अ, 13. अ, 14. द, 15. अ, 16. स, 17. स, 18. ब, 19. स, 20. द, 21. द, 22. ब, 23. स, 24. द, 25. अ, 26. स, 27. द, 28. स, 29. स, 30. ब, 31. अ, 32. अ, 33. स, 34. द, 35. स, 36. ब, 37. स, 38. स, 39. अ, 40. ब, 41. ब, 42. स, 43. अ, 44. स, 45. स, 46. द, 47. स, 48. द, 49. ब, 50. अ।

व्याख्यात्मक हल

5. ब. जॉन लॉक राज्य की उत्पत्ति के 'सामाजिक समझौता सिद्धांत' के प्रबल समर्थक हैं।

25. अ. सत्ताधारी दल के प्रति निष्ठा रखना भारतीय नागरिकों का मौलिक कर्तव्य नहीं है।

29. स. अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा को भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इसका उल्लेख संविधान में नीति निदेशक सिद्धांतों के तहत अनुच्छेद-51 में किया गया है।

48. द. भारत ने अत्यधिक भेदभावपूर्ण प्रावधान बने रहने के कारण अभी तक CTBT पर हस्ताक्षर नहीं किये हैं।

- डॉ. नियाज अहमद अंसारी
(लेखक, शासकीय आदर्श महाविद्यालय, उमरिया में राजनीति शास्त्र एवं लोक प्रशासन के सहायक प्राध्यापक हैं)

त्योहारों पर सार्वजनिक आयोजन और समागम नहीं हों - मुख्यमंत्री

भोपाल, कोरोना में प्रदेश का रिकवरी रेट 74.7 प्रतिशत हो गया है। सभी जिले मास्क पहनने तथा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्यता सुनिश्चित करें। यह कोरोना संक्रमण को रोकने में प्रभावी है। होम आइसोलेशन के साथ-साथ कोरोना की चैन तोड़ने के लिए जहां-जहां आवश्यक हो वहां संस्थागत क्वारेंटाइन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आगे आने वाले त्योहारों जैसे गणेश उत्सव तथा मोहर्रम आदि में किसी भी तरह का सार्वजनिक आयोजन तथा समागम न हो यह सुनिश्चित किया जाए। इस उद्देश्य से यदि कहीं बड़ी मूर्तियों और ताजिए आदि का निर्माण आरंभ हो रहा है तो उस पर तत्काल पाबंदी लगाई जाए। धार्मिक कार्यक्रम घरों में ही हों, यह सुनिश्चित करें। जेलों में फैल रहे संक्रमण को गंभीरता से लेने तथा इसके प्रभावी उपाय किये जायें। फ्रंट लाइन शासकीय सेवकों में संक्रमण से बचाव के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुये कहीं।

लगातार बढ़ रही है टैस्टिंग क्षमता

समीक्षा में बताया गया कि प्रदेश में टेस्टिंग क्षमता में लगातार विस्तार हो रहा है। अब 20 हजार से अधिक टेस्ट प्रतिदिन किए जा रहे हैं। अब तक कोरोना से प्रभावित 42 हजार 618 में से 31 हजार 835 व्यक्ति स्वस्थ हुए हैं। वर्तमान में सक्रिय केस 9 हजार 718 हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वतंत्रता दिवस से .....

गाँव और गरीब का कल्याण प्रदेश के समावेशी विकास की अवधारणा का केन्द्र बिन्दु है।

राज्य सरकार वन नेशन-वन राशन कार्ड की महत्वाकांक्षी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अंतर्गत सभी उचित मूल्य की दुकानों का ऑटोमेशन एवं सभी पात्र हितग्राहियों एवं परिवारों के डेटाबेस में आधार नंबर की सीडिंग का कार्य द्रुत गति से किये जाने का लक्ष्य है ताकि आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत राज्य को विकास कार्यों हेतु अतिरिक्त उधार प्राप्त हो सके। प्रदेश के ऐसे 24 श्रेणियों के पात्र लगभग 37 लाख हितग्राही, जिनके पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पात्रता पर्ची नहीं है, उन्हें भी 31 अगस्त, 2020 तक पात्रता पर्ची जारी कर निःशुल्क खाद्यान्न प्रदाय किया जाने का महाभियान प्रारंभ किया गया है। गरीब की थाली कभी खाली न रहे, राज्य सरकार इस बात के लिए कृत संकल्पित है।

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है। लॉकडाउन के होते हुए सरकार ने 15 अप्रैल से गेहूँ उपार्जन का कार्य प्रारंभ किया, जो एक बड़ी चुनौती था। किसान भाइयों के सहयोग से उपार्जन में हम देश में नंबर एक बन गए हैं। पंजाब को पीछे छोड़ते हुए 1 करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ लगभग 15 लाख 81 हजार किसानों से उपार्जित किया गया। किसानों को 24 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान भी समय पर किया गया।

इसी प्रकार चने की प्रति एकड़ क्रय मात्रा 15 क्विन्टल से बढ़ाकर 20 क्विन्टल और सरसों की प्रति एकड़ क्रय मात्रा 13 क्विन्टल से बढ़ाकर 20 क्विन्टल करते हुए किसानों को उपार्जन में लाभ दिलाया गया है।

किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण उपलब्ध कराने की योजना सतत जारी रखी गई है। हमारी सरकार ने वर्ष 2018-19 की फसल बीमा की प्रीमियम राशि 2200 करोड़ रुपये का भुगतान बीमा कंपनियों को किया, जिससे 16 लाख किसानों को फसल हानि के 3100 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। वर्ष 2019-20 के प्रीमियम का भी भुगतान किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप किसानों को 4 हजार रुपये से अधिक का भुगतान होगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अगस्त, 2020 से प्रारंभ हो रहे चार माहों के लिए लगभग 75 लाख किसानों को 1500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान भी किया गया है।

किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से मण्डी अधिनियम में संशोधन किए गए। एक ही लायसेंस से व्यापार करने, निजी क्षेत्र में मण्डियों की स्थापना एवं कृषि उपज को किसान के द्वार से सीधे खरीदने की सुविधा दी गई है।

प्रदेश सरकार खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने कृत संकल्पित है। देश में कृषि से जुड़ी सुविधाएँ तैयार करने के लिए घोषित एक लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री कृषि अधोसंरचना निधि के अंतर्गत मध्यप्रदेश को मिलने वाली लगभग 7500 करोड़ रुपये की सम्भावित सहायता से प्रदेश के किसानों की आय को दोगुना करने की दिशा में रणनीति तैयार कर सार्थक प्रयास किये जायेंगे। प्रदेश में कृषि अधोसंरचना निधि के माध्यम से वेयर हाउस, कोल्ड स्टोरेज, साईलो, ग्रेडिंग एवं पैकेजिंग यूनिट, ई-ट्रेडिंग प्लेटफार्म एवं सप्लाई चेन अधोसंरचना का निर्माण किया जायेगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत अगले तीन वर्ष में प्रदेश में 1000 नवीन कृषक उत्पादक संगठनों का सृजन कर इन्हें पूँजी अनुदान, क्रेडिट गारंटी और प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी हैं। मध्यप्रदेश को आवंटित 18.25 एम.ए.एफ. नर्मदा जल का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए रणनीति पर काम चल रहा है। नर्मदा कछार में 2.85 मिलियन एकड़ फिट अतिरिक्त जल भण्डारण के लिये 13 हजार 544 करोड़ रुपये लागत की 8 नवीन परियोजनाओं की स्वीकृतियाँ प्रदान की गई हैं। राज्य शासन द्वारा सौंवेर परियोजना सहित अनेक सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

इन सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में सिंचाई की अतिरिक्त क्षमता विकसित होगी। मध्यप्रदेश के 5 जिलों में लगभग 1700 करोड़ रुपये की लागत से भू-जल स्रोतों से लघु एवं सीमांत कृषकों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश अभियान अंतर्गत उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएँ हैं। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, ऑपरेशन ग्रीन योजना, हर्बल खेती संवर्धन, मधुमक्खी पालन एवं फसलोत्तर प्रबंधन परियोजनाएँ जैसे - प्राइमरी प्रोसेसिंग सेंटर और राइपिंग चैम्बर आदि के लिए ऋण सहायता प्रदान की जा रही है।

मछली पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर अभियान के तहत मछुआरों की आय दोगुना करने का लक्ष्य है। किसानों के समान मछुआरों को भी शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए मछुआ क्रेडिट कार्ड बनाये जा रहे हैं। मछुआरों को निःशुल्क दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी दिया जा रहा है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में पशुधन विकास के लिए राज्य सरकार दुग्ध संघों को सुदृढ़ बनायेगी। 2 लाख 68 हजार दुग्ध सहकारी समितियों से संबद्ध दुग्ध उत्पादकों एवं अन्य किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड बनाये जा रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए प्रदेश में महिला स्व-सहायता समूहों के लिए कम ब्याज पर ऋण दिलाने का निर्णय लिया गया है। इस वर्ष 1300 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण 4 प्रतिशत की ब्याज दर पर प्रदान किए जाने का लक्ष्य है। ये पिछले वर्ष से चार गुना होगा। छात्र-छात्राओं को गणवेश स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्रदाए किए जाएँगे। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की कल्पना को साकार करते हुए कोविड-19 आपदा के दौरान प्रदेश के 20 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह सदस्यों द्वारा 1 करोड़ 12 लाख से अधिक मास्क, 1 लाख 12 हजार से अधिक पी.पी.ई. किट्स, 96 हजार लीटर सेनेटाइजर तथा 2 लाख से अधिक साबुन बनाकर विक्रय किए गए। "जीवन-शक्ति" योजना के अंतर्गत पंजीकृत 10 हजार से ज्यादा शहरी महिला उद्यमियों को 10 लाख से अधिक मास्क बनाने के कार्यादेश जारी किये गये।

प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना के 5 लाख 9 हजार से अधिक हितग्राहियों के बैंक खातों में 84 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। कोरोना काल में लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 78 हजार से अधिक प्रकरणों में ई-सर्टिफिकेट जारी किये गये हैं।

हमारा संकल्प है कि हमारे प्रत्येक आदिवासी भाई-बहन को उनके हक़ की जमीन मिले। इसके लिए हर पात्र अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्ति को वनाधिकार पट्टे प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश भर में निरस्त किये गये दावों का पुनः परीक्षण किया जाकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति पट्टे से वंचित न रहे। इन्हें साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए सरकार ने निर्णय लिया है कि अनुसूचित क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के हमारे भाइयों और बहनों को नियमों के विपरीत जो ऋण 15 अगस्त, 2020 तक दिए गए हैं, उन सभी ऋणों को अब नहीं चुकाना होगा।

प्रदेश के आदिवासी भाई-बहनों द्वारा संग्रहीत की जाने वाली विभिन्न लघु वनोपज जैसे- हर्रा, बहेड़ा, साल बीज, महुआ, अचार गुठली, नागरमोथा आदि के मूल्यों में वृद्धि की जाकर उनका उपार्जन किया गया है। तेंदूपत्ता संग्रहण के पारिश्रमिक के साथ-साथ गत वर्ष के बोनस की राशि कुल 580 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

प्रदेश की अति पिछड़ी जनजातियों- सहरिया, बैगा एवं भारिया जनजाति की 2 लाख 22 हजार से अधिक महिलाओं के खातों में लगभग 80 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गयी है। इसे निरन्तर जारी रखा जायेगा।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक तथा विमुक्त-घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जातियों के विकास के लिये सरकार प्रतिबद्ध है। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किये जाने के संबंध में सरकार पूरी मजबूती के साथ माननीय न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रख रही है।

चालू वित्तीय वर्ष में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक तथा विमुक्त-घुमक्कड़ एवं अर्धघुमक्कड़ जातियों के 55 लाख 73 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं को 513 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। अनुसूचित जाति के बालक-बालिकाओं को अच्छी शिक्षा देने के उद्देश्य से प्रदेश में ज्ञानोदय आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है।

राज्य सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर भाई-बहनों के कल्याण के लिये भी विभिन्न योजनाएँ संचालित की गई हैं। सामान्य निर्धन वर्ग के विद्यार्थियों को पात्रतानुसार विभिन्न छात्रवृत्तियाँ दी जा रही हैं। राज्य में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए लागू आरक्षण सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

विगत पाँच माह की अवधि में विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में 47 लाख 54 हजार से अधिक हितग्राहियों के खातों में लगभग 14 सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा करायी गयी है। इससे कोविड संकट के दौरान दिव्यांगों, निराश्रितों, वरिष्ठ नागरिकों, कल्याणी बहनों आदि को समय पर सहायता प्राप्त हो सकी है।

कोरोना संकट में गरीब और कमजोर वर्गों पर पड़े विपरीत प्रभाव के मद्देनजर बिजली के बिलों में भी बड़ी राहत दी गई है। 100 रुपये तक बिल आने पर 50 रुपये, 100 रुपये से 400 रुपये तक बिल आने पर 100 रुपये तथा 400 रुपये से अधिक बिल आने पर पहले आधी राशि जमा करने का प्रावधान किया गया। उद्योगों को भी बिजली बिलों में इन प्रयासों के द्वारा लगभग एक हजार करोड़ रुपये की राहत दी गई है।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर में घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। आगामी चार वर्षों में 1 करोड़ से अधिक नल कनेक्शन लगाने के लक्ष्य को वर्ष 2023 तक पूरा करने के लिये मिशन मोड पर कार्य शुरू किया गया है।

इस वर्ष के लिए सरकार द्वारा मिशन के अंतर्गत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएँ स्वीकृत की गई हैं ताकि वर्ष के अंत तक ग्रामीण क्षेत्र के 26 लाख से अधिक घरों में नल कनेक्शन स्थापित करने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2019 में भोपाल को देश की स्वच्छतम राजधानी घोषित किया गया है। इन्दौर लगातार तीन वर्षों से देश में नम्बर एक स्वच्छ शहर बना हुआ है। भोपाल और इन्दौर में मेट्रो रेल परियोजना का कार्य जारी है। दीनदयाल रसोई योजना को विस्तारित कर राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय एवं पवित्र नगरों में सस्ती दरों पर भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। आगामी तीन वर्षों में नगरीय क्षेत्रों में सभी नागरिक सुविधाएँ ऑनलाइन उपलब्ध करायी जाने का लक्ष्य है।

कोरोना संकट काल में विद्यार्थियों की शैक्षिक निरंतरता को बनाये रखने के लिये "हमारा घर-हमारा विद्यालय" योजना लागू की गयी है, ताकि विद्यार्थी घर पर ही अध्ययन कर सकें। राज्य सरकार ने माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए जाने की योजना को पुनः प्रारंभ कर दिया है।

प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल माण्डू में एस्ट्रो पार्क का निर्माण किया जा रहा है, जिसके माध्यम से सौरमंडल, तारामंडल आदि के विषय में ज्ञानवर्धक जानकारी सुरुचिपूर्ण तरीके से प्रदान की जायेगी। यह स्कूली बच्चों को किताबों में पढ़े हुए खगोल-विज्ञान की रोमांचक अनुभूति के साथ-साथ स्थानीय व्यक्तियों के लिए रोज़गार प्राप्त करने में भी सहायक होगा।

प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विश्व बैंक के सहयोग से 200 महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लास तथा 50 भवन-विहीन महाविद्यालयों में भवन निर्माण का कार्य लगभग 400 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है।

गत दिनों माननीय प्रधानमंत्रीजी ने रीवा में 750 मेगावॉट की अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना का लोकार्पण किया। यह विश्व की सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाली बड़ी इकाइयों में से एक है। प्रदेश विद्युत के मामले में आत्मनिर्भर बना रहेगा।

राज्य सरकार ओंकारेश्वर में 3000 करोड़ रुपये की लागत से 600 मेगावॉट का विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्लांट तैयार करेगी। इस सोलर प्लांट के निर्माण के फलस्वरूप सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश विश्व के नक्शे पर बड़े नवकरणीय ऊर्जा उत्पादक क्षेत्रों की श्रेणी में सम्मिलित हो जाएगा। इसी प्रकार प्रदेश के मुरैना, छतरपुर, आगर, शाजापुर एवं नीमच जिलों में भी लगभग 4400 मेगावॉट के सोलर पॉवर प्लांट स्थापित किये जायेंगे।

चंबल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिये चंबल प्रोग्रेस-वे को फास्ट-ट्रेक मोड में विकसित किया जायेगा। लगभग 6 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला 309 किलोमीटर लंबाई का चंबल प्रोग्रेस-वे श्योपुर, मुरैना एवं भिण्ड से होते हुए राजस्थान एवं उत्तरप्रदेश की सीमाओं को जोड़ेगा। यह मार्ग भिण्ड में गोल्डन क्वाड्रिलेट्रल (आगरा-कानपुर) मार्ग, मुरैना में नार्थ साउथ कॉरिडोर एवं राजस्थान में दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर से जोड़ा जायेगा। इस प्रगति के महामार्ग के निर्माण से इस क्षेत्र में औद्योगिक निवेश, कृषि और आर्थिक विकास के क्षेत्र में संभावनाओं के नये द्वार खुल जाएँगे।

अमरकंटक से होकर अलीराजपुर के रास्ते गुजरात को जाने वाले लगभग 1300 किलोमीटर लंबाई के नर्मदा एक्सप्रेस-वे से जुड़े चिन्हित क्षेत्रों से नया निवेश लाया जाएगा। विकास की इस पहल के माध्यम से नर्मदांचल में उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही क्षेत्र में धार्मिक एवं ईको-पर्यटन जैसी गतिविधियों को भी प्रोत्साहन प्राप्त होगा।

रेडीमेड गारमेंट क्षेत्र के उद्योगों में बड़ी संख्या में रोज़गार का सृजन होता है। प्रदेश में रेडीमेड गारमेंट क्षेत्र में पूँजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये उद्योग संवर्धन नीति में बदलाव किया गया है। अब यंत्र, संयंत्र एवं भवन में 25 करोड़ से अधिक पूँजी निवेश करने वाली गारमेंट निर्माण इकाइयों को भी मेगा स्तर की औद्योगिक इकाई माना जाएगा।

आत्मनिर्भर भारत पैकेज के अंतर्गत एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिसके अंतर्गत पात्र उद्योगों को कार्यशील पूँजी ऋण की स्वीकृति, तनावग्रस्त एमएसएमई को पुनर्जीवित करने के लिए सबोर्डिनेट ऋण की व्यवस्था, मुद्रा योजना अंतर्गत शिशु श्रेणी के ऋणों के लिये ब्याज अनुदान और इक्विटी में निवेश आदि सम्मिलित हैं। सरकार प्रदेश के सूक्ष्म, मध्यम एवं लघु उद्यमों को आत्मनिर्भर पैकेज का पूरा लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रदेश में नए उद्योगों की सरल स्थापना के लिए "स्टार्ट योर बिजनेस इन थर्टी डेज़" प्रारंभ किया जाएगा। इसके लिए सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाया जायेगा।

भारत सरकार की फार्मा पार्क योजना के अंतर्गत प्रदेश में फार्मा पार्क विकसित किया जायेगा।

प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न श्रम कानूनों में उल्लेखनीय बदलाव कर उद्योगों और स्थापनाओं को लगाने की प्रक्रिया को सरल किया गया है ताकि रोज़गार के नये अवसर पैदा हो सकें। श्रम सुधारों में श्रमिकों के हितों एवं उनके स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित मापदण्डों का पूरा ध्यान रखा गया है।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण हेतु प्रदेश में अगले तीन वर्षों में कुटीर एवं ग्रामोद्योगों का जाल बिछाया जाएगा। हथकरघा, हस्तशिल्प तथा फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स से संबंधित इकाइयों को मृगनयनी एवं विंध्या वैली ब्राण्ड से जोड़ने हेतु विशेष रणनीति तैयार की गई है, जिससे इन इकाइयों को मार्केटिंग सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

राज्य सरकार द्वारा तत्कालीन 31 मुख्य खनिजों को गौण खनिज में सम्मिलित किया गया है। इसके लिये नवीन गौण खनिज नीति बनाई जायेगी। बिना पर्यावरण को नुकसान पहुँचाये खनिज संपदा के आधुनिक पद्धति से दोहन एवं मूल्य संवर्द्धन की रणनीति पर कार्य किया जायेगा।

युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिये भोपाल में कौशल विकास परियोजना के अंतर्गत ग्लोबल स्किल्स पार्क और 10 संभागीय आईटीआई के उन्नयन एवं नव-निर्माण का कार्य प्रगति पर है। जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, सागर, भोपाल, होशंगाबाद, रीवा, शहडोल, ग्वालियर तथा भिण्ड की आईटीआई को उत्कृष्ट संस्थाओं के रूप में विकसित किया जा रहा है। उद्योगों में युवाओं को एपरेंटिस के रूप में प्रशिक्षण दिये जाने की पहल भी शीघ्र शुरू होगी।

हमें प्रदेश में इस प्रकार का वातावरण तैयार करना है, जिससे राज्य के युवा न केवल रोज़गार पाने वाले हों बल्कि दूसरों को रोज़गार देने वाले भी बनें। इसके लिये प्रदेश के विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की जायेगी।

प्रदेश में थीम आधारित पर्यटन सर्किट अमरकंटक सर्किट, रामायण सर्किट, तीर्थंकर सर्किट, नर्मदा परिक्रमा आदि और अनुभव आधारित पर्यटन जैसे- डायमण्ड टूर, साड़ी मेकिंग टूर को बढ़ावा दिया जाएगा। चित्रकूट से लेकर अमरकंटक तक राम वन गमन पथ का विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जायेगा।

राष्ट्रीय उद्योगों के बफर क्षेत्र में "बफर में सफर" योजना प्रारंभ की जायेगी जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। राष्ट्रीय उद्यानों के बफर क्षेत्र में युवाओं का पर्यटन एवं अन्य क्षेत्र में कौशल विकास किया जायेगा।

मध्यप्रदेश में नागरिकों का सिंगल सिटीजन डेटाबेस तैयार किया जायेगा। इसके बन जाने से नागरिकों को अलग-अलग योजनाओं अथवा कार्यों के लिए बार-बार

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान-खेल

1. एलेन प्रोस्ट किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं।
(अ) फॉर्मूला वन
(ब) साइक्लिंग
(स) तैराकी
(द) बिलियर्ड्स

2. इस वर्ष ला लीगा में गोल्डन बूट का पुरस्कार किस खिलाड़ी ने जीता है।
(अ) करीम बैंजेमा
(ब) लुईस सुआरेज
(स) किलियन एम्बाप्पे
(द) लियोनल मैसी

3. इनमें से किस पूर्व खिलाड़ी ने हाल ही में बीसीसीआई में अपने पद से इस्तीफा दिया है।
(अ) राहुल द्रविड़
(ब) सबा करीम
(स) यशपाल शर्मा
(द) इनमें से कोई नहीं

4. इनमें से किस भारतीय टूर्नामेंट को विश्व लीग फोरम में शामिल किया गया है।
(अ) इंडियन सुपर लीग
(ब) इंडियन प्रीमियर लीग
(स) प्रो कबड्डी लीग
(द) प्रो हॉकी लीग

5. इनमें से किस खिलाड़ी को इस वर्ष मोहन बागान लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
(अ) परगट सिंह
(ब) अशोक ध्यानचंद
(स) दिलीप टिर्की
(द) बाइचुंग भूटिया

6. वर्ष 2019 में सिनसिनाटी मास्टर्स टूर्नामेंट में पुरुष वर्ग के विजेता बने थे।
(अ) एंडी मरे
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) डेनिल मेदवेदेव
(द) ग्रिगोर दिमित्रोव

7. श्रीलंका ने वर्ष 1996 में किस खिलाड़ी की कप्तानी में क्रिकेट वर्ल्डकप जीता था।
(अ) अर्जुन रणतुंगा
(ब) दिलीप मेंडिस
(स) अरविंद डि सिल्वा
(द) रोशन महानामा

8. आठ बार के ओलिंपिक चैम्पियन यूसेन बोल्ट किस देश का प्रतिनिधित्व करते हैं।
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) केन्या
(स) बारबाडोस
(द) जमैका

9. अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी माइकल जॉर्डन किस खेल से संबंधित हैं।
(अ) बेसबॉल
(ब) गोल्फ
(स) बास्केटबॉल
(द) फुटबॉल

10. हॉकी मैच के दौरान प्रत्येक टीम से कितने खिलाड़ी मैदान पर उतरते हैं।
(अ) 9 (ब) 12
(स) 10 (द) 11

11. इनमें से किस यूरोपीय देश में बुल फाइटिंग एक लोकप्रिय खेल है।
(अ) इटली (ब) स्पेन
(स) जर्मनी (द) ग्रीस

12. बटरफ्लाई स्ट्रोक टर्म किस खेल से संबंधित है।
(अ) तैराकी (ब) कुश्ती
(स) कबड्डी (द) इनमें से कोई नहीं

13. टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में एक गेंदबाज अधिकतम कितने ओवर गेंदबाजी कर सकता है।
(अ) दो
(ब) तीन
(स) चार
(द) पांच

14. इनमें से किस खिलाड़ी ने टेनिस में अमेरिका का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।
(अ) पीट सैम्प्रास
(ब) रॉड लेवर
(स) आंद्रे अगासी
(द) क्रिस एवर्ट

15. इनमें से किस खिलाड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में दो तिहरे शतक नहीं बनाए हैं।
(अ) वीरेन्द्र सहवाग
(ब) क्रिस गेल
(स) ब्रायन लारा
(द) मैथ्यू हेडन

16. पारूपल्ली कश्यप किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।
(अ) बैडमिंटन (ब) हॉकी
(स) स्केटिंग (द) तीरंदाजी

17. ओलिंपिक खेलों में फुटबॉल को किस वर्ष शामिल किया गया था।
(अ) वर्ष 1920 (ब) वर्ष 1908
(स) वर्ष 1932 (द) वर्ष 1928

18. इनमें से किस खिलाड़ी को वर्ष 2016 में फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था।
(अ) लुका मोड्रिच
(ब) लियोनल मैसी
(स) क्रिस्टियानो रोनाल्डो
(द) इनमें से कोई नहीं

19. महिला एकदिवसीय क्रिकेट में किस खिलाड़ी के नाम सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड है।
(अ) एलिस पैरी
(ब) झूलन गोस्वामी
(स) कैथरीन फिट्जपैट्रिक
(द) सना मीर

20. वर्ष 2017 में इटेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी थीं।
(अ) एलिना स्वितोलिना
(ब) सिमोना हालेप
(स) स्लोएन स्टीफन
(द) नाओमी ओसाका

21. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड किस खिलाड़ी के नाम है।
(अ) विराट कोहली
(ब) केन विलियमसन
(स) महेन्द्र सिंह धोनी
(द) इयॉन मोर्गन

22. वर्ष 2017 में मलेशिया मास्टर्स टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग की विजेता बनी थीं।
(अ) अकाने यामागुची
(ब) केरोलिना मारिन
(स) साइना नेहवाल
(द) नोजोमी ओकुहारा

23. फुटबॉल की लोकप्रिय लीग बुंदेसलीगा किस देश में खेली जाती है।
(अ) जर्मनी (ब) इटली
(स) फ्रांस (द) स्पेन

24. विजय हजारे ट्रॉफी भारत में किस खेल की प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है।
(अ) हॉकी
(ब) क्रिकेट
(स) बैडमिंटन
(द) शतरंज

25. वर्ष 2017 में किस देश ने एशियन जूनियर स्क्वैश चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है।
(अ) भारत
(ब) चीन
(स) दक्षिण कोरिया
(द) मलेशिया

उत्तर

1. (अ), 2. (द), 3. (ब), 4. (अ), 5. (ब), 6. (स), 7. (अ), 8. (द), 9. (स), 10. (द), 11. (ब), 12. (अ), 13. (स), 14. (ब), 15. (द), 16. (अ), 17. (ब), 18. (स), 19. (ब), 20. (अ), 21. (द), 22. (स), 23. (अ), 24. (ब), 25. (अ)

- पुष्पेन्द्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करते हैं)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

जानकारी देने अथवा पृथक-पृथक पोर्टल पर पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। सिंगल सिटीजन डेटाबेस प्रदेश में लोक सेवाओं के प्रदाय में दक्षता के एक नये युग की शुरुआत होगी।

जब कोरोना के कारण बाहर नहीं जा पा रहे हों तो क्यों न अपने स्वयं के अंदर जाएँ! स्वयं के जीवन के भीतर उतरें। इस उद्देश्य को लेकर राज्य आनंद संस्थान द्वारा कोरोना के इस संकट काल के दौरान नागरिकों में फैले भय और अवसाद को दूर करने के लिये ऑनलाइन अल्प-विराम कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इसके अच्छे परिणाम सामने आये हैं और 20 हजार से अधिक लोग इस अभिनव पहल से लाभान्वित हुए हैं।

आजादी के बाद पहली बार हमारी सरकार ने ग्रामीण आबादी क्षेत्र के भू-अभिलेख बनाने का कार्य प्रारंभ किया है। इसके माध्यम से ग्रामीण जनता को उनके आवासीय भू-खण्ड पर मालिकाना हक प्रदान किया जाएगा।

प्रदेश में शांति और कानून-व्यवस्था बनी रहे, अपराधियों के मन में डर हो, इसके लिए सख्त कदम उठाए गए हैं। ड्रग्स का धंधा करने वाले, चिटफण्ड कम्पनियों, खाद और राशन की कालाबाजारी करने वालों, मिलावटखोरों, अवैध शराब बनाने और बेचने वाले माफिया, भू-माफिया, संपत्ति हड़पने वाले सहकारी माफिया, अतिक्रमणकारी, अवैध उत्खननकर्ता और आदतन अपराधियों आदि के विरुद्ध तत्परता से कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की गयी है। महिलाओं और बेटियों के विरुद्ध अपराध करने वालों के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनायी गयी है। अपराध करने वाले पूरी मानवता के दुश्मन हैं और उन्हें किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। पीड़ित व्यक्ति को एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस थाने नहीं आना पड़े, इसके लिये सरकार ने "एफआईआर-आपके द्वार" योजना का प्रयोग भी प्रारंभ किया है।

प्रदेश सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड संकट के दौरान कुछ असुविधाएँ हुई हैं, किन्तु ये अस्थाई हैं और स्थितियाँ सामान्य होने पर कर्मचारियों को देय सभी लाभ उन्हें प्राप्त होंगे।

लॉकडाउन के पश्चात् चरणबद्ध रूप से आर्थिक गतिविधियों की शुरुआत एवं गरीबों के कल्याण के पैकेज और लोकल को वोकल बनाने के संकल्प के साथ आत्मनिर्भर भारत का उदय हो रहा है। आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज से संभावनाओं के असंख्य द्वार खुले हैं। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में राज्य के प्राकृतिक, आर्थिक, मानव और भौतिक संसाधनों का उपयोग कर कॉम्पिटीटिव (प्रतियोगी), सस्टेनेबल (संवहनीय) और रैजीलियंट (नमनीय) विकास हमारा लक्ष्य होगा।

हमने हमेशा प्रदेश के विकास की योजनाएँ जनता से पूछकर, जनता से सलाह लेकर बनायी हैं। प्रदेश के नव-निर्माण के लिए सुझाव आमंत्रित करने, उनके संकलन, परीक्षण और क्रियान्वयन के उद्देश्य से मध्यप्रदेश इनोवेशन चैलेंज पोर्टल प्रारंभ किया गया है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में आगामी तीन वर्षों की सुविचारित योजना तैयार करने के लिये नीति आयोग, जनप्रतिनिधिगण, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विषय-विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया गया है। यह रोडमैप भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य तथा अर्थव्यवस्था एवं रोज़गार के मूल स्तंभों पर आधारित रहेगा। मैं प्रदेश के नागरिकों से आह्वान करता हूँ कि वे आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिये अपने बहुमूल्य सुझाव सरकार के पोर्टल mp.mygov.in पर दे सकते हैं। आगामी तीन वर्षों के रोडमैप से समृद्ध, समावेशी और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

कोविड काल में माननीय प्रधानमंत्रीजी के कुशल नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने हौसले के साथ फैसले लेकर जनशक्ति को राष्ट्रशक्ति में और जन-अपेक्षाओं को जन-कल्याण में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त किया है। जनता के सहयोग और समर्थन से संक्रमण को मात देने के संकल्प के साथ आज मध्यप्रदेश भी चुनौतियों को अवसर में, संकट को समाधान में और मुश्किल को मुमकिन में बदल रहा है। कोविड संकट ने हमें यह सीख दी है कि समय के साथ चलना और परिस्थितियों के मुताबिक स्वयं को ढालने की क्षमता रखना ही सफलता का मूल मंत्र है। हम एक नया मध्यप्रदेश गढ़ रहे हैं- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, आत्म-विश्वासी मध्यप्रदेश और अनुशासित मध्यप्रदेश।

कोशिश कर, हल निकलेगा।
आज नहीं तो कल निकलेगा।।

अर्जुन के तीर-सा सध।
मरुस्थल से भी जल निकलेगा।।

मेहनत कर, पौधों को पानी दे।
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा।।

ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी बल निकलेगा।।

जिन्दा रख, दिल में उम्मीदों को,
गरल से भी गंगाजल निकलेगा।।

कोशिश जारी रख, कुछ कर गुजरने की।
जो है आज थमा-थमा सा, चल निकलेगा।।

हमारा इतिहास गर्व करने वाला, हमारा वर्तमान उत्साह भरने वाला और हमारा भविष्य आशान्वित करने वाला है। तो आइए, हम सब मिलकर राष्ट्रीय-पर्व से राष्ट्रीय-चरित्र के निर्माण की, राष्ट्र-भक्ति से राष्ट्र-धर्म के सृजन की और राष्ट्र-सेवा से राष्ट्र-हित के चिंतन की आधारशिला रखें। यही भारत के हृदय-प्रदेश की स्वातंत्र्य-वीरों और समूचे जन-गण-मन के प्रति सच्ची आदरांजलि होगी।

मैं सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की पुनः शुभकामनाएँ देता हूँ और अपील करता हूँ कि आप सभी सजग रहें, स्वस्थ रहें और प्रसन्न रहें।

जय हिन्द। जय मध्यप्रदेश।

आत्मनिर्भर स्वस्थ मध्यप्रदेश के लिए स्वास्थ्य एवं शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताएं

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत' के सपने को पूरा करने के लिए 'आत्मनिर्भर स्वस्थ मध्यप्रदेश' की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। स्वास्थ्य एवं शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। इन विषयों पर आयोजित वेबिनार में आए सुझावों के आधार पर जो 'गोल' निर्धारित किए गए हैं, उन्हें हासिल करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जाएंगे। मध्यप्रदेश में 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' हर व्यक्ति को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा तथा 'यूनिवर्सल इम्यूनाईजेशन' प्रत्येक बच्चे का टीकाकरण के लक्ष्य को शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार में डॉ. हर्षवर्धन का मार्गदर्शन मील का पत्थर साबित होगा।

ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं शिक्षा विषयों पर आधारित वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कही।

वेबिनार में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि जिस समय श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में मुख्यमंत्री का कार्यभार संभाला, उस समय कोरोना संकट के चलते विकट स्थिति थी। महामारी का प्रदेश में प्रसार हो रहा था तथा उससे लड़ने की व्यवस्थाएं नहीं थीं। परन्तु श्री चौहान ने दिन-रात एक कर कोरोना पर प्रभावी नियंत्रण पाया। कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी वे अस्पताल से कार्य की निरंतर मॉनीटरिंग करते रहे, इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के देश में 'सबके लिए स्वास्थ्य' के सपने को पूरा करने की दिशा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में सराहनीय कार्य हो रहा है।

मध्यप्रदेश में टी.बी. नियंत्रण का अच्छा कार्य

डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2025 तक देश से पूरी तरह टी.बी. रोग के उन्मूलन के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में मध्यप्रदेश में अच्छा कार्य हो रहा है। प्रदेश के देवास जिले के टी.बी. अधिकारी इसका उदाहरण हैं, जो घर-घर इस रोग की ट्रैकिंग कर रहे हैं तथा उन्होंने वर्ष 2022 तक टी.बी. उन्मूलन का लक्ष्य रखा है।

मध्यप्रदेश में साढ़े दस हजार 'हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स'

डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि मध्यप्रदेश में हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स स्थापित करने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। प्रदेश में लगभग 10 हजार 500 हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स बनने हैं जिसमें से अभी तक 2 हजार 986 सेंटर्स बन गए हैं तथा लगभग एक करोड़ लोग इनके माध्यम से लाभान्वित हुए हैं। इन सेंटर्स में इलाज के अलावा योग, प्राणायाम आदि के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य अच्छा रखे जाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जो कि सराहनीय है।

आयुष्मान भारत योजना का प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा 'हेल्थ एण्ड वैलनेस सेंटर्स' की सेवाओं के माध्यम से हर व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाई जाएंगी। चिकित्सा की नई विधा 'टेलीमेडिसिन' का प्रदेश में अधिक से अधिक प्रसार किया जाएगा। प्रदेश में आयुष को अधिकाधिक महत्व दिया जाएगा तथा योग, प्राणायाम, प्राकृतिक चिकित्सा आदि के माध्यम से सामान्य स्वास्थ्य अच्छा रखे जाने की दिशा में कार्य किए जाएंगे।

छठवीं कक्षा से रोज़गारोन्मुखी शिक्षा

श्री चौहान ने कहा कि नई शिक्षा नीति के प्रावधानों को प्रदेश में तत्परता के साथ लागू किया जाएगा तथा छठवीं कक्षा से ही बच्चे को व्यावसायिक एवं रोज़गारोन्मुखी शिक्षा दी जाएगी। बच्चों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने एवं कौशल विकास पर जोर दिया जाएगा।

खेलचर्चा

भारत वर्ष 2021 में करेगा ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी

ऑस्ट्रेलिया में 2022 में आयोजित होगा ट्वेंटी-20 विश्वकप

दुबई, वर्ष 2021 में आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी को लेकर संशय समाप्त हो गया है। इस विश्वकप की मेजबानी भारत करेगा, वहीं वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने वाला आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप अब वर्ष 2022 में खेला जायेगा। यह निर्णय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वर्चुअल बैठक में लिया गया। बैठक में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के पदाधिकारियों के बीच अगले दो वर्षों में दो ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी को लेकर आम सहमति बनी।

आईसीसी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि आईसीसी इसकी पुष्टि करता है कि कोरोना महामारी के कारण स्थगित हुआ आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप 2020 अब वर्ष 2022 में खेला जायेगा, वहीं भारत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत वर्ष 2021 में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

महिला वन-डे क्रिकेट विश्वकप स्थगित

आईसीसी ने कहा कि बैठक में अगले वर्ष न्यूजीलैंड की मेजबानी में आयोजित होने वाले महिला वन-डे क्रिकेट विश्वकप को स्थगित किया गया है। आईसीसी ने

कहा कि कोरोना महामारी में इस टूर्नामेंट को आयोजित करना कठिन है। अब यह टूर्नामेंट 6 फरवरी से 7 मार्च 2022 तक आयोजित होगा। आईसीसी ने कहा महिला वन-डे क्रिकेट विश्वकप का प्रारूप 2021 की तरह ही होगा। इस विश्वकप के लिये 5 टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं, जबकि 3 टीमें क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से चुनीं जायेंगी। इस विश्वकप के स्थगित होने से झूलन गोस्वामी और मिताली राज जैसी दिग्गज खिलाड़ियों के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गये हैं।

ट्वेंटी-20 विश्वकप का प्रारूप नहीं बदलेगा

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु साहनी ने बताया कि वर्ष 2021 में भारत में आयोजित होने वाले आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप का प्रारूप वही होगा, जो वर्ष 2020 के विश्वकप के लिये निर्धारित किया गया था। जिन टीमों ने वर्ष 2020 के विश्वकप के लिये क्वालिफाई किया था, वे अब वर्ष 2021 के विश्वकप में खेलेंगी। अब वर्ष 2022 के ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिये नये सिरे से क्वालिफिकेशन होगा। मनु साहनी ने कहा कि अब आईसीसी टूर्नामेंटों के भविष्य को लेकर तस्वीर साफ हो गई है, जिससे सारे देश स्थगित हुए अंतर्राष्ट्रीय तथा घरेलू क्रिकेट का कार्यक्रम तैयार कर सकते हैं।

तीन साल में तीन विश्वकप

कोरोना महामारी के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काफी प्रभावित हुआ है। आईसीसी ने कोरोना संक्रमण के कारण इस वर्ष आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप को स्थगित किया है। अब अगले तीन वर्षों में 3 पुरुष क्रिकेट विश्वकप आयोजित होंगे, इनमें से 2 विश्वकप भारत में आयोजित होंगे, वहीं एक ऑस्ट्रेलिया में खेला जायेगा। भारत को वर्ष 2021 में ट्वेंटी-20 विश्वकप के साथ वर्ष 2023 में वन-डे विश्वकप की भी मेजबानी करनी है। यही वजह रही कि भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ ट्वेंटी-20 विश्वकप की मेजबानी बदलने से मना कर दिया।

एएफसी ने फीफा विश्वकप के क्वालिफायर किये स्थगित

क्वालालंपुर, एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी) ने इस वर्ष अक्टूबर-नवंबर माह में आयोजित होने वाले फीफा विश्वकप-2022 के क्वालिफायर मुकाबलों को एक वर्ष के लिये टाल दिया है। एएफसी ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुये क्वालिफायर मुकाबले स्थगित किये गये हैं। एएफसी ने कहा कि एएफसी एशियन कप-2022 के क्वालिफायर मुकाबले भी अगले वर्ष आयोजित किये जायेंगे। इन मुकाबलों के लिये नई तारीखों की घोषणा जल्द की जायेगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय फुटबॉल टीम को फीफा विश्वकप क्वालिफायर के तहत 8 अक्टूबर को कतर से, 12 नवंबर को बांग्लादेश से तथा 17 नवंबर को अफगानिस्तान से मुकाबले खेलने थे। अब ये मुकाबले अगले वर्ष आयोजित होंगे।

फेरो ने जीता पालेर्मो ओपन टेनिस टूर्नामेंट

पालेर्मो, फ्रांस की युवा महिला खिलाड़ी फियोना फेरो ने पालेर्मो लेडीज ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट के फाइनल में फेरो ने एस्टोनिया की एनेट कोंटावेट को सीधे सेटों में 6-2, 7-5 से हराया। 53वीं वरीयता प्राप्त फेरो ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल तक के सफर में महज एक सेट ही गंवाया। फेरो के टेनिस कॅरियर का यह दूसरा डब्ल्यूटीए खिताब है। उल्लेखनीय है कि मार्च में कोरोना वायरस के कारण टेनिस स्पर्धाएं निलंबित होने के बाद यह पुरुषों या महिलाओं का पहला आधिकारिक टेनिस टूर्नामेंट है।

एगॉन बर्नल ने जीती रूट डी ऑक्सिटेनी रेस

ऑक्सिटेनी, कोलंबिया के एगॉन बर्नल ने 44वीं रूट डी ऑक्सिटेनी साइक्लिंग रेस जीती है। बर्नल ने 4 राउंड की यह रेस 17 घंटे, 57 मिनट और 27 सेकंड में पूरी की। रेस में रूस के सिवाकोव ने बर्नल से 19 सेकंड ज्यादा समय लिया। इस रेस में चार बार के टूर डी फ्रांस रेस के विजेता क्रिस फ्रोम 37वें स्थान पर रहे। बर्नल ने पिछले वर्ष टूर डी फ्रांस साइक्लिंग रेस भी अपने नाम की थी।

इंग्लैंड की लौरा मार्श ने क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन, इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व ऑलराउंडर लौरा मार्श ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। मार्श ने ट्विटर पर संन्यास का ऐलान करते हुये कहा कि मैंने क्रिकेट से संन्यास लेने का निर्णय लिया है। इस वर्ष 'द हंड्रेड' प्रतियोगिता रद्द होने के बाद मुझे लगता है कि यह संन्यास लेने का सही समय है। उन्होंने कहा कि मैंने कई टीमों की तरफ से खेला है। हर टीम ने मुझे एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने का मौका दिया है।

उल्लेखनीय है कि मार्श पिछले वर्ष ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुकी हैं। मार्श अपने अंतर्राष्ट्रीय कॅरियर में 9 टेस्ट मैच, 103 वन-डे और 67 ट्वेंटी-20 मैच खेल चुकी हैं।

मैक्स वर्स्टापेन ने जीती 70वीं एनिवर्सरी ग्रांप्री रेस

सिल्वरस्टोन, दिग्गज कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने 70वीं एनिवर्सरी ग्रांप्री रेस अपने नाम की है। ब्रिटेन ने सिल्वरस्टोन सर्किट में आयोजित 52 लैप की इस रेस को रेड बुल टीम के वर्स्टापेन ने 1 घंटा 19 मिनट 41.993 सेकेंड में पूरी की। रेस में दूसरे स्थान पर मर्सिडीज के लुईस हैमिल्टन रहे। तीसरे स्थान पर वाल्टेरी बोटास, चौथे स्थान पर चार्ल्स लेकलर्क तथा पांचवें स्थान पर एलेक्जेंडर एल्बोन रहे। यह वर्स्टापेन के फॉर्मूला-वन कॅरियर की नौवीं जीत है। यह इस सत्र में वर्स्टापेन की पहली जीत है। वर्स्टापेन ने पिछले वर्ष जर्मन ग्रांप्री और ब्राजीलियन ग्रांप्री जीती थी। इस वर्ष ब्रिटिश ग्रांप्री और

हंगेरियन ग्रांप्री में वर्स्टापेन, हैमिल्टन के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। इस जीत के साथ ही वर्स्टापेन इस वर्ष की ड्राइवर चैंपियनशिप में वाल्टेरी बोटास को पछाड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। चैंपियनशिप में हैमिल्टन 107 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

मेलबर्न के बाहर भी हो सकता है बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच

मेलबर्न, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉक्ले ने कहा कि बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के बाहर भी हो सकता है। हॉक्ले ने कहा कि बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच पर निर्णय इस बात पर निर्भर करता है कि क्या एमसीजी में दर्शक आ सकते हैं। अगर एमसीजी में दर्शकों के आने पर स्वीकृति मिलती है तो बॉक्सिंग-डे टेस्ट एमसीजी में होगा। हॉक्ले ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण जो पाबंदियां लगी हैं, हमें उम्मीद है कि वह जल्द हटेंगी और स्थिति सामान्य होगी। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट टीम को इस वर्ष के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है और चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 3 विकेट से हराया

मैनचेस्टर, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में इंग्लैंड का विजय रथ लगातार आगे बढ़ रहा है। वेस्टइंडीज को टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराने के बाद इंग्लैंड की क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ भी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट मैच में 3 विकेट से हराया।

मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और पहली पारी में 326 रन बनाये। पाकिस्तान के लिये सलामी बल्लेबाज शान मसूद ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 156 रनों की शतकीय पारी खेली। मसूद के साथ उपकप्तान बाबर आजम ने भी बढ़िया पारी खेली, लेकिन वे 69 रन ही बना सके। इनके अलावा शादाब खान (45) ने भी उपयोगी पारी खेली। पहली पारी में पाकिस्तानी गेंदबाजों के सामने इंग्लिश बल्लेबाज असहाय नजर आये। इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 219 रन ही बना सकी। इंग्लैंड के लिये ओली पोप ने सर्वाधिक 62 रन बनाये।

पहली पारी में 107 रन की लीड हासिल करने वाली पाकिस्तानी टीम की

बल्लेबाजी दूसरी पारी में विफल हो गई। पाकिस्तान की पूरी टीम 169 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को जीत के लिये 277 रनों का लक्ष्य मिला। बड़े लक्ष्य के जवाब में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने सही शुरुआत की, लेकिन पाकिस्तानी गेंदबाजों ने 117 रन के स्कोर पर 5 विकेट झटककर मैच को रोमांचक बना दिया। इसके बाद जोस बटलर (75) और क्रिस वोक्स (84) ने छठवें विकेट के लिये 139 रनों की साझेदारी कर इंग्लैंड की जीत निश्चित कर दी। वोक्स अंत तक क्रीज पर डटे रहे और जीत दिलाकर ही लौटे।

- **मैच में ऑल राउंडर प्रदर्शन के लिये क्रिस वोक्स को मैन ऑफ द मैच चुना गया।**
- **शान मसूद ने लगातार तीन पारियों में शतक बनाने का कारनामा किया।**
- **विदेशी धरती पर (यूएई को छोड़कर) पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट में लगातार सातवीं हार है।**

आईसीसी की बैठक में अध्यक्ष पद पर फैसला टला

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अगले अध्यक्ष के चयन को लेकर आईसीसी की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक बेनतीजा खत्म हो गई। बैठक में अध्यक्ष पद को लेकर सर्वसम्मति नहीं बन सकी। बैठक का एक ही एजेंडा चुनाव के लिये नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देना था, लेकिन सर्वसम्मति से उम्मीदवार चुनने को लेकर कामयाबी नहीं मिल सकी। उल्लेखनीय है कि आईसीसी के अध्यक्ष पद से शशांक मनोहर का कार्यकाल समाप्त हो गया है।

ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिये बैकअप होंगे श्रीलंका और यूएई

दुबई, कोरोना महामारी का खेल जगत पर व्यापक असर पड़ रहा है। इसी को ध्यान में रखकर आईसीसी ने वर्ष 2021 में भारत में आयोजित होने वाले ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिये श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को बैकअप के तौर पर रखा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर कोरोना महामारी के कारण भारत में ट्वेंटी-20 विश्वकप नहीं हो पाता है, तो श्रीलंका या यूएई में यह टूर्नामेंट खेला जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, किसी भी वैश्विक टूर्नामेंट में बैकअप स्थल एक मानक प्रोटोकॉल है। हालांकि आईसीसी ने कहा कि अभी टूर्नामेंट के आयोजन के लिये एक वर्ष से अधिक समय है।

कोलिन मोरिकावा ने जीती पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप

सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका के युवा गोल्फर कोलिन मोरिकावा ने पीजीए गोल्फ चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। मोरिकावा ने चैंपियनशिप के अंतिम दौर में 6 अंडर 64 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। चैंपियनशिप में मोरिकावा ने पॉल केसी और डस्टिन जॉनसन को दो शॉट से हराया। मोरिकावा का चैंपियनशिप में कुल स्कोर 13 अंडर 267 रहा। यह मोरिकावा ने गोल्फ कॅरियर का पहला प्रमुख खिताब है। इस चैंपियनशिप का आयोजन दर्शकों की गैर मौजूदगी में किया गया है।

के.एन. अनंतपद्मनाभन

आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय अंपायरों के पैनल में हुए शामिल

नई दिल्ली, भारतीय अंपायर के.एन. अनंतपद्मनाभन को आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय अंपायरों के पैनल में शामिल किया गया है। इस पैनल में अनंत चौथे भारतीय अंपायर हैं। इस पैनल में अभी सी. शमशुद्दीन, अनिल चौधरी और वीरेंदर शर्मा शामिल हैं। इस पैनल में शामिल होने के बाद अनंत अब वन-डे, ट्वेंटी-20 और जूनियर विश्वकप में अंपायरिंग करते हुये नजर आयेंगे। अनंत को घरेलू क्रिकेट का बड़ा अनुभव है। अनंत ने 105 प्रथम श्रेणी मैचों में 344 विकेट लिये हैं। अनंत ने घरेलू क्रिकेट में काफी अंपायरिंग की है। अनंत ने आईपीएल और रणजी ट्रॉफी में भी अंपायरिंग की है।

उल्लेखनीय है कि विश्व क्रिकेट में भारतीय अंपायरों का दबदबा बढ़ने लगा है। कुछ महीने पहले भारत के नितिन मेनन ने आईसीसी के एलीट पैनल में जगह बनाई थी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के लिए पनडुब्बी केबल कनेक्टिविटी की शुरुआत

कारोबार को सुगम और समुद्री लॉजिस्टिक्स को सरल बनायेंगे : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को जोड़ने वाले पनडुब्बी ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) की शुरुआत की और उसे राष्ट्र को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कनेक्टिविटी से द्वीप समूह में अनगिनत अवसर पैदा होंगे। 2300 किलोमीटर की पनडुब्बी केबल बिछाने और इसे निर्धारित लक्ष्य से पहले पूरा करना बेहद प्रशंसनीय है।

प्रधानमंत्री ने गहरे समुद्र में सर्वेक्षण के रूप में समुद्र के नीचे लगभग 2300 किलोमीटर तक केबल बिछाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि केबल की गुणवत्ता बनाए रखना और विशेष जहाजों के साथ केबल बिछाना कोई आसान काम नहीं है। इस परियोजना से ऊंची लहरों, तूफानों और मानसून जैसी चुनौतियों और कोरोना महामारी जैसे कठिन समय से निपटा जा सकेगा।

- प्रधानमंत्री ने 30 दिसंबर, 2018 को पोर्ट ब्लेयर में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी।
- यह सेवा चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर, पोर्ट ब्लेयर से लिटिल अंडमान और पोर्ट ब्लेयर से स्वराज द्वीप तक प्रमुख द्वीपों पर शुरू हुई।
- अंडमान और निकोबार के 12 द्वीपों में अत्यधिक प्रभाव वाली परियोजनाओं का किया जा रहा है विस्तार।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज, जब भारत आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है और वैश्विक आपूर्ति और मूल्य श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण देश के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है, तो जलमार्ग और बंदरगाहों के हमारे नेटवर्क को मजबूत करना बहुत महत्वपूर्ण है। श्री मोदी ने कहा कि बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास में कानूनी अड़चनें भी लगातार दूर हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंडमान और निकोबार को बंदरगाह संचालित विकास केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा, क्योंकि यह दुनिया के अनेक बंदरगाहों से एक प्रतिस्पर्धी दूरी पर स्थित है।

एक देश जिसके पास बंदरगाहों का बेहतर नेटवर्क है, उनकी कनेक्टिविटी 21वीं सदी में व्यापार को बढ़ावा देने में सक्षम होगी। सरकार के प्रयासों से अंडमान और निकोबार को न केवल नई सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान भी मिलेगा।

अमेरिका

उत्तर कैरोलिना में आया 5.1 तीव्रता का भूकंप

अमेरिका के उत्तर कैरोलिना में अल-सुबह 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। माना जा रहा है कि पिछले 100 साल में पहली बार यहां इतनी तीव्र गति से भूकंप आया है।

नेशनल वेदर सर्विस के अनुसार पहले एक छोटा लेकिन शक्तिशाली झटका लगा था, उसके बाद ही 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आयी है। हालांकि कुछ इमारतों को नुकसान पहुँचा है और सड़कों पर दरारें आई हैं।

बेरूत धमाकों के बाद प्रधानमंत्री सहित पूरी सरकार ने दिया इस्तीफा

पिछले सप्ताह लेबनान की राजधानी बेरूत में हुए धमाकों को लेकर जनता की नाराजगी और प्रदर्शन के चलते प्रधानमंत्री

- धमाकों से मरने वालों की संख्या 200 के पार पहुँची।
- मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीब 3 लाख लोग शहर में बेघर हो गए हैं और 15 अरब डॉलर तक का नुकसान आंका जा रहा है।

हसन दिआब सहित पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया है। 200 से ज्यादा लोगों की मौत और सरकार के लापरवाही वाले रवैये के महेनजर सरकार के खिलाफ जनाक्रोश उमड़ पड़ा था। सरकार की अयोग्यता पर उठे सवालों पर कैबिनेट मंत्रियों सहित 7 संसद सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

रूस ने कोरोना वैक्सीन को दी मंजूरी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि उनके यहां दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन तैयार हो गई है।

- रूस के राष्ट्रपति ने मंजूरी का ऐलान किया।
- राष्ट्रपति की बेटी पर ट्रायल सफल रहा।
- प्रतिरक्षा विकसित करने में सफल रही वैक्सीन।

रूस के रक्षा मंत्रालय और गोलमाया रिसर्च इंस्टीट्यूट ने 'स्पूतनिक V' नामक इस वैक्सीन को तैयार किया है। पुतिन ने वैश्विक सहयोगियों से मदद के लिए भी कहा है।

पहले रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे मंजूरी दी फिर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुनिया के सामने इसके सफल होने की घोषणा भी की। पुतिन ने कहा कि यह वैक्सीन प्रभावी रूप से काम कर रही है और इससे स्थिर प्रतिरक्षा (Stable immunity) का निर्माण हो रहा है। पुतिन ने बेटी को वैक्सीन देने की जानकारी देते हुए कहा कि पहले चरण में वैक्सीनेशन के साथ बेटी के शरीर का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस था, जबकि अगले दिन शरीर का तापमान सामान्य हो गया था। हालांकि अमेरिका, जर्मनी, जापान ने इस वैक्सीन के सफल होने की प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। रूस ने अभी तक इन सवालों का कोई जवाब नहीं दिया है।

चीन के लड़ाकू विमानों को ताइवान की मिसाइलों ने वापस खदेड़ा

अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री एलेक्स एजार की ताईवान यात्रा के दौरान चीन के फाइटर जेट ताइवान के सामरिक इलाकों में जैसे ही घुसे वैसे ही उन पर जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागी गईं और पेट्रोलिंग विमान उनके पीछे लगा दिया गया।

यह देखकर चीन के विमान तुरंत वापस लौट गये। चीन की इस हरकत पर अमेरिका ने भी रोष प्रकट किया है।

ज्ञात रहे कि चीन ने अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री एलेक्स की ताइवान यात्रा का कड़ा विरोध भी किया था। तीन दिवसीय दौरे पर आए एलेक्स ने भी इस घटना की निंदा की है। ज्ञात रहे कि चीन, ताइवान को अपनी मुख्य भूमि मानता है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट

इंडोनेशिया में हुए ज्वालामुखी विस्फोट से कई किलोमीटर तक राख के गुबार नजर आए। यह विस्फोट माउंट सिनाबुंग ज्वालामुखी में हुआ था। सरकार के अनुसार इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई।

- लोगों और पर्यटकों को इससे 5 किलोमीटर दूर रहने को कहा गया है।
- राख से आस-पास के पेड़-पौधे और फसलें बर्बाद हुईं।

हालांकि लोगों को मलबे से दूर रहने के लिए कहा गया है। आपदा एजेंसी के अधिकारियों ने स्थानीय सैन्य और पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर लोगों को मास्क बाँटे हैं और बचाव के अन्य सामान उपलब्ध कराये हैं। इससे पहले इसमें 2019 में 7 मई और 9 जून को भी विस्फोट हुआ था।

नासा का

मार्स परसिवरेंस रोवर मिशन लॉन्च

अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा का मार्स 2020 परसिवरेंस रोवर मिशन लॉन्च हो गया है। इसे फ्लोरिडा के केप कनेवरल में केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया है।

- रोवर के साथ इंजीन्यूटी नाम का एक छोटा हेलीकॉप्टर भी भेजा गया है। यह मंगल की सतह पर अकेले उड़ान भरने का प्रयास करेगा।
- मंगल पर उड़ान भरने के दौरान यह हेलीकॉप्टर सतह से 10 फीट ऊंचा उठेगा और एक बार में 6 फीट आगे तक जाएगा।

इस मिशन में परसिवरेंस रोवर को मंगल की सतह पर भेजा जा रहा है। यह मंगल की सतह से मिट्टी और पत्थर के नमूने एकत्र करके लाएगा। साथ ही यह पुराने जीवन की जानकारी भी इकट्ठा करेगा। यह एस्ट्रोबायोलॉजी से जुड़े सवालों के जवाब भी खोजेगा।

यह मिशन न सिर्फ मंगल पर ऐसी जगहों की तलाश करेगा जहां पहले कभी जीवन रहा हो, बल्कि अभी वहां मौजूद माइक्रोबियल जीवन के संकेत भी खोजेगा।

शांति के लिए

अफगानिस्तान सरकार तालिबानी आतंकियों को करेगी रिहा

अफगानिस्तान सरकार तालिबान आतंकियों को रिहा करने पर राजी हो गई है। अफगानिस्तान की परिषद लोया जिरगा ने फैसला लेते हुए कहा कि गंभीर वारदातों में शामिल आतंकी को भी छोड़ा जाएगा। हालांकि उनके पुनर्वास व्यवस्था पर सरकार ने कोई भी योजना की जानकारी नहीं दी है। इससे तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के बीच बातचीत का रास्ता साफ हो गया है।

तालिबानी कैदियों की रिहाई के बारे में फैसला लेने के लिए अशरफ गनी सरकार ने 3200 कम्युनिटी लीडर और पॉलिटीशियन की बैठक बुलाई थी।

अलेक्जेंडर लुकाशेंको छठी बार बेलारूस के राष्ट्रपति चुने गए

बेलारूस में हुए राष्ट्रपति चुनावों में एक बार फिर से राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको बहुमत से विजयी हुए हैं। उनकी प्रतिद्वंद्वी स्वेतलाना को बहुत कम मत प्राप्त हुए हैं। हालांकि चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए बेलारूस की जनता ने धरना और प्रदर्शन भी किए हैं।

- लुकाशेंको को 80 प्रतिशत और स्वेतलाना को मात्र 9.9 प्रतिशत वोट मिले हैं।

गौरतलब है कि रूस की पश्चिमी सीमा से सटा बेलारूस 25 अगस्त, 1991 को सोवियत संघ से अलग होकर आजाद देश बना था। इसके बाद संविधान बना और जून 1994 को पहला राष्ट्रपति चुनाव हुआ और राष्ट्रपति बने अलेक्जेंडर लुकाशेंको।

1994 से लेकर अब तक लुकाशेंको बेलारूस की सत्ता पर काबिज हैं। वे छठी बार बेलारूस के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुधाम खाडे, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.बी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-जी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।

मध्यप्रदेश शासन

अपनी आज़ादी को हम हरगिज़ मिटा सकते नहीं, सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं

रानी लक्ष्मीबाई

चन्द्रशेखर आजाद

वीर सुरेन्द्र साए

भीमा नायक

शंकर शाह

रघुनाथ शाह

बरकतउल्ला भोपाली

रानी अवंतीबाई

टंट्या भील

तात्या टोपे

राणा बख्तावर सिंह

सीताराम कँवर

रघुनाथ सिंह मण्डलोई

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

आत्मनिर्भर व्यक्ति सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए सभी व्यवस्थायें स्वयं कर लेता है। आत्मनिर्भरता ही उन्नति का आधार है। हम प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं।

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

आपका साथ मध्यप्रदेश का विकास

संबल योजना
गरीबों को फिर मिला संबल। एक अप्रैल से 31 जुलाई 2020 तक योजना के विभिन्न घटकों में 25 हजार से अधिक हितग्राहियों को 268 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता स्वीकृत।

पथ व्यवसायी योजना
आत्मनिर्भर भारत के तहत प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण पथ विक्रेताओं को कार्यशील पूंजी का ब्याज मुक्त ऋण।

श्रम सिद्धि अभियान
प्रदेश के इतिहास का सबसे बड़ा रोज़गार अभियान। 61 लाख 34 हजार 426 श्रमिकों का नियोजन। 3536 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान।

श्रमिक आयोग का गठन
श्रमिकों को बेहतर जीवन दिलाने के एकाग्र प्रयासों की दिशा में अहम कदम।

रोज़गार सेतु पोर्टल
रोज़गार के अवसरों का नया आसमान। 13 लाख 10 हजार से अधिक श्रमिक और 31 हजार से अधिक नियोक्ता पंजीकृत। 38,900 से अधिक लोगों को रोज़गार मिला।

श्रम कानूनों में संशोधन
क्रांतिकारी संशोधनों से श्रमिकों के हितों का संरक्षण एवं औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन।

पंच परमेश्वर योजना पुनः प्रारंभ
52 हजार से अधिक गांवों के विकास के लिये 14वें वित्त आयोग के 1555 करोड़ रुपये तथा 15वें वित्त आयोग के 996 करोड़ रुपये जारी।

गेहूँ उपार्जन में सबसे आगे
एक करोड़ 29 लाख 42 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन। देश में प्रथम स्थान।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
16 लाख किसानों को 3100 करोड़ रुपये की फसल बीमा राशि का एक क्लिक में भुगतान।

मंडी अधिनियम में सुधार
किसानों को घर बैठे देश की किसी भी मंडी में फसल बेचने की सुविधा। किसान एवं व्यापारी दोनों के लाभ की पहल।

चंबल प्रोग्रेस-वे
चंबल क्षेत्र को मिली विकास की अभूतपूर्व सौगात।

बिजली बिलों में राहत
97 लाख बिजली उपभोक्ताओं को 623 करोड़ रुपये से अधिक की राहत।

किल कोरोना अभियान
कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए 15 दिन का डोर–टू–डोर सर्वे अभियान।

उद्योगों को रियायतें
कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत उद्योग संवर्धन नीति एवं निवेश प्रोत्साहन योजना में लाभ ले रही औद्योगिक इकाइयों को संचालन तथा भुगतान संबंधी रियायतें।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश से आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम

आकल्पन : म.प्र.माध्यम/2020

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी R-44243/D-11055/2020